सम-सामयिक
घटना चक्र

परीक्षा संवाद के 29 वर्ष

2023

ई-बुक पढ़ें
अपडेटेड रहें
देखें कवर पृष्ठ - 2

67 वीं
8 मई, 2022 को सम्पन्न परीक्षा (निरस्त) का प्रश्न-पत्र

66 वीं
65 वीं
64 वीं
63 वीं
60-62 वीं
56-59 वीं
53-55 वीं
48-52 वीं
47 वीं
46 वीं
45 वीं
44 वीं
43 वीं
42 वीं
41 वीं
40 वीं
39 वीं
38 वीं

BPSC

बिहार पी.सी.एस. प्रारंभिक परीक्षा

पूर्वावलोकन®

1992 से 2022 तक

अध्यायवार विभाजित

हल प्रश्न पत्र

सामान्य अध्ययन

☆ भारतीय इतिहास ☆ भारतीय अर्थव्यवस्था ☆ भारतीय राजव्यवस्था
☆ सामान्य विज्ञान ☆ समसामयिकी ☆ विविध ☆ सामान्य भूगोल
☆ बिहार राज्य संबंधित प्रश्न ☆ सामान्य गणित एवं तर्कशक्ति परीक्षण

CASH BACK ₹50
See Cover Page - 2
Validity upto May, 2023

© प्रकाशकाधीन :
संस्करण- छठवां
संस्करण वर्ष- 2023
ले.- SSGC
ISBN No.
978-93-90927-33-3
मूल्य : 240/-
मुद्रक- कोर पब्लिशिंग सॉल्यूशन

संपर्क-

सम-सामयिक घटना चक्र
188A/128 एलनगंज, चर्चलेन
प्रयागराज (इलाहाबाद) - 211 002
Ph.: 0532-2465524, 2465525
Mob.: 9335140296
e-mail : ssgcald@yahoo.co.in
Website : ssgcp.com
e-shop Website : shop.ssgcp.com

■ इस प्रकाशन के किसी भी अंश का पुन: प्रस्तुतीकरण या किसी भी रूप में प्रतिलिपिकरण (फोटोप्रति या किसी भी माध्यम में ग्राफिक्स के रूप में संग्रहण, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिकीकरण द्वारा जहां कहीं या अस्थायी रूप से या किसी अन्य प्रकार के प्रसंगवश इस प्रकाशन का उपयोग भी) कॉपीराइट के स्वामित्व धारक के लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

किसी भी प्रकार से इसके भंग होने या अनुमति न लेने की स्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के उन पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

*इस प्रकाशन से संबंधित सभी विवादों का निपटारा न्यायिक क्षेत्र इलाहाबाद के न्यायालय न्यायाधिकरण के अधीन होगा।

संकलन सहयोग-

- **उमेश प्रताप सिंह**
- **ललिन्द्र कुमार**
- **आशुतोष श्रीवास्तव**
- **शिवशंकर तिवारी**
- **अभिषेक कुमार**
- **पीयूष तिवारी**
- **राजकुमार श्रीवास्तव**
- **दिग्विजय पाण्डेय**
- **आनंद कुमार प्रजापति**
- **कैजुल इस्लाम अंसारी**

समारंभ

हल प्रश्न-पत्रों की शृंखला में एक और प्रश्न-पत्र BPSC प्रारंभिक परीक्षा का हल—संकलन प्रस्तुत है। सम-सामयिक घटना चक्र की परम्परा के अनुरूप प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु उपलब्ध प्रामाणिक पुस्तकों, वेबसाइटों, प्रख्यात विद्वानों की राय का सहारा लिया गया है। सही उत्तर प्राप्त करने के लिए हम यथासम्भव अंतिम सीमा तक प्रयास करते हैं। उदाहरण के लिए एक **प्रश्न-मगहर महोत्सव कब प्रारंभ हुआ?** की जानकारी कहीं से प्राप्त न हो पाने पर आयोजक संस्था से दूरभाष वार्ता कर जानकारी संजोयी गई। संस्था का दूरभाष नम्बर उसकी वेबसाइट से प्राप्त हुआ। इन अथक प्रयासों के बाद हम कह सकते हैं कि हमारे उत्तर दावा करने की सीमा तक परिशुद्ध एवं प्रामाणिक हैं। लेकिन शत-प्रतिशत शुद्धता का दावा करना नादानी होगी। कहीं कोई चूक कोई भूल हमसे भी हो सकती है।

पाठकों के संज्ञान में यदि हमारी कोई त्रुटि आती है, तो उससे हमें अवश्य अवगत कराएं, हम हृदय से उनके आभारी होंगे। सचेतक की भूमिका पाठकों को ही निभानी है।

संकलन में 19 प्रश्न-पत्र अध्यायवार विभाजित स्वरूप में संग्रहित हैं। चूंकि प्रत्येक परीक्षा में पूर्व प्रश्न-पत्रों से प्रश्नों के दुहराव की प्रवृत्ति देखी गई है, इसलिए संकलन निश्चित रूप से BPSC परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए लाभदायी सिद्ध होगा।

प्रकाशक

अनुक्रमणिका

❒ **भारतीय इतिहास** **3-87**
A. प्राचीन भारत का इतिहास
B. मध्यकालीन भारत का इतिहास
C. आधुनिक भारत का इतिहास
❒ **भारतीय राजव्यवस्था** **88-115**
❒ **सामान्य भूगोल** **116-151**
A. विश्व का भूगोल
B. भारत का भूगोल
❒ **भारतीय अर्थव्यवस्था** **152-191**
❒ **सामान्य विज्ञान** **192-232**
A. भौतिक विज्ञान
B. रसायन विज्ञान
C. जीव विज्ञान
❒ **सामान्य गणित एवं तर्कशक्ति परीक्षण** **233-265**
❒ **सम-सामयिक** **266-308**
❒ **बिहार : राज्य संबंधित प्रश्न** **309-340**
A. भूगोल
B. कृषि उद्योग एवं विविध
C. इतिहास
D. जनसंख्या एवं नगरीकरण
❒ **विविध** **340-352**

अनुक्रमणिका

- ❒ **भारतीय इतिहास**
  - **A. प्राचीन भारत का इतिहास**
  - **B. मध्यकालीन भारत का इतिहास**
  - **C. आधुनिक भारत का इतिहास**
- ❒ **भारतीय राजव्यवस्था**
- ❒ **सामान्य भूगोल**
  - **A. विश्व का भूगोल**
  - **B. भारत का भूगोल**
- ❒ **भारतीय अर्थव्यवस्था**
- ❒ **सामान्य विज्ञान**
  - **A. भौतिक विज्ञान**
  - **B. रसायन विज्ञान**
  - **C. जीव विज्ञान**
- ❒ **सामान्य गणित एवं तर्कशक्ति परीक्षण**
- ❒ **सम-सामयिक**
- ❒ **बिहार : राज्य संबंधित प्रश्न**
  - **A. बिहार भूगोल**
  - **B. कृषि उद्योग एवं विविध**
  - **C. इतिहास**
  - **D. जनसंख्या एवं नगरीकरण**
- ❒ **विविध**

समारंभ

हल प्रश्न-पत्रों की शृंखला में एक और प्रश्न-पत्र BPSC प्रारंभिक परीक्षा का हल—संकलन प्रस्तुत है। सम-सामयिक घटना चक्र की परम्परा के अनुरूप प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु उपलब्ध प्रामाणिक पुस्तकों, वेबसाइटों, प्रख्यात विद्वानों की राय का सहारा लिया गया है। सही उत्तर प्राप्त करने के लिए हम यथासम्भव अंतिम सीमा तक प्रयास करते हैं। उदाहरण के लिए एक **प्रश्न-मगहर महोत्सव कब प्रारंभ हुआ?** की जानकारी कहीं से प्राप्त न हो पाने पर आयोजक संस्था से दूरभाष वार्ता कर जानकारी संजोयी गयी। संस्था का दूरभाष नम्बर उसकी वेबसाइट से प्राप्त हुआ। इन अथक प्रयासों के बाद हम कह सकते हैं कि हमारे उत्तर दावा करने की सीमा तक परिशुद्ध एवं प्रामाणिक हैं। लेकिन शत-प्रतिशत शुद्धता का दावा करना नादानी होगी। कहीं कोई चूक कोई भूल हमसे भी हो सकती है।

पाठकों के संज्ञान में यदि हमारी कोई त्रुटि आती है, तो उससे हमें अवश्य अवगत कराएं, हम हृदय से उनके आभारी होंगे। सचेतक की भूमिका पाठकों को ही निभानी है।

संकलन में 18 प्रश्न-पत्र अध्यायवार विभाजित स्वरूप में संग्रहित हैं। चूंकि प्रत्येक परीक्षा में पूर्व प्रश्न-पत्रों से प्रश्नों के दुहराव की प्रवृत्ति देखी गयी है, इसलिए संकलन निश्चित रूप से BPSC परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए लाभदायी सिद्ध होगा।

प्रकाशक

भारतीय इतिहास

प्राचीन भारत का इतिहास

1. भारत में पशुपालन एवं कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं-

(a) अंजिरा से (b) दम्ब सदात से

(c) किली गुल मोहम्मद से (d) मेहरगढ़ से

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(d)

भारतीय उपमहाद्वीप में पशुपालन एवं कृषि का प्रारंभिक स्थल मेहरगढ़ को माना जाता है, जो 7000-5500 ईसा पूर्व के मध्य मानव बसाव का क्षेत्र था। कुछ विद्वान मेहरगढ़ में पशुपालन का काल 8500 ईसा पूर्व से मानते हैं। नवीनतम खोजों के आधार पर भारतीय उपमहाद्वीप में प्राचीनतम कृषि साक्ष्य वाला स्थल उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर जिले में स्थित लहुरादेव है। यहां से 7000 ई.पू. से 9000 ई.पू. के मध्य मानव के बसने तथा निश्चित तौर पर 6400 ईसा पूर्व के चावल के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इस नवीनतम खोज के पूर्व भारतीय उपमहाद्वीप का प्राचीनतम कृषि साक्ष्य वाला स्थल मेहरगढ़ (पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित; यहां से 7000 से 5500 ई. पू. के गेहूं के साक्ष्य मिले हैं), इसके साथ ही चावल के साक्ष्य वाला स्थल कोलडिहवा (प्रयागराज जिले में बेलन नदी के तट पर स्थित; यहां से 6500 ई.पू. के चावल की भूसी के साक्ष्य मिले हैं) माना जाता था।

2. निम्नलिखित में से किसको कैल्कोलिथिक युग भी कहा जाता है?

(a) पुरा पाषाण युग (b) नव पाषाण युग

(c) ताम्र पाषाण युग (d) लौह युग

उत्तर—(c) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

ताम्र पाषाण युग को कैल्कोलिथिक युग भी कहा जाता है। जिन संस्कृतियों में तांबे के औजारों के साथ ही पत्थर के बने हुए उपकरणों का प्रचलन मिलता है, उन्हें प्रायः ताम्र-पाषाणिक संस्कृतियां कहा जाता है।

3. हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः किस रंग का उपयोग हुआ था?

(a) लाल (b) नीला-हरा

(c) पांडु (d) नीला

उत्तर—(a) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

हड़प्पा निवासी मिट्टी के बर्तनों का व्यापक पैमाने पर निर्माण करते थे। प्रारंभिक हड़प्पा सभ्यता में पैर से चालित चाक का प्रयोग किया जाता था। परिपक्व हड़प्पा के दौर में हाथ से चालित चाकों का प्रयोग किया जाने लगा था। डिजाइन के आधार पर इन बर्तनों की दो श्रेणियां थीं, एक तो बिना डिजाइन वाले बर्तन तथा दूसरे चित्रित मृदभाण्ड। मृदभाण्डों को बनाने वाली मिट्टी में रेत का मिश्रण किया जाता था, जिनको पकाने पर यह हल्के भूरे-लाल रंग का रूप ग्रहण कर लेती थी। इन मृदभाण्डों के ऊपरी हिस्सों में लाल रंग की पुताई कर दी जाती थी तथा निचले हिस्से में काले रंग से विभिन्न प्रकार की चित्रकारी की जाती थी।

4. सिंधु सभ्यता निम्नलिखित में से किस युग में पड़ता है?

(a) ऐतिहासिक काल

(b) प्रागैतिहासिक काल

(c) उत्तर-ऐतिहासिक काल

(d) आद्य-ऐतिहासिक काल

उत्तर—(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

ऐतिहासिक काल का निर्धारण पठनीय लेखन कला के ज्ञान के आधार पर किया जाता है। लेखन कला के ज्ञान से पहले का कालखंड प्रागैतिहासिक कालखंड होता है। भारतीय इतिहास में 2500 B.C. से 600 B.C. का कालखंड आद्य-ऐतिहासिक माना गया है। सैंधव सभ्यता आद्य-ऐतिहासिक काल की सभ्यता है, क्योंकि यहां पर लेखन कला का ज्ञान तो है, परंतु अभी तक इसे पढ़ा नहीं जा सका है।

5. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या है?

(a) पकी ईंट से बनी इमारत

(b) प्रथम असली मेहराब

(c) पूजा-स्थल

(d) कला और वास्तुकला

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषता नगर नियोजन को माना जाता है। यहां नगर और कस्बे एक निश्चित योजना के अनुसार बसाए जाते थे। पकी ईंट से बनी इमारतों में मोहनजोदड़ो का विशाल स्नानागार व अन्नागार प्रमुख हैं। इनकी सतह पकी ईंटों की है, जिसे जिप्सम तथा मोर्टार द्वारा जोड़ा गया है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा एक हड़प्पा का बंदरगाह है?

(a) सिकंदरिया (b) लोथल

(c) महास्थानगढ़ (d) नागपट्टनम

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

हड़प्पीय नगर लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। यहां की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि हड़प्पाकालीन बंदरगाह है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पाकालीन स्थल गुजरात में है?

(a) लोथल (b) डाबरकोट

(c) कालीबंगा (d) राखीगढ़ी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. निम्न में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'टेराकोटा' का हल प्राप्त हुआ?

(a) धौलावीरा (b) बनावली

(c) कालीबंगा (d) लोथल

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित बनावली से 'टेराकोटा' का हल प्राप्त हुआ है।

9. निम्न में से किस हड़प्पन नगर में जुते हुए खेतों के निशान मिले हैं?

(a) कालीबंगा (b) धौलावीरा

(c) मोहनजोदड़ो (d) लोथल

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **66th BPSC (Pre) 2020**

प्रश्नगत हड़प्पा सभ्यता के स्थलों में से खम्भात की खाड़ी के निकट स्थित लोथल से गोदीबाड़ा के साक्ष्य मिले हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्गर नदी के किनारे स्थित कालीबंगा से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं। गुजरात के धौलावीरा से हड़प्पा लिपि के बड़े आकार के 10 चिह्नों वाला एक शिलालेख मिला है। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित बनावली से पकी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति मिली है।

10. निम्नलिखित में से कौन हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से संबंधित नहीं थे?

(a) आर.डी. बनर्जी (b) के.एन. दीक्षित

(c) एम.एस. वत्स (d) वी.ए. स्मिथ

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(d)

वर्ष 1921 में दयाराम साहनी ने हड़प्पा का सर्वेक्षण किया। वर्ष 1926-27 से वर्ष 1933-34 में माधोस्वरूप वत्स हड़प्पा के उत्खनन कार्य से संबंधित रहे। मोहनजोदड़ो की खोज सर्वप्रथम वर्ष 1922 में राखालदास बनर्जी ने की तथा इसके पुरातात्विक महत्व की ओर ध्यान आकर्षित किया। इनके अतिरिक्त कुछ अन्य विद्वान के.एन. दीक्षित, अर्नेस्ट मैके, आरेल स्टीन, ए. घोष, जे.पी. जोशी आदि ने भी इस सभ्यता की खोज में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अतः स्पष्ट है कि वी.ए. स्मिथ हड़प्पा सभ्यता की खोज से संबंधित नहीं रहे, बल्कि ये भारतविद् एवं कला इतिहासकार के रूप में प्रसिद्ध थे।

11. बोगजकोई का महत्व इसलिए है कि—

(a) वहां जो अभिलेख प्राप्त हुए हैं, उनमें वैदिक देवी एवं देवताओं का वर्णन मिलता है।

(b) मध्य एशिया एवं तिब्बत के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र जाना जाता है।

(c) वेद के मूल ग्रंथ की रचना यहीं हुई थी।

(d) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं।

उत्तर—(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

बोगजकोई (एशिया माइनर) से 14वीं शताब्दी ई. पू. के कुछ अभिलेख मिले हैं। इस अभिलेख में ऐसे राजाओं का उल्लेख आया है, जिनके नाम आर्यों जैसे थे और जो संधियों के साक्ष्यों तथा रक्षा के लिए इंद्र, मित्र, वरुण एवं नासत्य देवताओं का आह्वान करते थे। इससे ज्ञात होता है कि वैदिक आर्य ईरान से होकर ही भारत में आए होंगे।

12. प्रसिद्ध दस राजाओं का युद्ध किस नदी के तट पर लड़ा गया?

(a) गंगा (b) ब्रह्मपुत्र

(c) कावेरी (d) परुष्णी

उत्तर—(d) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

दशराज्ञ युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) परुष्णी नदी (वर्तमान में रावी) के तट पर लड़ा गया, जिसमें भरतो के राजा सुदास ने दस राजाओं के एक संघ को हराया। इस संघ में आर्यों के प्रमुख जन (अनु, दुह, यदु, पुरू, तुर्वसु) तथा 5 लघु जनजातियों का समूह सम्मिलित था, जिसके पुरोहित विश्वामित्र थे।

13. ऋग्वेद का कौन-सा मंडल पूर्णतः 'सोम' को समर्पित है?

(a) सातवां मंडल (b) आठवां मंडल

(c) नौवां मंडल (d) दसवां मंडल

उत्तर—(c) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

ऋग्वेद में कुल 10 मंडल हैं। नवम् मंडल के सभी 114 मंत्र 'सोम' को समर्पित हैं। सोम आर्यों का मुख्य पेय था, जिसे मूजवंत पर्वत से प्राप्त किया जाता था। ऋग्वेद के दशम् मंडल में चारों वर्णों की उत्पत्ति का उल्लेख है।

14. ऋग्वेद संहिता का नौवां मंडल पूर्णतः किसको समर्पित है?

(a) इंद्र और उनका हाथी
(b) उर्वशी एवं स्वर्ग
(c) पौधों और जड़ी-बूटियों से संबंधित देवतागण
(d) सोम और इस पेय पर नामाकृत देवता

उत्तर—(d) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. गायत्री मंत्र किस पुस्तक में मिलता है?

(a) उपनिषद् (b) भगवद्गीता
(c) ऋग्वेद (d) यजुर्वेद

उत्तर—(c) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

'गायत्री मंत्र' ऋग्वेद में उल्लिखित है। इसके रचनाकार विश्वामित्र हैं। यह मंत्र ऋग्वेद के तृतीय मंडल में वर्णित है।

16. निम्न में से किस भारतीय दर्शन ने परमाणु सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) योग (b) न्याय
(c) सांख्य (d) वैशेषिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **66th BPSC (Pre) 2020**

वैशैषिक दर्शन के अनुसार, सृष्टि का निर्माण अणु से हुआ है। महर्षि कणाद इस दर्शन के प्रवर्तक थे।

17. महावीर स्वामी का जन्म कहां हुआ था?

(a) कुंडग्राम में (b) पाटलिपुत्र में
(c) मगध में (d) वैशाली में

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997
47th B.P.S.C. (Pre) 2005
53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

महावीर स्वामी का जन्म कुंडग्राम या कुंडलपुर में (वैशाली के निकट) लगभग 599 ई.पू. में हुआ था। उनकी माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवि गणराज्य के प्रमुख चेटक की बहन थीं तथा पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक क्षत्रियों के संघ के प्रधान थे, उनके बड़े भाई नंदिवर्धन थे। कुछ प्राचीन संस्करण की NCERT पुस्तकों में महावीर स्वामी का जन्म 540 ई.पू. उद्धत है। इसी आधार पर अनेक अन्य प्रकाशकों ने भी यही जन्म तिथि अपने पुस्तकों में अंकित कर दिया है, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई है। महावीर स्वामी की सही जन्म तिथि 599 ई.पू. ही उचित है, क्योंकि महावीर स्वामी, महात्मा बुद्ध के पहले के काल के हैं। महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. है। NCERT के नवीन संस्करणों में भी अब महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. प्रकाशित हो चुका है।

18. महावीर जैन की मृत्यु निम्नलिखित में से किस नगर में हुई?

(a) राजगीर (b) सांची
(c) पावापुरी (d) समस्तीपुर

उत्तर—(c) **40th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई. पू. में वैशाली के निकट कुण्डग्राम में हुआ था, उनके पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक क्षत्रियों के संघ के प्रधान थे, जो वज्जि संघ का एक प्रमुख सदस्य थे। 527 ई. पू. के लगभग 72 वर्ष की आयु में राजगृह के समीप स्थित पावापुरी नामक स्थान में उन्होंने शरीर त्याग दिया।

19. भगवान महावीर का प्रथम शिष्य था-

(a) जामालि (b) योसुद
(c) विपिन (d) प्रभाष

उत्तर—(a) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

भगवान महावीर का जन्म क्षत्रिय वंश में सिद्धार्थ के यहां 599 ईसा पूर्व में हुआ था। उनकी पत्नी का नाम यशोदा था, उनसे प्रियदर्शना नामक एक पुत्री उत्पन्न हुई। उस पुत्री का विवाह जामालि नाम के क्षत्रिय से हुआ था, जो बाद में महावीर स्वामी का अनुयायी बन गया। यह उनका प्रथम शिष्य था। जामालि ने बाद में महावीर का विरोध किया और 'बहुरतवाद' नामक नए संप्रदाय की शुरुआत की। ग्यारह अन्य प्रधान शिष्य जिन्हें गणधर कहा जाता है, निम्न प्रकार थे—इन्द्रभूति, अग्निभूति, वायुभूति (तीनों भाई थे) आर्यव्यक्त, सुधर्मन, मण्डिक, पुत्र, मौर्य पुत्र, अकम्पित, अचल, मैत्रेय तथा प्रभास।

20. निम्नलिखित में से कौन सबसे पूर्वकालिक जैन ग्रंथ कहलाता है?

(a) बारह अंग (b) बारह उपांग
(c) चौदह पूर्व (d) चौदह उपपूर्व

उत्तर—(c) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

'14 पूर्व' प्राचीनतम जैन ग्रंथ है। अंतिम नंद राजा के समय में सम्भूतविजय तथा भद्रबाहु संघ के अध्यक्ष थे तथा ये ही महावीर द्वारा प्रदत्त 14 पूर्वों के विषय में जानने वाले अंतिम व्यक्ति थे। 12 अंग में जैन सिद्धांतों का संकलन प्रथम जैन सभा में किया गया था।

21. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला 'धर्मचक्रप्रवर्तन' किस स्थान पर दिया था?

(a) लुम्बिनी में (b) सारनाथ में
(c) पाटलिपुत्र में (d) वैशाली में

उत्तर—(b) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

6 वर्षों की साधना के पश्चात 35 वर्ष की अवस्था में वैशाख पूर्णिमा की रात्रि को एक पीपल के वृक्ष के नीचे गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। 'ज्ञान' प्राप्ति के बाद ही वे बुद्ध कहलाए। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात गौतम बुद्ध ने अपने मत का प्रचार प्रारंभ किया। उरूबेला से वे सबसे पहले ऋषिपत्तन (वर्तमान में सारनाथ) आए। यहां उन्होंने पांच ब्राह्मण संन्यासियों को पहला उपदेश दिया। इस प्रथम उपदेश को 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा जाता है। यह उपदेश दुःख, दुःख के कारणों दुःख का अंत उनके समाधान से संबंधित था। इसे 'चार आर्य सत्य' भी कहा जाता है।

22. महात्मा बुद्ध का 'महापरिनिर्वाण' कहां हुआ?

(a) लुम्बिनी में (b) बोधगया में

(c) कुशीनगर में (d) कपिलवस्तु में

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर—(c) **53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011**

महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया। उसके पश्चात वे बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए कपिलवस्तु, राजगृह, वैशाली तथा कोशल राज्य गए। सबसे अधिक बौद्ध धर्म का प्रचार कोशल राज्य में हुआ। कोशल नरेश प्रसेनजित ने भी अपने परिवार के साथ बुद्ध की शिष्यता ग्रहण की थी। अपना प्रचार करते हुए वे मल्लों की राजधानी पावा पहुंचे यहां वे चुन्द नामक लुहार की आम्रवाटिका में ठहरे। उसने बुद्ध को 'सूकरमद्दव' खाने को दिया, इससे उन्हें 'रक्तातिसार' हो गया और भयानक पीड़ा उत्पन्न हुई। इस वेदना के बाद भी वे कुशीनारा (कुशीनगर) (मल्ल गणराज्य की राजधानी) पहुंचे। यहीं 483 ई. पू. में 80 वर्ष की अवस्था में उन्होंने शरीर त्याग दिया। बौद्ध ग्रंथों में इसे 'महापरिनिर्वाण' कहा जाता है।

23. त्रिपिटक किसकी धार्मिक पुस्तक है?

(a) जैन (b) हिन्दू

(c) पारसी (d) बौद्ध

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) Exam. 2017

उत्तर—(d)

'त्रिपिटक' बौद्ध धर्म ग्रंथों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बांटा गया, इन्हीं को त्रिपिटक कहते हैं। ये हैं - (1) विनय पिटक (संघ संबंधी नियम तथा आचार की शिक्षाएं), (2) सुत्त पिटक (महात्मा बुद्ध के वचन) तथा (3) अभिधम्म पिटक (दार्शनिक सिद्धांत)।

24. त्रिरत्न या तीन रत्न, जैसे सटीक ज्ञान, सच्ची आस्था और सटीक क्रिया, निम्न में से किससे संबंधित हैं?

(a) बौद्ध धर्म (b) हिंदू धर्म

(c) जैन धर्म (d) ईसाई धर्म

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **66th BPSC (Pre) 2020**

जैन धर्म में मोक्ष के लिए तीन साधन आवश्यक बताए गए हैं– सम्यक् धारण (दर्शन), सम्यक् चरित्र एवं सम्यक् ज्ञान। इन तीनों को जैन धर्म में 'त्रिरत्न' की संज्ञा दी गई है।

25. निम्नलिखित में से कौन-सी बात बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म में समान नहीं है?

(a) अहिंसा (b) वेदों के प्रति उदासीनता

(c) आत्म दमन (d) रीति व रिवाजों की अस्वीकृति

उत्तर—(c) **40th B.P.S.C. (Pre) 2000**

गौतम बुद्ध ने मध्यम मार्ग का उपदेश दिया। वे मोक्ष के लिए कठोर साधना एवं काया-क्लेश में विश्वास नहीं करते थे, इसके विपरीत महावीर स्वामी ने मोक्ष प्राप्ति के लिए घोर तपस्या तथा शरीर त्याग को आवश्यक बताया।

26. बोधगया में 'बोधि वृक्ष' अपने वंश की इस पीढ़ी का है-

(a) तृतीय (b) चतुर्थ

(c) पंचम (d) षष्ठम

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

महाबोधि मंदिर स्थित वर्तमान बोधि वृक्ष वह नहीं है, जिसके नीचे बैठकर महात्मा बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था। ह्वेनसांग के अनुसार, उस मूल वृक्ष को सातवीं शताब्दी में सम्राट शशांक ने नष्ट कर दिया था। इसके बाद इस स्थान पर 2 और वृक्ष रोपित हुए और नष्ट हुए। वर्तमान वृक्ष जिसे हम देख रहे हैं वह पांचवी पीढ़ी का वृक्ष है, जिसे अलेक्जेंडर कनिंघम ने लगवाया था। यह वृक्ष पूरी तरह संरक्षित है और केवल इससे गिरी हुई पत्तियों को ही छूने एवं उठाने का अधिकार है। एक अन्य तथ्य के अनुसार, यह वृक्ष क्रमशः दो बार सम्राट अशोक, एक बार पुष्यमित्र शुंग, एक बार पूर्व वर्मा तथा अंत में कनिंघम द्वारा लगवाया गया। अतः यह छठीं पीढ़ी का वृक्ष है। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर इसे पांचवी पीढ़ी का बताया गया है। तथ्यों में विवाद होने के कारण बिहार लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया था।

27. बराबर की गुफाओं का उपयोग किसने आश्रयगृह के रूप में किया?

(a) आजीविकों ने (b) थारूओं ने

(c) जैनों ने (d) तांत्रिकों ने

उत्तर—(a) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

मौर्य युग में पर्वत गुफाओं को काटकर निवास-स्थान बनाने की कला का पूर्ण विकास हुआ। अशोक तथा उसके पौत्र दशरथ के समय में बराबर तथा नागार्जुनी पहाड़ियों को काटकर आजीविकों के लिए आवास बनाए गए थे। अशोक के समय बराबर पहाड़ी की गुफाओं में 'सुदामा की गुफा' तथा 'कर्ण चौपड़' नामक गुफा सर्वप्रसिद्ध है।

28. 'आजीवक' संप्रदाय के संस्थापक थे—

(a) आनन्द (b) राहुलोभद्र

(c) मक्खलिगोसाल (d) उपालि

उत्तर—(c) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

मक्खलिगोसाल प्रारंभ में महावीर के शिष्य थे, किंतु बाद में मतभेद के चलते इन्होंने महावीर की शिष्यता त्यागकर, आजीवक नामक स्वतंत्र संप्रदाय की स्थापना की। इनका मत नियतिवाद कहा जाता है, जिसके अनुसार संसार की प्रत्येक वस्तु भाग्य द्वारा पूर्व नियंत्रित एवं संचालित होती है।

29. पाटलिपुत्र के संस्थापक थे-

(a) उदयिन (c) अशोक

(b) बिंबिसार (d) महापद्मनंद

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

पाटलिपुत्र की स्थापना अजातशत्रु के उत्तराधिकारी उदयिन ने गंगा और सोन नदी के संगम पर एक किला बनाकर की थी। इसने मगध साम्राज्य की राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित की। यह नगर शिशुनाग वंश, नंद वंश और मौर्य वंश की भी राजधानी रही।

30. किस शासक द्वारा सर्वप्रथम पाटलिपुत्र का राजधानी के रूप में चयन किया गया?

(a) अजातशत्रु द्वारा (b) कालाशोक द्वारा

(c) उदयिन द्वारा (d) कनिष्क द्वारा

उत्तर—(c) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

हर्यंक वंशीय शासक उदयिन या उदयभद्र के शासनकाल की सर्वप्रमुख घटना गंगा एवं सोन नदियों के संगम पर पाटलिपुत्र नगर की स्थापना है। उसने राजगृह से इसी नव स्थापित नगर में अपनी राजधानी स्थानांतरित की।

31. निम्नलिखित में से किस राजा ने पाटलिपुत्र बसाया था?

(a) शिशुनाग (b) बिम्बिसार

(c) अजातशत्रु (d) उदयिन

उत्तर—(d) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

मगध नरेश उदयिन के शासनकाल की सर्वप्रमुख घटना गंगा और सोन नदियों के संगम पर पाटलिपुत्र नामक नगर की स्थापना है। उसने राजगृह से इसी स्थान पर अपनी राजधानी स्थानांतरित की।

32. विश्व का पहला गणतंत्र वैशाली में किसके द्वारा स्थापित किया गया?

(a) मौर्य (b) नंद

(c) गुप्त (d) लिच्छवि

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

वैशाली के लिच्छवियों ने विश्व का पहला गणतंत्र स्थापित किया था। वैशाली बुद्ध काल का सबसे बड़ा तथा शक्तिशाली गणराज्य था। लिच्छवि, वज्जि संघ में सर्वप्रमुख थे।

33. मगध की प्रारंभिक राजधानी कौन-सी थी?

(a) पाटलिपुत्र (b) वैशाली

(c) राजगृह (गिरिव्रज) (d) चंपा

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(c)

पुराणों के अनुसार, मगध पर शासन करने वाला पहला राजवंश बृहद्रथ वंश था। इस वंश के पहले राजा बृहद्रथ का पुत्र जरासंध था, जिसने राजगृह (गिरिव्रज) को अपनी राजधानी बनाया। बौद्ध ग्रंथों के अनुसार, मगध का प्रथम प्रतापी शासक बिंबिसार था। यह हर्यंक वंश से संबंधित था। इसकी मृत्यु 492 ईसा पूर्व में हुई, इसके पश्चात 'अजातशत्रु' मगध का शासक हुआ। अजातशत्रु के पुत्र उदयिन ने अपनी राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित की।

34. अजातशत्रु के वंश का नाम क्या था?

(a) मौर्य (b) हर्यंक

(c) नंद (d) गुप्त

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

मगध का शासक अजातशत्रु (492-460 ई.पू.) अपने पिता एवं हर्यंक वंश के संस्थापक बिंबिसार की हत्या कर राजगद्दी पर बैठा था। इसकी हत्या भी इसके पुत्र उदयिन (कौशाम्बी के वत्स राजा उदयन से भिन्न) ने कर दी थी।

35. सैंड्रोकोट्स से चंद्रगुप्त मौर्य की पहचान किसने की?

(a) विलियम जोंस (b) वी. स्मिथ

(c) आर. के. मुखर्जी (d) डी. आर. भंडारकर

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

विलियम जोंस पहले विद्वान थे, जिन्होंने 'सैंड्रोकोट्स' की पहचान मौर्य शासक चंद्रगुप्त मौर्य से की। एरियन तथा प्लूटार्क ने चंद्रगुप्त मौर्य को एंड्रोकोट्स के रूप में वर्णित किया है, जबकि जस्टिन ने 'सैंड्रोकोट्स' (चंद्रगुप्त मौर्य) और सिकंदर महान की भेंट का उल्लेख किया है।

36. ब्राह्मी लिपि को सर्वप्रथम किसने पढ़ा?

(a) ए. कनिंघम (b) ए.एच. दानी

(c) व्यूलर (d) जेम्स प्रिंसेप

U.P.P.C.S. (Spl) (Mains) 2008

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

सर्वप्रथम 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप नामक अंग्रेज विद्वान ने अशोक के लेखों (ब्राह्मी लिपि) का उद्घाचन किया, किंतु उन्होंने लेखों के 'देवानांपिय' की पहचान सिंहल के राजा तिस्स से कर डाली। कालांतर में यह तथ्य प्रकाश में आया कि सिंहली अनुश्रुतियों– दीपवंश तथा महावंश में यह उपाधि अशोक के लिए प्रयुक्त की गई है। अंततः वर्ष 1915 में मास्की (कर्नाटक) से प्राप्त लेख में 'अशोक' नाम भी पढ़ लिया गया।

37. मेगस्थनीज की पुस्तक का नाम क्या है?

(a) अर्थशास्त्र (b) ऋग्वेद

(c) पुराण (d) इंडिका

उत्तर—(d) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

चंद्रगुप्त मौर्य सिकंदर का समकालीन शासक था। सिकंदर के समकालीन विदेशी लेखक नियार्कस, आनेसिक्रिअस, अरिस्तो बुलस तथा मेगस्थनीज थे, जिनके विवरण चंद्रगुप्त मौर्य के विषय में सूचनाएं देते हैं। विदेशी लेखकों में मेगस्थनीज का नाम सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिसकी पुस्तक 'इंडिका' (Indica) मौर्य इतिहास का प्रमुख स्रोत है।

38. इंडिका का लेखक कौन था?

(a) विष्णुगुप्त (b) मेगस्थनीज

(c) डायामेचस (d) प्लिनी

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(b)

मेगस्थनीज की पुस्तक 'इंडिका' में पाटलिपुत्र के नगर प्रशासन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार, पाटलिपुत्र नगर का प्रशासन 30 सदस्यों की विभिन्न समितियों द्वारा होता था। इसकी कुल 6 समितियां होती थीं तथा प्रत्येक समिति में 5 सदस्य होते थे। समिति का कार्य बिक्री कर वसूल करना था। विक्रय कर मूल्य का दसवें भाग के रूप में वसूल किया जाता था। करों की चोरी करने वालों को मृत्युदंड दिया जाता था। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

39. मेगस्थनीज दूत था -

(a) सेल्यूकस का (b) सिकंदर का

(c) डेरियस का (d) यूनानियों का

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

मेगस्थनीज, सेल्यूकस 'निकेटर' द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य की राज्य सभा में भेजा गया यूनानी राजदूत था। इसके पूर्व वह अराकोसिया के क्षत्रप के राजदरबार में सेल्यूकस का राजदूत रह चुका था। मेगस्थनीज ने काफी समय तक मौर्य दरबार में निवास किया। भारत में उसने जो कुछ भी देखा-सुना, उसे उसने 'इंडिका' नामक अपने ग्रंथ मे लिपिबद्ध किया।

40. अंतिम मौर्य सम्राट था?

(a) जालौक (b) अवंति वर्मा

(c) नंदि वर्धन (d) बृहद्रथ

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ था। बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग के द्वारा की गई।

41. किस अभिलेख में रुद्रदामन प्रथम की विभिन्न उपलब्धियां वर्णित हैं?

(a) जूनागढ़ (b) भितरी

(c) नासिक (d) सांची

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

गुजरात के जूनागढ़ से रुद्रदामन (130-150 ई.) का एक अभिलेख प्राप्त हुआ है। यह जिस शिला पर उत्कीर्ण है, उसी पर अशोक के चौदह प्रज्ञापनों की एक प्रति तथा स्कंदगुप्त के दो लेख भी खुदे हुए हैं। यह विशुद्ध संस्कृत भाषा तथा ब्राह्मी लिपि में लिखा गया है। इसमें रुद्रदामन की वंशावली, विजयों, शासन, व्यक्तित्व आदि पर सुंदर प्रकाश डाला गया है। यह अभिलेख अब तक प्राप्त संस्कृत अभिलेखों में सर्वाधिक प्राचीन है।

42. निम्नलिखित राजाओं में से किसका जैन धर्म के प्रति भारी झुकाव था?

(a) दशरथ (b) बृहद्रथ

(c) खारवेल (d) हुविष्क

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

कलिंग का चेदिवंशीय शासक खारवेल प्राचीन भारतीय इतिहास के महानतम सम्राटों में से एक था। उड़ीसा (ओडिशा) प्रांत के भुवनेश्वर से तीन मील की दूरी पर स्थित उदयगिरि पहाड़ी की 'हाथीगुम्फा' से उसका एक बिना तिथि का अभिलेख प्राप्त हुआ है। यह अभिलेख खारवेल का इतिहास जानने का एकमात्र स्रोत है। इसका जैन धर्म के प्रति भारी झुकाव था। हाथीगुम्फा अभिलेख प्राकृत भाषा में है।

43. कलिंग नरेश खारवेल का संबंध था-

(a) महामेघवाहन वंश से (b) चेदि वंश से

(c) सातवाहन वंश से (d) रठ-भोजक वंश से

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(e)

कलिंग के चेदि राजवंश का संस्थापक महामेघवाहन नामक व्यक्ति था। अतः इस वंश का नाम महामेघवाहन वंश भी पड़ गया। इस वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक खारवेल हुआ। खारवेल के इतिहास अध्ययन का एकमात्र साधन हाथीगुम्फा अभिलेख है।

44. 'प्राचीन भारत का नेपोलियन' किसे कहा जाता है?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) पुष्यमित्र

(c) कनिष्क (d) समुद्रगुप्त

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(d)

इतिहासकार विसेंट स्मिथ ने अपनी रचना 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया' में समुद्रगुप्त की वीरता एवं विजयों पर मुग्ध होकर उसे 'भारतीय नेपोलियन' की संज्ञा दी है। समुद्रगुप्त की विजयों का वर्णन प्रयाग-प्रशस्ति में मिलता है। इसके लेखक 'हरिषेण' थे।

45. गुप्त सम्राट, जिसने 'हूणों' को पराजित किया, थे—

(a) समुद्रगुप्त (b) चंद्रगुप्त द्वितीय

(c) स्कंदगुप्त (d) रामगुप्त

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(c)

हूणों का पहला भारतीय आक्रमण गुप्त सम्राट स्कंदगुप्त के शासनकाल में (455 ई. में) हुआ तथा स्कंदगुप्त के हाथों वे बुरी तरह परास्त हुए। यू.एस. राय के अनुसार, इस हूण आक्रमण का नेता खुशनेवाज था। यह आक्रमण एक धावा मात्र रहा और देश के ऊपर इसका कोई तात्कालिक प्रभाव नहीं पड़ा, किंतु परोक्ष रूप से इसने गुप्त साम्राज्य के पतन की गति को तेज कर दिया। स्कंदगुप्त की मृत्यु के बाद 5वीं शताब्दी के अंत तथा छठीं शताब्दी के प्रारंभ में उत्तर-पश्चिम के कई क्षेत्रों पर हूणों ने कब्जा कर लिया था।

46. किस प्रकार की भूमि को 'अप्रहत' कहा जाता था?

(a) बिना जोती हुई जंगली भूमि

(b) सिंचित भूमि

(c) घने जंगल वाली भूमि

(d) जोती हुई भूमि

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

बिना जोती हुई भूमि (वह भूमि जिस पर खेती न की गई हो) 'अप्रहत भूमि' कहा जाता था। यह गुप्तकालीन राजस्व व्यवस्था का एक पद (Term) है।

47. चीनी यात्री 'सुंगयुन' ने भारत की यात्रा की थी-

(a) 515 ई. से 520 ई. (b) 525 ई. से 529 ई.

(c) 545 ई. से 552 ई. (d) 592 ई. से 597 ई.

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

चीनी यात्री सुंगयुन 518 ई. में भारत आया। इसने अपने तीन वर्षों की यात्रा में बौद्ध धर्म की प्रतियां एकत्रित की थीं।

48. हर्षवर्धन के शासनकाल में किस चीनी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

(a) फाह्यान (b) ह्वेनसांग

(c) इत्सिंग (d) तारानाथ

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(b)

हर्षवर्धन के समय की सर्वप्रमुख घटना चीनी यात्री ह्वेनसांग के भारत आगमन की है। उसकी उत्कट अभिलाषा महात्मा बुद्ध के चरण-चिह्नों द्वारा पवित्र किए स्थानों को देखने एवं पवित्र बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करने की थी, जो उन दिनों भारत में सुलभ थे। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु उसने तांग शासकों की राजधानी चंगन से भारतवर्ष के लिए 629 ई. में प्रस्थान किया। अपनी भारत यात्रा के ऊपर उसने एक ग्रंथ लिखा, जिसे 'सी-यू-की' कहा जाता है।

49. कल्हण की पुस्तक का नाम क्या है?

(a) अर्थशास्त्र (b) इंडिका

(c) पुराण (d) राजतरंगिणी

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

कल्हण ने राजतरंगिणी में कश्मीर का इतिहास लिखा। इस ग्रंथ की रचना कल्हण ने जयसिंह (1127-1159) के शासनकाल में पूर्ण किया। चंद्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री चाणक्य ने राजनीतिशास्त्र पर प्रसिद्ध ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' की रचना की।

50. 'ओदंतपुर' शिक्षा केंद्र निम्न में से किस राज्य में अवस्थित था?

(a) बंगाल (b) बिहार

(c) गुजरात (d) तमिलनाडु

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

ओदंतपुर जिसे उदनापुर भी कहा जाता है, प्राचीन काल में एक प्रमुख शिक्षा केंद्र था। यह बिहार राज्य में अवस्थित था। इसकी स्थापना पाल वंश के प्रथम शासक गोपाल ने की थी।

51. कर्नाट वंश का संस्थापक कौन था?

(a) नान्यदेव (b) नरसिंहदेव
(c) विजयदेव (d) हरिदेव
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

कर्नाट वंश के संस्थापक नान्यदेव (1097-98 ई.) थे। वे एक महान योद्धा थे। नान्यदेव ने कर्नाट की राजधानी सिमरॉवगढ़ को बनाया। कर्नाट वंश का शासनकाल (1097-1325 ई.) मिथिला का स्वर्ण युग कहलाता है।

52. कर्नाट वंश का अंतिम शासक कौन था?

(a) हरिसिंह (b) रामसिंह
(c) मतिसिंह (d) श्यामसिंह
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

कर्नाट वंश के अंतिम शासक हरिसिंह देव थे। ये कला और साहित्य के महान संरक्षक थे। इन्होंने पंजी व्यवस्था की शुरुआत की थी।

53. किस काल में अछूत की अवधारणा स्पष्ट रूप से उद्धृत हुई थी?

(a) ऋग्वैदिक काल में (b) उत्तर-वैदिक काल में
(c) उत्तर-गुप्तकाल में (d) धर्मशास्त्र के समय में

उत्तर—(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

धर्मशास्त्रों के समय में चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र) के अतिरिक्त समाज में अन्य अनेक जातियों यथा—अम्बष्ठ, उग्र, निषाद, मागध, वैदेहक, रथकार आदि का आविर्भाव अनुलोम एवं प्रतिलोम विवाहों के फलस्वरूप हो गया। पाणिनि ने दो प्रकार के शूद्रों का उल्लेख किया है—निरवसित एवं अनिरवसित। इनमें पहले प्रकार के शूद्र ही अस्पृश्य माने जाते थे।

54. कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध सभा किस नगर में आयोजित की गई थी?

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) कश्मीर (d) राजगृह

उत्तर—(c) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

बौद्ध धर्म की चौथी और अंतिम संगीति सभा कुषाण शासक कनिष्क के राज्यकाल में कश्मीर के कुण्डलवन में हुई। इसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की थी। अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष थे। यहां बौद्ध ग्रंथों के कठिन अंशों पर सम्यक् विचार किया गया और प्रत्येक पिटक पर भाष्य लिखे गये। कनिष्क ने इन्हें ताम्रपत्रों पर खुदवाकर एक स्तूप में रखवा दिया। त्रिपिटक में लिखे गये इन्हीं भाष्यों को 'विभाषाशास्त्र' कहा जाता है।
उल्लेखनीय है कि पहली बौद्ध संगीति बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद राजगृह की सप्तपर्णि गुफा में हुई। इस समय मगध का शासक अजातशत्रु था। इसकी अध्यक्षता महाकस्सप ने की थी। द्वितीय बौद्ध संगीति कालाशोक के शासनकाल में बुद्ध की मृत्यु के लगभग 100 वर्षों पश्चात् वैशाली में हुई थी। इसके अध्यक्ष आचार्य साबकमीर (सर्वकामिनी) थे।

55. प्रथम बौद्ध संगीत के अध्यक्ष कौन थे?

(a) वसुमित्र (b) महाकश्यप
(c) संघरक्ष (d) पार्श्वक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी-

(a) राजगृह (राजगीर) में (b) गया में
(c) पाटलिपुत्र में (d) वैशाली में
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. बुद्ध के जीवन की चार महत्वपूर्ण घटनाओं और उनसे सम्बद्ध चार स्थानों का नीचे उल्लेख है, यह दो स्तंभों (I) एवं (II) में अंकित है, आपको इनका सुमेल करना है—

स्तंभ I	**स्तंभ II**
(1) जन्म	**(i) सारनाथ**
(2) ज्ञानप्राप्ति	**(ii) बोधगया**
(3) प्रथम प्रवचन	**(iii) लुम्बिनी**
(4) निधन	**(iv) कुशीनगर**

सही मेल है—

(a) 1-i, 2-ii, 3-iv, 4-iii (b) 1-ii, 2-iii, 3-i, 4-iv
(c) 1-iii, 2-ii, 3-i, 4-iv (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ई. पू. में कपिलवस्तु के समीप लुम्बिनी वन में हुआ था। बोधगया में वैशाख पूर्णिमा की रात को उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। काशी के ऋषिपत्तन (सारनाथ) में उन्होंने प्रथम उपदेश (धर्मचक्रप्रवर्तन) दिया एवं कुशीनगर में उनका निधन हुआ, जिसे बौद्ध साहित्य में 'महापरिनिर्वाण' कहा गया है।

58. बोधगया में किसे ज्ञान-प्राप्ति हुई थी?

(a) महावीर स्वामी (b) गौतम बुद्ध

(c) सीमंधर स्वामी (d) पार्श्वनाथ स्वामी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

59. बोधगया में महाबोधि मंदिर बनाया गया, जहां—

(a) गौतम बुद्ध पैदा हुए थे

(b) गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ

(c) गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम प्रवचन दिया

(d) गौतम बुद्ध की मृत्यु हुई

उत्तर—(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

बोधगया में 6 वर्ष की साधना के पश्चात 35 वर्ष की आयु में महात्मा बुद्ध को वैशाख पूर्णिमा की रात को एक पीपल के वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ। इस स्थल पर मंदिर का निर्माण सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी B.C. में प्रारंभ किया। परंतु इसका वर्तमान स्वरूप 5वीं-छठीं शताब्दी में निर्मित हुआ। यह मंदिर पूरी तरह ईंटों से निर्मित है। वर्ष 2002 में यूनेस्को द्वारा यह विश्व धरोहर स्थल बना।

60. गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान किस राजा के युग में प्राप्त हुआ?

(a) अशोक (b) कनिष्क

(c) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (d) हर्ष

उत्तर—(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

कनिष्क के शासनकाल में सम्पन्न चतुर्थ बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान नामक दो स्पष्ट एवं स्वतंत्र संप्रदायों में विभक्त हो गया। महायान शाखा में बुद्ध को देवता माना गया तथा उनकी पूजा की जाने लगी। इसी के साथ अनेक बोधिसत्वों की भी पूजा प्रारंभ हुई।

61. ईसा पूर्व छठीं सदी में विश्व की प्रथम गणतंत्रात्मक व्यवस्था कहां थी?

(a) वैशाली (b) एथेन्स

(c) स्पार्टा (d) पाटलिपुत्र

उत्तर—(a) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

ई. पू. छठीं सदी में विश्व की प्रथम गणतंत्रात्मक व्यवस्था वैशाली में थी। वस्तुतः छठीं सदी में जहां महाजनपदों में राजतंत्रात्मक शासन व्यवस्था थी, वहीं वज्जि तथा मल्ल नामक 2 राज्यों में गणतंत्रात्मक शासन व्यवस्था प्रचलित थी। वज्जि 8 राज्यों का एक संघ था, जिसमें वैशाली के लिच्छवि सर्वाधिक शक्तिशाली थे।

62. सोलह महाजनपदों की सूची उपलब्ध है–

(a) महाभारत में (b) अंगुत्तरनिकाय में

(c) छांदोग्य उपनिषद् में (d) संयुक्त निकाय में

उत्तर—(b) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तरनिकाय में षोडश महाजनपदों की सूची उपलब्ध है। इन्हें सोलह महाजनपद कहा गया है। ये हैं—(1) अंग (2) मगध (3) काशी (4) कौशल (5) वज्जि (6) मल्ल (7) चेदि (8) वत्स (9) कुरु (10) पांचाल (11) मत्स्य (12) शूरसेन (13) अस्मक (14) अवन्ति (15) गांधार एवं (16) कम्बोज। इन सभी महाजनपदों में एकमात्र महाजनपद अश्मक दक्षिण भारत में स्थित था। जनवसभ सुत्त में केवल 12 राज्यों के ही नाम मिलते हैं। जैन ग्रंथ भगवती सूत्र में भी षोडश महाजनपदों की सूची मिलती है, किंतु वहां नाम कुछ भिन्न प्रकार से हैं।

63. नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापना का युग है—

(a) मौर्य (b) कुषाण

(c) गुप्त (d) पाल

उत्तर—(c) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

नालन्दा एक विख्यात बौद्ध पीठ एवं विश्वविद्यालय था। यह दक्षिणी बिहार में राजगीर के निकट स्थित था। इसके ध्वंसावशेष बड़ागांव ग्राम में दूर तक आज भी बिखरे पड़े हैं। पांचवीं शताब्दी के मध्य, गुप्तों के समय में नालंदा विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। सर्वप्रथम कुमारगुप्त प्रथम ने नालंदा बौद्ध विहार को दान दिया और बाद में बुधगुप्त, तथागतगुप्त तथा बालादित्य नामक गुप्त शासकों ने भी इस विहार को दान दिए।

64. नालंदा विश्वविद्यालय किसलिए विश्व प्रसिद्ध था?

(a) चिकित्सा विज्ञान (b) तर्कशास्त्र

(c) बौद्ध धर्म दर्शन (d) रसायन विज्ञान

उत्तर—(c) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

यह बौद्ध दर्शन के अध्ययन के लिए विश्व प्रसिद्ध था। उसी के अध्ययन के लिए चीनी यात्री ह्वेनसांग यहां आया था।

65. मध्यकालीन भारत में मनसबदारी व्यवस्था क्यों लागू की गई थी?

(a) राजस्व एकत्रित करने हेतु

(b) सैनिकों की सुगमता से भर्ती हेतु

(c) धार्मिक सद्भाव की स्थापना हेतु

(d) स्वच्छ प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर—(b) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

मनसबदारी व्यवस्था एक विशिष्ट प्रशासनिक व्यवस्था थी, जिसका प्रचलन मुगल शासक अकबर द्वारा किया गया था। मनसब द्वारा 3 बातें निर्धारित होती थी- (1) पदाधिकारी का वरीयता क्रम, (2) वेतनमान तथा (3) सैनिक उत्तरदायित्व। सैनिक उत्तरदायित्व में मनसबदार को अपने मनसब के अनुसार सैनिकों को रखना पड़ता था। इस व्यवस्था से राज्य ने सैनिकों के प्रत्यक्ष भर्ती और रख-रखाव के उत्तरदायित्व मनसबदारों पर डाल दिया था, जिसके बदले में मनसबदार को नकद या जागीर प्रदान की जाती थी।

66. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिनमें एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है, दोनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें—
कथन (A) : बारहवीं शताब्दी के अंत तक नालंदा महाविहार का पतन हो गया।
कारण (R) : महाविहार को राजकीय प्रश्रय मिलना बंद हो गया था।
उपर्युक्त दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में कौन सही है?

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) दोनों (A) और (R) सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर—(b) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

नालंदा में एक विख्यात बौद्ध पीठ एवं विश्वविद्यालय था। यह दक्षिणी बिहार में राजगीर (वर्तमान में राजगृह) के निकट स्थित था। पांचवीं सदी के मध्य, गुप्तों के समय में नालंदा स्थित विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। बारहवीं सदी के अंत तक मुस्लिम आक्रमण के फलस्वरूप महाविहार का पतन हो गया। बंगाल के पाल शासकों द्वारा विक्रमशिला विश्वविद्यालय को संरक्षण देने के फलस्वरूप नालंदा का महत्व घटने लगा।

67. प्रथम मगध साम्राज्य का उत्कर्ष किस शताब्दी में हुआ था?

(a) ई. पू. चौथी शताब्दी (b) ई. पू. छठवीं शताब्दी
(c) ई. पू. दूसरी शताब्दी (d) ई. पू. पहली शताब्दी

उत्तर—(b) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

प्रथम मगध साम्राज्य की महत्ता का वास्तविक संस्थापक राजा बिंबिसार (लगभग 544-492 ई. पू.) था।

68. मगध की राजधानी कौन-सी थी?

(a) पाटलिपुत्र (b) वैशाली
(c) गिरिव्रज (राजगृह) (d) चम्पा

उत्तर—(*) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

दिए गए विकल्प में दो विकल्प (a) और (c) सही हैं। मगध की आरंभिक राजधानी गिरिव्रज थी, बाद में उदयिन ने पाटलिपुत्र को राजधानी बनाया, जो गुप्त काल तक मगध की राजधानी बनी रही। मगध साम्राज्य पर शासन करने वाले प्रथम राजवंश के विषय में बौद्ध ग्रंथों एवं पुराणों में अलग-अलग विवरण मिलता है। पुराणों के अनुसार, मगध पर शासन करने वाला पहला राजवंश बृहद्रथ वंश था। इस वंश का पहला राजा जरासंध था, जिसने गिरिव्रज को अपनी राजधानी बनाया।

69. प्राचीन महाजनपद मगध की प्रथम राजधानी कौन-सी थी?

(a) पाटलीपुत्र (b) वैशाली
(c) चम्पा (d) अंग
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(e) **66th BPSC (Pre) 2020**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. नंद वंश के पश्चात मगध पर किस राजवंश ने शासन किया?

(a) मौर्य (b) शुंग
(c) गुप्त (d) कुषाण

उत्तर—(a) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

नंद वंश की स्थापना शिशुनाग वंश का अंत करके की गई थी। नंद वंश में कुल 9 राजा हुए थे- (1) उग्रसेन, जिसे पुराणों में महापद्म कहा गया (2) पंडुक (3) पंडुगति (4) भूतपाल (5) राष्ट्रपाल (6) गोविषाणक (7) दशसिद्धक (8) कैवर्त तथा (9) धननंद।
नंदवंश में जनता से बलपूर्वक धन वसूलने, छोटी-छोटी वस्तुओं पर भारी कर लगाने के कारण जनता शासकों के विरुद्ध हो गई, चारों ओर घृणा एवं असंतोष का वातावरण व्याप्त हो गया। इसी का लाभ उठाकर चंद्रगुप्त मौर्य एवं चाणक्य ने धननन्द की हत्या कर नंदवंश का अंत कर दिया अतः स्पष्ट है कि विकल्प (a) सही उत्तर है।

71. जिसके ग्रंथ में चंद्रगुप्त मौर्य का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है, वह है–

(a) भास (b) शूद्रक
(c) विशाखदत्त (d) अश्वघोष

उत्तर—(c) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

विशाखदत्त कृत 'मुद्राराक्षस' से चंद्रगुप्त मौर्य के विषय में विस्तृत सूचना प्राप्त होती है। इस ग्रंथ में चंद्रगुप्त को नन्दराज का पुत्र माना गया है। मुद्राराक्षस में चंद्रगुप्त को 'वृषल' तथा 'कुलहीन' भी कहा गया है। 18वीं शताब्दी ई. में धुण्डिराज ने मुद्राराक्षस पर टीका लिखी। मुद्राराक्षस के अतिरिक्त विशाखदत्त के नाम से दो अन्य रचनाओं का भी उल्लेख प्राप्त होता है - (1) देवीचन्द्रगुप्तम् तथा (2) अभिसारिका वंचितक या अभिसारिका बन्धितक (अप्राप्य)।

72. निम्नलिखित में से मगध का कौन-सा राजा सिकंदर महान् के समकालीन था?

(a) महापद्मनन्द (b) धननंद
(c) सुकल्प (d) चंद्रगुप्त मौर्य

उत्तर—(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

महापद्मनन्द के उत्तराधिकारियों की संख्या पुराणों तथा बौद्ध ग्रंथों में 8 मिलती है। इस वंश का अंतिम शासक धननंद था, जो सिकंदर का समकालीन था। उसे यूनानी लेखकों ने 'अग्रमीज' कहा है। जेनोफोन उसे 'बहुत धनाढ्य व्यक्ति' बताता है। भद्दशाल उसका सेनापति था।

73. पाटलिपुत्र में स्थित चंद्रगुप्त का महल मुख्यतः बना था—

(a) ईंटों का (b) पत्थर का
(c) लकड़ी का (d) मिट्टी का

उत्तर—(c) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

बिहार में पटना के समीप बुलन्दीबाग एवं कुम्रहार में की गई खुदाई से मौर्य काल के लकड़ी के विशाल भवनों के अवशेष प्रकाश में आए हैं। इन्हें प्रकाश में लाने का श्रेय स्पूनर महोदय को है। बुलन्दीबाग से नगर के परकोटे के अवशेष तथा कुम्रहार से राजप्रासाद के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

74. अष्टप्रधान का गठन किसने किया था?

(a) चंद्रगुप्त (b) अशोक
(c) हर्षवर्धन (d) शिवाजी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(d)

शिवाजी ने राज्य के प्रशासन के लिए केंद्रीय स्तर पर 'अष्टप्रधान' की व्यवस्था की थी, जिसके अंतर्गत आठ मंत्रियों को नियुक्त किया गया था। इसमें पेशवा, अमात्य, मंत्री, सचिव, सुमंत, सेनापति, पंडितराव एवं न्यायाधीश शामिल थे। ये शिवाजी के राज्य प्रशासन में आधुनिक काल के सचिवों की भांति कार्य करते थे। इनका कार्य राजा को परामर्श देना मात्र था। इसे किसी भी अर्थ में मंत्रिमंडल नहीं कहा जा सकता। प्रत्येक मंत्री राजा के प्रति उत्तरदायी था।

75. निम्नलिखित में से किस मौर्य राजा ने दक्कन की विजय प्राप्त की थी?

(a) अशोक (b) चंद्रगुप्त
(c) बिंदुसार (d) कुणाल

उत्तर—(b) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य ने दक्षिण भारत की विजय प्राप्त की थी। इस संदर्भ में अशोक के अभिलेखों, जैन एवं तमिल साक्ष्यों से जानकारी प्राप्त होती है। दक्षिण भाग के अनेक स्थलों में अशोक के अभिलेख प्राप्त हुए हैं, किंतु अशोक ने एकमात्र कलिंग विजय ही की थी। अतः ऐसी स्थिति में दक्षिण में विजय का श्रेय हमें चंद्रगुप्त मौर्य को ही देना पड़ेगा, क्योंकि बिंदुसार की विजय अत्यन्त संदिग्ध है एवं इतिहास में उसे एक विजेता के रूप में स्मरण नहीं किया जाता। जैन एवं तमिल साक्ष्य भी चंद्रगुप्त मौर्य की दक्षिण विजय की पुष्टि करते हैं।

76. अभिलेख, जिससे यह प्रमाणित होता है कि चंद्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत पर था, है—

(a) कलिंग शिलालेख
(b) अशोक का गिरनार शिलालेख
(c) रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख
(d) अशोक का सोपारा शिलालेख

उत्तर—(c) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख से यह ज्ञात होता है कि चंद्रगुप्त मौर्य के सौराष्ट्र स्थित प्रांतीय शासक पुष्यगुप्त ने वहां सुदर्शन झील बनवाई थी और बाद में अशोक के यूनानी गवर्नर तुषास्प ने इस जलाशय के साथ बहुत-सी नहरें बनवाईं। इस प्रांत को आनर्त तथा सुराष्ट्र कहा गया है। इससे पश्चिम भारत पर चंद्रगुप्त के आधिपत्य का प्रमाण मिलता है।

77. निम्न में से कौन-सा क्षेत्र अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था?

(a) अफगानिस्तान (b) बिहार
(c) श्रीलंका (d) कलिंग

उत्तर—(c) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

श्रीलंका अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था। द्वितीय शिलालेख से स्पष्ट होता है कि भारत में अशोक का अधिकार चोल, पाण्ड्य, सत्तियपुत्त, केरलपुत्त एवं ताम्रपर्णी (श्रीलंका) को छोड़कर सर्वत्र था, क्योंकि इन राज्यों को प्रत्यन्त या सीमावर्ती राज्य कहा गया है।

78. अशोक के शासनकाल में बौद्ध सभा किस नगर में आयोजित की गयी थी?

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) समस्तीपुर (d) राजगृह

उत्तर—(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

सिंहली अनुश्रुतियों—दीपवंश और महावंश के अनुसार, अशोक के राज्यकाल में पाटलिपुत्र में मोग्गलिपुत्त तिस्स की अध्यक्षता में तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ।

79. अशोक के शिलालेखों (Insciptions) में प्रयुक्त भाषा है–

(a) संस्कृत (b) प्राकृत
(c) पालि (d) हिन्दी

उत्तर—(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

अशोक का इतिहास हमें मुख्यतः उसके अभिलेखों से ही ज्ञात होता है। उसके अभिलेखों का विभाजन 3 वर्गों में किया जा सकता है—(1) शिलालेख (2) स्तम्भलेख एवं (3) गुहालेख। शिलालेख 14 विभिन्न लेखों का एक समूह है, जो आठ भिन्न-भिन्न स्थानों से प्राप्त किये गये हैं, ये स्थान हैं—(1) शाहबाजगढ़ी (2) मानसेहरा (3) कालसी (4) गिरनार (5) धौली (6) जौगढ़ (7) एर्रगुडि तथा (8) सोपारा। अशोक के अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा एवं ब्राह्मी लिपि में लिखे गये हैं, केवल दो अभिलेखों-शाहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा की लिपि ब्राह्मी न होकर खरोष्ठी है। तक्षशिला से अरामेईक लिपि में लिखा गया एक भग्न अभिलेख,

शरेकुना नामक स्थान से यूनानी तथा अरामेईक लिपियों में लिखा गया द्विभाषीय यूनानी एवं सीरियाई भाषा अभिलेख तथा लघमान नामक स्थान से अरामेईक लिपि में लिखा गया अशोक का अभिलेख प्राप्त हुआ है।

80. निम्नलिखित में से प्राचीन भारत की कौन-सी लिपि दाहिने से बाईं ओर लिखी जाती थी?

(a) ब्राह्मी (b) शारदा
(c) खरोष्ठी (d) नन्दनागरी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर—(c) **63rd B.P.S.C. (Pre) 2017**

प्राचीन भारत में खरोष्ठी लिपि दाएं से बाएं लिखी जाती थी। इसे पढ़ने का श्रेय मैसन, प्रिंसेप, नोरिस, लैसेन, कनिंघम आदि विद्वानों को है। यह मुख्यतः उत्तर-पश्चिम भारत की लिपि थी।

81. अशोक के 'धम्म' का मूल संदेश क्या है?

(a) राजा के प्रति वफादारी (b) शांति एवं अहिंसा
(c) बड़ों का सम्मान (d) धार्मिक सहनशीलता
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(e)

अशोक धम्म (धर्म) एक नैतिक संहिता थी, अशोक अपने दूसरे और सातवें शिलालेख के माध्यम से संदेश देता है- ''अपासिनवे बहुकयाने दया दाने, सचे सोचये मादये साधवे च।'' अर्थात कम पाप करना, कल्याण करना, दया-दान करना, सत्य बोलना, पवित्रता से रहना, स्वभाव में मधुरता तथा साधुता बनाए रखना। इस प्रकार अशोक 'धम्म' के मूल संदेश में शांति और अहिंसा, बड़ों का सम्मान तथा धार्मिक सहनशीलता निहित है। अतः सही उत्तर विकल्प (e) होगा।

82. केवल वह स्तंभ जिसमें अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है—

(a) मास्की का लघु स्तंभ (b) रुम्मिनदेई स्तंभ
(c) क्वीन स्तंभ (d) भाब्रू स्तंभ

उत्तर—(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

भाब्रू (बैराट) स्तंभ लेख में अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है—(पियदसि लाजा मागधं संघं अभिवादेतूनं आहा अपाबाधतं च.....)। यही अभिलेख अशोक को बौद्ध धर्मावलंबी प्रमाणित करता है।

83. अपने शिलालेखों में अशोक सामान्यतः किस नाम से जाने जाते हैं?

(a) चक्रवर्ती (b) प्रियदर्शी
(c) धर्मदेव (d) धर्मकीर्ति
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर—(b) **65th B.P.S.C. (Pre) 2019**

अशोक के अभिलेखों में सर्वत्र उसे देवानांपिय, देवानांपियदसि (देवताओं का प्रिय अथवा देखने में सुंदर = देवनाम् प्रियदर्शी) तथा राजा आदि की उपाधियों से संबोधित किया गया है। पुराणों में उसे 'अशोकवर्धन' कहा गया है।

84. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में किस पहलू पर प्रकाश डाला गया है?

(a) आर्थिक जीवन (b) राजनीतिक नीतियां
(c) धार्मिक जीवन (d) सामाजिक जीवन

उत्तर—(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

कौटिल्य के अर्थशास्त्र द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल की बहुत सी बातों का ज्ञान प्राप्त होता है। यह वस्तुतः ऐतिहासिक ग्रंथ नहीं है, अपितु राजनीति शास्त्र का एक अद्वितीय ग्रंथ है। इसकी तुलना मैकियावेली के प्रिन्स से की जाती है।

85. कौटिल्य की पुस्तक अर्थशास्त्र किस विषय पर आधारित है?

(a) आर्थिक संबंध
(b) शासनकला के सिद्धांत और अभ्यास
(c) विदेश नीति
(d) धन संचय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(e)

कौटिल्य (चाणक्य) द्वारा मौर्य काल में रचित अर्थशास्त्र शासन के सिद्धांतों और अभ्यास की पुस्तक है। इसमें राज्य के लिए मंडल सिद्धांत है, जो विदेश नीति की व्याख्या करता है। इसके अलावा इसमें सप्तांग सिद्धांत - राजा, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दंड एवं मित्र की सर्वप्रथम व्याख्या मिलती है। अर्थशास्त्र में तत्कालीन प्रशासन एवं कृषि, शिल्प एवं व्यापार व्यवस्था की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

86. मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को कितनी श्रेणियों में विभाजित किया?

(a) चार (b) पांच
(c) छः (d) सात

उत्तर—(d) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में भारतीय समाज को सात श्रेणियों में विभाजित किया है—(1) दार्शनिक (2) कृषक (3) पशुपालक (4) कारीगर (5) योद्धा (6) निरीक्षक एवं (7) सभासद। मेगस्थनीज भारतीय समाज में दास-प्रथा के प्रचलित होने का उल्लेख नहीं करता है। मौर्य काल में कोई भी व्यक्ति न तो अपनी जाति से बाहर विवाह कर सकता था और न ही उससे भिन्न पेशा ही अपना सकता था।

87. मौर्य समाज का सात वर्गों में विभाजन का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है -

(a) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में
(b) अशोक के शिलालेखों में
(c) पुराणों में
(d) मेगस्थनीज की पुस्तक 'इंडिका' में
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

88. पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रयन सी किसने लिखी?

(a) टेसियस (b) प्लिनी
(c) टॉलमी (d) स्ट्रैबो
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(e)

'पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रयन सी' एक ग्रीको-रोमन पेरीप्लस (Manuscript document) है। यह रोमन मिस्र के बंदरगाहों से नेविगेशन और व्यापार के अवसरों का वर्णन करता है। इसे लगभग 60 ई. में अलेक्जेंड्रिया के एक अनाम नाविक ने लिखा। इसने भारत से आयात तथा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का भी उल्लेख किया है।

89. वह स्रोत जिसमें पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन उपलब्ध है, है–

(a) दिव्यावदान (b) अर्थशास्त्र
(c) इंडिका (d) अशोक शिलालेख

उत्तर—(c) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

पाटलिपुत्र नगर का प्रशासन मेगस्थनीज की इंडिका में प्राप्त होता है। मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र के नगर-परिषद की पांच-पांच सदस्यों वाली 6 समितियों का उल्लेख किया। वह नगर के पदाधिकारियों को एस्टिनोमोई (Astynomoi) कहता है।

90. पाटलिपुत्र को किस शासक ने सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाई?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) अशोक महान
(c) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (d) कनिष्क

उत्तर—(a) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

वस्तुतः पाटलिपुत्र की स्थापना गंगा एवं सोन नदी के संगम पर हर्यंक वंशी शासक उदयिन ने की थी एवं अपनी राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित की थी, किंतु विकल्प में उदयिन नहीं है, अतः चंद्रगुप्त मौर्य सही उत्तर है।

91. इनमें से किसने सर्वप्रथम व्यापक पैमाने पर स्वर्णमुद्रा का प्रचलन किया?

(a) पुष्यमित्र शुंग (b) मेनांडर
(c) विमा कद्फिसेस (d) गौतमीपुत्र सातकर्णी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(c)

कुषाण शासकों द्वारा व्यापक पैमाने पर स्वर्णमुद्रा का प्रचलन प्रारंभ करना भारतीय उपमहाद्वीप में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान था। कुषाण शासक विमा कद्फिसेस को स्वर्ण मुद्राओं के प्रचलन का श्रेय प्राप्त है।

92. कला की गांधार शैली निम्न समय में फली-फूली—

(a) कुषाणों के समय (b) गुप्तों के समय
(c) अकबर के समय (d) मौर्यों के समय

उत्तर—(a) **38th B.P.S.C. (Pre) 1992-93**

कुषाण शासक कनिष्क के शासनकाल में कला के क्षेत्र में दो स्वतंत्र शैलियों का विकास हुआ - (1) गांधार शैली, (2) मथुरा शैली। इन दोनों को कनिष्क की ओर से पर्याप्त प्रोत्साहन दिया गया। गांधार कला यूनानी कला से प्रभावित थी।

93. इनमें से किस शासक ने चतुर्थ बौद्ध संगीति कश्मीर में आयोजित की?

(a) अशोक (b) अजातशत्रु
(c) कनिष्क (d) कालाशोक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **66th BPSC (Pre) 2020**

बौद्ध धर्म की चतुर्थ संगीति कुषाण शासक कनिष्क के राज्यकाल में कश्मीर के कुंडलवन में हुई। इसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की तथा अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष बने। इस सभा में महासांघिकों का वर्चस्व था। यहां बौद्ध ग्रंथों के कठिन अंशों पर सम्यक विचार किया गया तथा प्रत्येक पिटक पर भाष्य लिखकर उन्हें 'विभाषाशास्त्र' नामक टीकाओं में संकलित कर दिया गया। इसी समय बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान नामक दो स्पष्ट संप्रदायों में विभक्त हो गया।

94. शुंग वंश के बाद किस वंश ने भारत पर राज किया?

(a) सातवाहन (b) कुषाण (कुशान)
(c) कनवा (कण्व) (d) गुप्त

उत्तर—(c) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

शुंग वंश का अंतिम राजा देवभूति अपने अमात्य वसुदेव के षड्यंत्रों द्वारा मार डाला गया। वसुदेव ने जिस नवीन राजवंश की नींव डाली वह 'कण्व' या 'कण्वायन' नाम से जाना जाता है। शुंगों के समान यह भी ब्राह्मण वंश था।

95. राजा खारवेल का नाम जुड़ा (Figures) है—

(a) गिरनार के स्तंभ लेख के साथ

(b) जूनागढ़ स्तंभ लेख के साथ
(c) हाथीगुम्फा लेख के साथ
(d) सारनाथ लेख के साथ

उत्तर—(c) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

कलिंग का चेदि शासक खारवेल प्राचीन भारतीय इतिहास के महानतम सम्राटों में से एक था। उड़ीसा प्रांत के भुवनेश्वर से तीन मील की दूरी पर स्थित उदयगिरि पहाड़ी की 'हाथीगुम्फा' से उसका एक बिना तिथि का अभिलेख प्राप्त हुआ है। इसमें खारवेल के बचपन, शिक्षा, राज्याभिषेक तथा राजा होने के बाद से तेरह वर्षों तक के शासनकाल की घटनाओं का क्रमबद्ध विवरण दिया हुआ है। यह अभिलेख खारवेल का इतिहास जानने का एकमात्र स्रोत है।

96. नगरों का क्रमिक पतन किस काल की एक महत्वपूर्ण विशेषता थी?

(a) गुप्तकाल (b) प्रतिहार युग
(c) राष्ट्रकूट (d) सातवाहन युग

उत्तर—(a) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

गुप्तकाल में नगर क्रमिक पतन की ओर अग्रसर हुए। संपूर्ण गंगा घाटी में जो शहर पहले अत्यन्त समृद्ध अवस्था में थे, उनमें से अधिकांश को गुप्त युग में या तो त्याग दिया गया या वहां के आवसन में पर्याप्त विघटन हुआ। पाटलिपुत्र जैसा महत्वपूर्ण नगर ह्वेनसांग के आगमन तक गांव बन गया। मथुरा जैसा महत्वपूर्ण नगर एवं कुम्रहार, सोनपुर, सोहगौरा और उत्तर प्रदेश में गंगा घाटी के अनेक महत्वपूर्ण केंद्र ह्रास के ही प्रमाण प्रस्तुत करते हैं।

97. निम्नलिखित में से कौन-सा बंदरगाह गुप्तकाल में उत्तर भारतीय व्यापार के लिए उपयोग किया जाता था?

(a) कल्याण (b) ताम्रलिप्ति
(c) भड़ोच (d) कैम्बे
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर—(e) **65th B.P.S.C. (Pre) 2019**

गुप्तकाल में बंगाल में ताम्रलिप्ति एक प्रमुख बंदरगाह था, जहां से उत्तर भारत के साथ दक्षिण-पूर्व एशिया, चीन, लंका, जावा, सुमात्रा आदि देशों के साथ व्यापार होता था। पश्चिमी भारत का प्रमुख बंदरगाह भृगुकच्छ (भडौच) था, जहां से पश्चिमी देशों के साथ समुद्री व्यापार होता था। इसके अलावा कल्याणा तथा बैम्बे से भी उत्तर भारतीय व्यापार होता था।

98. किस शासक वंश ने मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिया था?

(a) गुप्त वंश (b) पाल वंश
(c) राष्ट्रकूट (d) प्रतिहार

उत्तर—(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

गुप्त वंश के शासकों ने मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिए थे। गुप्त लेखों में जिन भूमिदानों का उल्लेख किया गया है, उससे यह स्पष्ट है कि भूमिदान के साथ-साथ गांव की भूमि से उत्पन्न होने वाली आय भी ग्रहीता को सौंप दी जाती थी।

99. गुप्त युग में भूमि राजस्व की दर क्या थी?

(a) उपज का चौथा भाग (b) उपज का छठां भाग
(c) उपज का आठवां भाग (d) उपज का आधा भाग

उत्तर—(b) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

गुप्त काल में जो लोग राजकीय भूमि पर कृषि करते थे, उन्हें अपनी उपज का एक भाग राजा को कर के रूप में देना पड़ता था, जो षष्ठांश होता था। गुप्त अभिलेखों में भूमिकर को 'उद्रंग' तथा 'भागकर' कहा गया है।

100. भागवत सम्प्रदाय के विकास में किसकी देन अत्यधिक थी?

(a) पार्थियन (b) हिन्द-यूनानी लोग
(c) कुषाण (d) गुप्त

उत्तर—(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

भागवत अथवा वैष्णव धर्म का चरमोत्कर्ष गुप्त राजाओं के शासन-काल में हुआ। गुप्त नरेश वैष्णव मतानुयायी थे तथा उन्होंने इसे अपना राजधर्म बनाया था। अधिकांश शासक 'परमभागवत' की उपाधि धारण करते थे। विष्णु का वाहन 'गरुड़' गुप्तों का राजचिह्न था।

101. इनमें से किसने पहली बार यह व्याख्या की थी कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण प्रतिदिन सूर्योदय एवं सूर्यास्त होता है?

(a) आर्यभट्ट (b) भास्कर
(c) ब्रह्मगुप्त (d) वराहमिहिर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

आर्यभट्ट प्रथम व्यक्ति थे, जिन्होंने यह व्याख्या की थी कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण ही प्रतिदिन सूर्योदय एवं सूर्यास्त होता है।

102. इनमें से कौन गुप्त काल में औषधि के क्षेत्र में अपने कार्य के लिए जाने जाते हैं?

(a) सुश्रुत (b) सौमिला
(c) शूद्रक (d) शौनक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर—(e) **63rd B.P.S.C. (Pre) 2017**

सुश्रुत को शल्यक्रिया का जनक कहा जाता है। यह काशी के रहने वाले थे, इनका काल लगभग 600 ई.पू. माना जाता है। शौनक ऋग्वेद कालीन ऋषि थे। शूद्रक गुप्त कालीन नाटककार (साहित्यकार) थे। सौमिला गुप्त कालीन नाटककार हैं, जिसे कालिदास ने भाष और कविपुत्र के साथ याद किया है। इस प्रकार गुप्त काल में औषधि के क्षेत्र में उपर्युक्त में किसी ने कार्य नहीं किया था। यद्यपि बिहार लोक सेवा आयोग ने अपने प्रारंभिक उत्तर पत्रक में इसका सही उत्तर विकल्प (a) माना है। चूंकि गुप्त काल का प्रारंभ 275-AD (श्री गुप्त) से प्रारंभ होता है, जो सुश्रुत के मान्यकाल (प्रायः 600 BC से 1500 BC) से करीब 1000 वर्ष बाद का है, इसलिए सुश्रुत को गुप्तकाल के समकालीन मानना औचित्यपूर्ण नहीं है।

103. चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था?

(a) तक्षशिला (b) विक्रमशिला
(c) मगध (d) नालंदा

उत्तर—(d) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। 637 ई. में ह्वेनसांग नालन्दा विश्वविद्यालय गया। इस समय यहां के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे। लगभग $1\frac{1}{2}$ वर्ष तक नालन्दा में निवास कर उसने योगशास्त्र का अध्ययन किया, इसके बाद वह बंगाल, उड़ीसा, धान्यकटक होता हुआ काञ्ची पहुंचा। अपनी यात्रा के दूसरे दौर में ह्वेनसांग पुनः नालंदा आया और व्याख्यान दिए।

104. ह्वेनसांग की भारत में यात्रा के समय सूती कपड़ों के उत्पादन के लिए सबसे प्रसिद्ध नगर था—

(a) वाराणसी (b) मथुरा
(c) पाटलिपुत्र (d) कांची

उत्तर—(b) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन में भारत आया था। मथुरा एक औद्योगिक नगरी थी। अर्थशास्त्र से ज्ञात होता है कि इसके सूती वस्त्र उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध थे। ह्वेनसांग ने मथुरा की आर्थिक समृद्धि एवं व्यापारिक प्रगति की पुष्टि की है। वह लिखता है कि मथुरा के बाजारों में बिकने वाली वस्तुएं काफी सजाकर रखी जाती थीं।

105. कवि बाण, निवासी था—

(a) पाटलिपुत्र का (b) थानेश्वर का
(c) भोजपुर का (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर—(a) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

बाणभट्ट हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। ये पाटलिपुत्र क्षेत्र के निवासी थे। हर्षचरित, कादम्बरी, चण्डीशतक इनकी प्रमुख रचनाएं हैं।

106. चीनी यात्री इत्सिंग ने बिहार का भ्रमण किया, लगभग—

(a) 405 ई. में (b) 635 ई. में
(c) 637 ई. में (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर—(d) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

चीनी यात्री इत्सिंग 671 या 672 ई. में, जब वह युवक था, अपने 37 बौद्ध सहयोगियों के साथ बौद्ध धर्म के अवशेषों को देखने की इच्छा से उसने पाश्चात्य विश्व का भ्रमण करने का निश्चय किया। वह दक्षिण के समुद्री मार्ग से होकर भारत आया। 675 से 685 ई. तक नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था। 693-94 ई. के लगभग सुमात्रा होता हुआ वह चीन लौट गया।

107. प्रसिद्ध चीनी यात्री फाह्यान ने किसके शासनकाल में भारत की यात्रा की?

(a) चंद्रगुप्त I (b) चंद्रगुप्त II
(c) रामगुप्त (d) श्रीगुप्त
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(b)

चंद्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' के शासनकाल में चीनी यात्री फाह्यान ने भारत के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया।

108. नालंदा विश्वविद्यालय के संस्थापक कौन थे?

(a) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (b) कुमारगुप्त
(c) धर्मपाल (d) पुष्यगुप्त

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(b)

ह्वेनसांग के अनुसार, नालंदा विश्वविद्यालय का संस्थापक 'शक्रादित्य' था, जिसने बौद्ध धर्म के त्रिरत्नों के प्रति महती श्रद्धा के कारण इसकी स्थापना करवाई थी। शक्रादित्य की पहचान कुमारगुप्त प्रथम (415-455 ई.) से की जाती है। कुमारगुप्त की प्रसिद्ध उपाधि 'महेंद्रादित्य' थी।

109. ताम्रपत्र लेख दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में बिहार के राजाओं का संपर्क था—

(a) बर्मा से (b) थाईलैंड से
(c) कंबोडिया (d) जावा-सुमात्रा से

उत्तर—(d) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

पालवंशी शासक देवपाल बौद्ध मतानुयायी था। लेखों में उसे 'परमसौगत' कहा गया है। उसने जावा के शैलेन्द्रवंशी शासक बालपुत्रदेव के अनुरोध पर उसे नालंदा में एक बौद्ध विहार बनवाने के लिए पांच गांव दान में दिए थे।

110. सुवर्णभूमि का वह राजा कौन था, जिसने नालंदा में एक बौद्ध विहार की स्थापना की तथा उसके रख-रखाव हेतु अपने दूत द्वारा देवपाल से पांच गांव दान में देने के लिए प्रार्थना की?

(a) धरणीन्द्र (b) संग्रामधनंजय

(c) बालपुत्रदेव (d) चूड़ामणिवर्मन

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(c)

सुवर्णभूमि के शासक बालपुत्रदेव ने नालंदा में एक बौद्ध विहार की स्थापना की तथा उसके रख-रखाव हेतु अपने दूत द्वारा देवपाल से पांच गांव देने के लिए प्रार्थना की थी।

111. नालंदा विश्वविद्यालय के विनाश के कारण थे—

(a) मुसलमान (b) कुषाण

(c) सीथियन्स (d) मुगल

उत्तर—(a) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

नालंदा विश्वविद्यालय बख्तियार खिलजी के अधीन तुर्क मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट किया गया था। यह भारत में बौद्ध मत के पतन के लिए अंतिम प्रहार के रूप में देखा जाता है।

112. खजुराहो मंदिर स्थापत्य के निर्माण में सहयोगी थे—

(a) चंदेल (b) गुर्जर-प्रतिहार

(c) चाहमान (d) परमार

उत्तर—(a) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

खजुराहो के मंदिर चंदेल राजाओं के समय 950-1050 ई. के बीच बनाए गए। यहां के मंदिरों में कंदरिया महादेव का मंदिर सर्वोत्तम है। खजुराहो मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है।

113. विक्रमशिला शिक्षा केंद्र के संस्थापक का नाम है–

(a) देवपाल (b) धर्मपाल

(c) नयनपाल (d) नरेन्द्रपाल

उत्तर—(b) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

विक्रमशिला का विश्वविद्यालय बिहार के भागलपुर जिले में स्थित था। इसकी स्थापना पाल वंश के धर्मपाल ने की थी। दीपंकर श्रीज्ञान जो उपाध्याय अतीश के नाम से प्रसिद्ध थे, यहां के सर्वाधिक प्रसिद्ध विद्वान थे। ये तिब्बत भी गए थे।

114. निम्नलिखित राजवंशों में किसका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ है?

(a) कदम्ब (b) चेर

(c) चोल (d) पाण्ड्य

उत्तर—(a) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

संगम साहित्य में केवल चोल, चेर एवं पाण्ड्य राजाओं के उद्भव और विकास का विवरण प्राप्त होता है। इन राज्यों के विविध राजाओं के शासनकाल का स्पष्ट निर्धारण संभव न होने पर भी संगम साहित्य से कृष्णा नदी के दक्षिण में सुदूर प्रायद्वीप तक राजनीतिक गतिविधियों पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता है।

115. संगम युग में 'उरैयूर' किसलिए विख्यात था?

(a) मसालों के व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र

(b) कपास के व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र

(c) विदेशी व्यापार का महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र

(d) आंतरिक व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र

उत्तर—(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में अवस्थित कावेरी नदी के तट पर उरैयूर संगम कालीन चोलों की राजधानी थी। यह कारी एवं वाराणम् नामों से भी प्रसिद्ध था। संगम युग में उरैयूर कपास तथा सूती वस्त्रों का बहुत बड़ा केंद्र था।

116. मुद्राराक्षस का लेखक निम्न में से कौन है?

(a) अश्वघोष (b) विशाखदत्त

(c) कालिदास (d) भास

उत्तर—(b) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

मुद्राराक्षस की रचना विशाखदत्त ने की थी। इस ग्रंथ से मौर्य इतिहास, मुख्यतः चंद्रगुप्त मौर्य के जीवन पर प्रकाश पड़ता है। इसमें चंद्रगुप्त मौर्य को 'वृषल' तथा 'कुलहीन' कहा गया है। धुण्डिराज ने मुद्राराक्षस पर टीका लिखी है।

117. 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं—

(a) कल्हण (b) बील्हण

(c) जयानक (d) चंदबरदाई

उत्तर—(d) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

चौहानवंशी शासक पृथ्वीराज III (रायपिथौरा) के दरबारी कवि चंदबरदाई ने 'पृथ्वीराज रासो' की रचना की।

118. 'स्वप्नवासवदत्ता' के लेखक (Author) हैं—

(a) कालिदास (b) भास

(c) भवभूति (d) राजशेखर

उत्तर—(b) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

महाकवि भास के नाम से 13 नाटक उपलब्ध हुए हैं, जिन्हें 1909 में श्री टी. गणपति शास्त्री ने ट्रावनकोर राज्य से प्राप्त किया था। इन नाटकों के नाम हैं—(1) प्रतिज्ञायौगन्धरायण, (2) स्वप्नवासवदत्ता, (3) उरुभंग, (4) दूतवाक्य, (5) पञ्चरात्र, (6) बालचरित्, (7) दूतघटोत्कच, (8)कर्णभार, (9) मध्यमव्यायोग, (10) प्रतिमा नाटक, (11) अभिषेक नाटक, (12) अविमारक एवं (13)चारुदत्त।

119. 'कुमारसम्भव' महाकाव्य किस कवि ने लिखा?

(a) बाणभट्ट (b) चंदबरदाई

(c) हरिसेन (d) कालिदास

उत्तर—(d) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

कुमारसम्भव महाकाव्य की रचना महाकवि कालिदास ने की थी। इसमें 17 सर्ग हैं, जिनमें प्रकृति चित्रण तथा कार्तिकेय की जन्म कथा वर्णित है।

120. 'किरातार्जुनीय' पुस्तक किसने लिखा था?

(a) भट्टी (b) शूद्रक

(c) कालिदास (d) भारवि

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(d)

'किरातार्जुनीय' पुस्तक के लेखक भारवि हैं। इस पुस्तक की कथावस्तु महाभारत से ली गई है। इसमें अर्जुन तथा 'किरात' वेशधारी शिव के बीच युद्ध का वर्णन है।

121. उस स्रोत का नाम बतलाएं जो प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों पर मौन है—

(a) संगम साहित्य (b) मिलिंदपन्हो

(c) जातक कहानियां (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

पाली भाषा में, बौद्ध भिक्षु नागसेन द्वारा लिखित मिलिंदपन्हो में नागसेन एवं हिंद यवन शासक मेनाण्डर के बीच वार्तालाप का वर्णन है। इसमें व्यापारिक मार्गों का वर्णन नहीं मिलता।

122. 'हर्षचरित' नामक पुस्तक किसने लिखी?

(a) आर्यभट्ट (b) बाणभट्ट

(c) विष्णुगुप्त (d) परिमलगुप्त

उत्तर—(b) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

'हर्षचरित' ग्रंथ की रचना सुप्रसिद्ध लेखक बाणभट्ट ने की थी। यह वर्धन वंश के इतिहास का प्रमुख स्रोत है। यह एक आख्यायिका है, जिसमें लेखक अपने समकालीन शासक तथा उसके पूर्वजों के जीवनवृत्त का वर्णन प्रस्तुत करता है।

123. चोल वंश का संस्थापक कौन था?

(a) विजयालय

(b) करीकाल

(c) आदित्य प्रथम

(d) राजराजा प्रथम

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(a)

चोल साम्राज्य की स्थापना विजयालय ने किया था, जो प्रारंभ में पल्लवों का एक सामंती सरदार था। उसने 850 ई. में तंजौर को अपने अधिकार में कर लिया। तंजौर के शैव मंदिर/राजराजेश्वर या वृहदीश्वर मंदिर का निर्माण राजराजा प्रथम के काल में हुआ था।

124. चोल काल किसके लिए प्रसिद्ध था?

(a) ग्राम पंचायत (Village Assembly)

(b) राष्ट्रकूट राजवंश के साथ युद्ध

(c) श्रीलंका के साथ व्यापार

(d) तमिल संस्कृति की उन्नति

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

चोल शासन की सबसे उल्लेखनीय विशेषता स्वायत्तशासी ग्रामीण संस्थाओं के संचालन में परिलक्षित होती है। ग्राम पंचायत चोल काल में प्रसिद्ध था। उत्तरमेरूर से प्राप्त अभिलेख से ग्राम सभा के कार्यों आदि का विस्तृत वर्णन प्राप्त होता है।

125. कौन-सा मध्यकालीन भारतीय साम्राज्य व्यापक स्तर पर स्थानीय स्वशासन के लिए प्रसिद्ध था?

(a) चालुक्य

(b) चोल

(c) सोलंकी

(d) परमार

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **66th BPSC (Pre) 2020**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

126. दक्षिण भारत के मंदिरों के आकर्षक द्वार क्या कहलाते हैं?

(a) शिखर (b) गोपुरम्

(c) देवालय (d) मंडपम्

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(b)

दक्षिण के मंदिरों के आकर्षक द्वार को 'गोपुरम्' कहते हैं। पाण्ड्यों, चोलों के राज्यकाल में द्रविड़ शैली पनपती रही। पाण्ड्य काल में मंदिर छोटे होते थे, किंतु उनके प्रांगण के चारों ओर अनेक प्राचीर बनाए जाते थे। इनके प्रवेश द्वार, जिन्हें 'गोपुरम्' कहा जाता था, भव्य विशाल और प्रचुर मात्रा में शिल्पकारिता से अलंकृत होते थे। चोल कालीन वास्तुकला की विशेषता मंदिर नहीं, अपितु गोपुरम् है।

मध्यकालीन भारत का इतिहास

1. गुलाम वंश का प्रथम शासक कौन था?

(a) इल्तुतमिश (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) रज़िया (d) बलबन

47th B.P.S.C. (Pre) 2005
53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

भारत में गुलाम वंश का प्रथम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-10 ई.) था। वह ऐबक नामक तुर्क जनजाति का था। बचपन में उसे निशापुर के काजी फखरुद्दीन अब्दुल अजीज कूकी ने एक दास के रूप में खरीदा था। काजी ने उसकी उचित ढंग से देखभाल की और सभी शिक्षाओं में पूर्ण कराया। ऐबक बचपन से ही अति सुरीले स्वर में कुरान पढ़ता था, जिस कारण वह कुरान-ख्वां (कुरान का पाठ करने वाला) के नाम से प्रसिद्ध हो गया। बाद में वह निशापुर से गजनी लाया गया, जहां उसे गोरी ने खरीद लिया। अपनी प्रतिभा, लगन और ईमानदारी के बल पर शीघ्र ही ऐबक ने गोरी का विश्वास प्राप्त कर लिया। गोरी ने उसे अमीर-ए-आखूर के पद पर प्रोन्नत कर दिया, और यहीं से उसके जीवन का एक नया अध्याय आरंभ हुआ। वह दिल्ली का पहला तुर्क शासक था। यद्यपि वह लाहौर से ही शासन करता था। उसी को भारत में तुर्की राज्य का संस्थापक भी माना जाता है। गोरी की मृत्यु के बाद लाहौर के नागरिकों द्वारा आमंत्रित करने पर वहां पहुंच कर शासन-सत्ता अपने हाथ में लिया। यद्यपि उसने अपना राज्याभिषेक गोरी के मृत्यु के तीन माह पश्चात जून, 1206 में कराया था। ऐबक ने कभी 'सुल्तान' की उपाधि धारण नहीं की। उसने केवल 'मलिक' और 'सिपहसालार' की पदवियों से ही अपने को संतुष्ट रखा। गोरी के उत्तराधिकारी गियासुद्दीन द्वारा मुक्ति-पत्र प्राप्त करने के बाद नियमपूर्वक 1208 ई. में ऐबक को दासता से मुक्ति मिली।

2. कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी–

(a) लाहौर (b) दिल्ली
(c) अजमेर (d) लखनौती

उत्तर–(a) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. 'ढाई दिन का झोपड़ा' क्या है?

(a) मस्जिद (b) मंदिर
(c) संत की झोपड़ी (d) मीनार

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(a)

अपनी उदारता के कारण कुतुबुद्दीन ऐबक इतना अधिक दान करता था कि उसे 'लाखबख्श' (लाखों को देने वाला) के नाम से पुकारा गया। फरिश्ता ने लिखा है कि 'यदि व्यक्ति किसी की दानशीलता की प्रशंसा करते थे, तो उसे अपने युग का ऐबक पुकारते थे।' इसकी एक उपाधि 'कुरान ख्वां' भी थी। ऐबक को साहित्य से अनुराग था और स्थापत्य कला में भी रुचि थी। तत्कालीन विद्वान हसन निजामी और फक्र-ए-मुदब्बिर को उसका संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने ऐबक को अपने ग्रंथ समर्पित किए थे। हसन निजामी ने 'ताज-उल-मासिर' की रचना की। ऐबक ने दिल्ली में 'कुव्वत-उल-इस्लाम' और अजमेर में 'ढाई दिन का झोपड़ा' नामक मस्जिदों का निर्माण कराया था। उसने दिल्ली में स्थित 'कुतुबमीनार' का निर्माण कार्य प्रारंभ किया, जिसे इल्तुतमिश ने पूरा करवाया।

4. कुतुबमीनार किसके द्वारा पूरा किया गया था?

(a) इल्तुतमिश (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) उलुग खान (d) रजिया सुल्तान
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. भारत में मोहम्मद गोरी ने किसको प्रथम अक्ता प्रदान किया था?

(a) ताजुद्दीन यल्दोज (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (d) नासिरुद्दीन कुबाचा

उत्तर—(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

गोरी की विजयों के बाद शीघ्र ही उत्तर भारत में अक्ता प्रथा स्थापित हो गई। गोर के मुहम्मद साम (मोहम्मद गोरी) ने कुतुबुद्दीन ऐबक को 1191 ई. में हांसी अक्ता या इक्ता (प्रांत) प्रदान किया। 1192 ई. में तराइन के द्वितीय युद्ध में उसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसके कार्यों से प्रसन्न होकर गोरी ने उसे क्रमशः कुहराम और समाना का प्रशासक नियुक्त किया। वस्तुतः 1192-1206 ई. तक उसने गोरी के प्रतिनिधि के रूप में उत्तरी भारत के विजित भागों का प्रशासन संभाला। इस अवधि में ऐबक ने उत्तरी भारत में तुर्की शक्ति का विस्तार भी किया।

6. बिहार का प्रथम मुस्लिम विजेता कौन था?

(a) मलिक इब्राहीम
(b) इल्तुतमिश
(c) बख्तियार खिलजी
(d) अलीमर्दान खिलजी
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(c)

मुहम्मद गोरी के एक साधारण दास इख्तियारुद्दीन मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी ने 1193 ई. से 1202 ई. के मध्य बिहार की विजय की तथा नालंदा एवं विक्रमशिला विहार को तहस-नहस कर राजधानी ओदंतपुरी पर कब्जा कर लिया। उसने 1202-03 ई. के आस-पास बंगाल पर आक्रमण किया। उस समय वहां का शासक लक्ष्मणसेन था। वह बिना युद्ध किए ही भाग निकला। तुर्की सेना ने राजधानी नदिया में प्रवेश कर बुरी तरह लूटपाट

की। राजा की अनुपस्थिति में नगर ने आत्मसमर्पण कर दिया। लक्ष्मणसेन ने भाग कर दक्षिण बंगाल में शरण ली और वहीं कुछ समय तक शासन करता रहा। प्रसिद्ध पर्शियन इतिहासकार मिनहाजुद्दीन सिराज ने अपनी पुस्तक तबकात-इ-नासिरी में बिहार में उसके हमलों के बारे में विस्तार से वर्णन किया है।

7. बिहार पर बख्तियार खिलजी के हमले का पहला विवरण प्राप्त हुआ-

(a) तारीख-इ हिंद से
(b) तबकात-इ नासिरी से
(c) ताज-उल मासिर से
(d) तारीख-इ मुबारक शाही से
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. 'नालंदा विहार' का विध्वंस किया था -

(a) बख्तियार खिलजी (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) अलाउद्दीन खिलजी
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था -

(a) ऐवाज (b) नासिरुद्दीन महमूद
(c) अलीमर्दान (d) मलिक जानी

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

1225 ई. में इल्तुतमिश ने बिहार शरीफ एवं राढ़ पर अधिकार कर राजमहल की पहाड़ियों में तेलियागढ़ी के समीप हिसामुद्दीन ऐवाज को पराजित किया। ऐवाज ने इल्तुतमिश की अधीनता स्वीकार कर ली। इल्तुतमिश ने ऐवाज के स्थान पर मलिक जानी को बिहार का सूबेदार नियुक्त किया।

10. वह प्रथम मुस्लिम शासक कौन था, जिसने शासन के सिद्धांत (Theory Of Kingship) को राजाओं के ईश्वरीय अधिकार सिद्धांत (Theory Of Divine Right) के समान प्रतिपादित किया था?

(a) ऐबक (b) इल्तुतमिश
(c) बलबन (d) अलाउद्दीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(c)

बलबन प्रथम मुस्लिम शासक था, जिसने शासन के सिद्धांत को राजाओं के ईश्वरीय अधिकार सिद्धांत के समान प्रतिपादित किया था। इसके अनुसार, सुल्तान पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि (नियाबत-ए-खुदाई) है और उसका स्थान पैगंबर के पश्चात है। राजा 'जिल्ले अल्लाह' या 'जिल्ले इलाही' अर्थात ईश्वर का प्रतिबिंब है। उसने पुत्र बुगरा खां से कहा था - ''सुल्तान का पद निरंकुशता का सजीव प्रतीक है।''

11. किस दिल्ली सुल्तान ने 'रक्त एवं लौह' की नीति अपनाई?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **66th BPSC (Pre) 2020**

बलबन के विषय में कहा गया है कि उसने 'रक्त और लौह' की नीति अपनाई थी। बलबन के राजत्व सिद्धांत की दो मुख्य विशेषताएं थीं : प्रथम, सुल्तान का पद ईश्वर के द्वारा प्रदत्त होता है और द्वितीय, सुल्तान का निरंकुश होना आवश्यक है। उसके अनुसार, ''सुल्तान पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि (नियामत-ए-खुदाई) है और उसका स्थान पैगंबर के पश्चात है। सुल्तान को कार्य करने की प्रेरणा और शक्ति ईश्वर से प्राप्त होती है। इस कारण जनसाधारण या सरदारों को उसके कार्यों की आलोचना का अधिकार नहीं है।''

12. ''जब उसने राजत्व (Kingship) प्राप्त किया, तो वह शरियत के नियमों और आदेशों से पूर्णतया स्वतंत्र था।'' बरनी ने यह कथन किस सुल्तान के लिए कहा?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद तुगलक

उत्तर—(c) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

जियाउद्दीन बरनी ने उक्त कथन अलाउद्दीन खिलजी के लिए कहा है। अलाउद्दीन दिल्ली का पहला सुल्तान था, जिसने धर्म पर राज्य का नियंत्रण स्थापित किया। इस संदर्भ में अपनी नीति की व्याख्या करते हुए वह स्वयं कहता है कि, ''मैं नहीं जानता कि कानून की दृष्टि से क्या उचित है और क्या अनुचित? मैं राज्य की भलाई अथवा अवसर विशेष के लिए जो उपयुक्त समझता हूं, उसी को करने की आज्ञा देता हूं, अंतिम न्याय के दिन मेरा क्या होगा, मैं नहीं जानता।'' अलाउद्दीन ने राजपद के विषय में बलबन के विचार को पुनः जीवित किया। वह राजा की सार्वभौमिकता में विश्वास रखता था, जो पृथ्वी पर ईश्वर का प्रतिनिधि मात्र है। उसने अपनी शक्ति की वृद्धि के विषय में खलीफा की अनुमति लेना आवश्यक नहीं समझा। इसलिए उसने खलीफा से अपने पद की मान्यता प्राप्त करने के संबंध में कोई याचना नहीं की। उसने अपने आपको 'यामिन-उस-खिलाफत नासिरी अमीर-उल-मुमानिन' बताया। इस प्रकार अलाउद्दीन दिल्ली का पहला सुल्तान था, जिसने धर्म को राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करने दिया। अलाउद्दीन उलेमा वर्ग के प्रभाव से मुक्त रहा।

13. अलाउद्दीन खिलजी के प्रसिद्ध सेनापतियों में किसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई?

(a) जफर खां (b) नुसरत खां
(c) अल्प खां (d) उलूग खां

उत्तर–(a) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

अलाउद्दीन का प्रसिद्ध सेनापति जफर खां मंगोलों के विरुद्ध लड़ता हुआ मारा गया, जो अपने समय का श्रेष्ठ और साहसी सेनापति था। जफर खां के शौर्य और भारतीय सेना की दृढ़ता से मंगोल इतने प्रभावित हुए कि वे उसी रात को 30 कोस पीछे हट गए और वापस चले गए।

14. रानी पद्मिनी का नाम अलाउद्दीन की चित्तौड़ विजय से जोड़ा जाता है। उनके पति का नाम है—

(a) महाराणा प्रताप सिंह (b) रणजीत सिंह
(c) राजा मान सिंह (d) राणा रतन सिंह

उत्तर–(d) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

पद्मिनी की कहानी का आधार 1540 ई. में मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा लिखित काव्य-पुस्तक 'पद्मावत' है। इसके अनुसार, पद्मिनी चित्तौड़ के राणा रतन सिंह की अत्यन्त सुंदर और विदुषी पत्नी थी। अमीर खुसरो ने सुलेमान और रानी शैबा के प्रेम-प्रसंग का उल्लेख अपने ग्रंथ में किया था और उसने अपने संकेतों में अलाउद्दीन की समता सुलेमान से तथा पद्मिनी की तुलना शैबा से की थी। सम्भवतया इसी आधार को मानकर मलिक मुहम्मद जायसी ने पद्मावत की रचना की और राणा रतन सिंह की रानी पद्मिनी की कहानी बनी।

15. अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक कौन था?

(a) रामचंद्र देव (b) प्रताप रुद्रदेव
(c) मलिक काफूर (d) राणा रतन सिंह

47th B.P.S.C. (Pre) 2005
53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(a)

अलाउद्दीन के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक रामचंद्र देव था। 1296 ई. में देवगिरि के शासक रामचंद्र देव ने अलाउद्दीन के सफल आक्रमण से बाध्य होकर उसे प्रति वर्ष एलिचपुर की आय भेजने का वादा किया था, परंतु 1305 ई. अथवा 1306 ई. में उसने उस कर को दिल्ली नहीं भेजा, जिस कारण 1307 ई. में अलाउद्दीन ने मलिक काफूर के नेतृत्व में एक सेना देवगिरि पर आक्रमण करने के लिए भेजी। राजा रामचंद्र देव युद्ध में पराजित हुआ और उसने आत्मसमर्पण कर दिया।

16. किस सुल्तान के काल में खालिसा भूमि अधिक पैमाने में विकसित हुई?

(a) गयासुद्दीन बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद-बिन-तुगलक (d) फिरोजशाह तुगलक

उत्तर–(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

अलाउद्दीन की राजस्व और लगान व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य एक शक्तिशाली और निरंकुश राज्य की स्थापना करना था। उसने उन सभी व्यक्तियों से भूमि छीन ली, जिन्हें वह मिल्क (राज्य द्वारा प्रदत्त संपत्ति, ईनाम, इन्दरात, पेंशनें) तथा वक्फ (धर्मार्थ प्राप्त हुई भूमि) आदि के रूप में मिली थी। फलतः खालिसा भूमि अधिक पैमाने पर विकसित हुई।

17. 'अलाई दरवाजा' का निर्माण किस सुल्तान ने करवाया?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) फिरोज तुगलक

उत्तर–(c) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

'अलाई दरवाजा' का निर्माण सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने 'कुतुबमीनार' के निकट करवाया। इसका निर्माण लाल पत्थरों तथा संगमरमर के द्वारा हुआ। यह 1311 ई. में बनकर तैयार हुआ। इल्तुतमिश के मकबरे की तरह इसमें एक चौकोर बड़ा कमरा है, जिसकी छत पर एक गुम्बद है और इसकी चारों दीवारों में एक मेहराबदार प्रवेश द्वार है।

18. दिल्ली के किस सुल्तान ने सबसे ज्यादा नहरों का निर्माण किया था?

(a) फिरोज शाह तुगलक (b) इल्तुतमिश
(c) बलबन (d) सिकंदर लोदी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर–(a) **65th B.P.S.C. (Pre) 2019**

फिरोज तुगलक का शासनकाल भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण कराने के कारण प्रसिद्ध रहा। सिंचाई की सुविधा के लिए उसने पांच बड़ी नहरों का निर्माण कराया। फिरोज तुगलक उलेमा वर्ग की स्वीकृति के पश्चात 'हक्क-ए-शर्ब' नामक सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था। उन किसानों को जो सिंचाई के लिए शाही नहरों का पानी प्रयोग में लाते थे अपनी पैदावार का 1/10 भाग सरकार को देना पड़ता था।

19. फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शफा' क्या था?

(a) एक दानशाला
(b) एक खैराती अस्पताल
(c) एक पुस्तकालय
(d) तीर्थ यात्रियों के लिए एक अतिथि गृह

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(b)

राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला पहला भारतीय शासक फिरोज तुगलक था। उसने 'दार-उल-शफा' नामक एक खैराती अस्पताल की स्थापना भी की और उसमें कुशल हकीम रखे।

20. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने बेरोजगारों को रोजगार दिलवाया?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मुहम्मद बिन तुगलक

(c) फिरोज तुगलक (d) शेरशाह सूरी

उत्तर–(c) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

फिरोज शाह तुगलक ने सामान्य लोगों की भलाई के लिए कुछ उपकार के कार्य किए। नियुक्ति के लिए एक दफ्तर (रोजगार दफ्तर) खोलकर तथा प्रत्येक मनुष्य के गुण एवं योग्यता की पूरी जांच-पड़ताल के बाद यथासंभव अधिक-से-अधिक लोगों को नियुक्ति देकर उसने बेकारी की समस्या को हल करने का प्रयास किया।

21. निम्नलिखित में से किस सुल्तान के दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज तुगलक

उत्तर–(d) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

फिरोज को दासों का बहुत शौक था। उसके दासों की संख्या सम्भवतः एक लाख अस्सी हजार तक पहुंच गई थी। उनकी देखभाल के लिए एक पृथक विभाग ('दीवान-ए-बंदगान') का गठन किया गया था। उन दासों की शिक्षा का पूर्ण ध्यान रखा जाता था। प्रत्येक दास को 10 से 100 टंके के बीच वेतन मिलता था तथा कभी-कभी जागीरें भी मिलती थीं। फिरोज का यह शौक राज्य के लिए हानिकारक सिद्ध हुआ।

22. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किए?

(a) मुहम्मदबिन तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) सिकंदर लोदी (d) शेरशाह सूरी

उत्तर–(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

फिरोज शाह तुगलक ने बागवानी में अपनी अभिरुचि के कारण दिल्ली के निकट 1200 नए बाग लगवाए तथा अलाउद्दीन के तीस पुराने बागों को फिर से लगवाया।

23. फारसी यात्री 'अब्दुर्रज्जाक' भारत में किस राजा के शासनकाल में आया था?

(a) देवराय I (b) कृष्ण देवराय I
(c) देवराय II (d) कृष्णराय II
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

फारसी राजदूत अब्दुल रज्जाक संगम वंश के सबसे प्रतापी शासक देवराय II (कार्यकाल 1422-46 ई.) के शासनकाल में विजयनगर आया था। उसने अपने यात्रा वृत्तांत 'मतला-उस-सदाइन वा मज्म उल बहरीन' में देवराय II के शासनकाल का वर्णन किया है।

24. तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में किस वंश का राज स्थापित हुआ?

(a) लोदी वंश (b) सैय्यद वंश
(c) तुगलक वंश (d) खिलजी वंश

उत्तर–(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

तैमूर के आक्रमण (1398 ई.) ने तुगलक शासन को कमजोर कर दिया। 1412 ई. में नासिरुद्दीन की मृत्यु के साथ ही तुगलक वंश का अंत हो गया। 1413 ई. में सरदारों ने दौलत खां को दिल्ली का सुल्तान चुना। परंतु उसे दौलत खां के सूबेदार खिज्र खां ने पराजित कर दिया। वह तैमूर द्वारा नियुक्त लाहौर का सूबेदार था। तैमूर के आक्रमण के बाद 1414 ई. में उसने दिल्ली पर अधिकार कर एक नए वंश सैय्यद वंश की नींव डाली।

25. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने एक नगर बसाया जहां अब आगरा है?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) बहलोल लोदी (d) सिकंदर लोदी

उत्तर–(d) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

17 जुलाई, 1489 ई. को निजाम खां सुल्तान सिकंदर शाह के नाम से सिंहासन पर बैठा। वह लोदी वंश का महानतम शासक था। 1504 ई. में **सिकंदर लोदी** ने राजस्थान के शासकों पर नियंत्रण के उद्देश्य से यमुना नदी के किनारे आगरा नामक नवीन नगर बसाया और इसे अपनी राजधानी बनाया। उसने कृषि और व्यापार की उन्नति के लिए प्रयत्न किया। नाप का पैमाना **'गज-ए-सिकंदरी'** उसी के समय में आरंभ किया गया। उसने निर्धनों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था की। उसके समय में योग्य व्यक्तियों की एक सूची बनाकर प्रत्येक छः माह पश्चात उसके सामने प्रस्तुत की जाती थी। वह शिक्षित और विद्वान था। उसके स्वयं के आदेश से एक आयुर्वेदिक ग्रंथ का फारसी में अनुवाद किया गया, जिसका नाम **'फरहंगे सिकंदरी'** रखा गया। उसके समय में गायन विद्या का एक श्रेष्ठ ग्रंथ **'लज्जत-ए-सिकंदरशाही'** की रचना हुई। सिकंदर लोदी शहनाई सुनने का बहुत शौकीन था। वह **गुलरुखी** उपनाम से कविताएं लिखता था।

26. विजयनगर साम्राज्य के संस्थापक कौन थे?

(a) देवराय प्रथम (b) कृष्णदेवराय
(c) हरिहर-बुक्का (d) वीर नरसिंहराय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(c)

विजयनगर साम्राज्य की स्थापना मुहम्मद-बिन-तुगलक के शासनकाल में वर्ष 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का नामक दो भाइयों द्वारा किया गया था। इस राज्य की राजधानी हम्पी थी, जो कि तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित थी।

27. विजयनगर के उस पहले शासक की पहचान करें, जिसने बहमनियों से गोवा को छीना?

(a) हरिहर I (b) हरिहर II
(c) बुक्का I (d) देवराय II

उत्तर–(b) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

1377 ई. में बुक्का की मृत्यु के बाद उसका पुत्र हरिहर द्वितीय (1377-1407 ई.) सिंहासन पर बैठा, उसने 'महाराजाधिराज' की उपाधि ग्रहण की। उसने कनारा, मैसूर, त्रिचनापल्ली, कांची आदि प्रदेशों को जीता और श्रीलंका के राजा से राजस्व वसूल किया। बहमनी राज्य से भी उसका संघर्ष हुआ। 1377 ई. में सुल्तान मुजाहिद ने उसके राज्य पर आक्रमण किया, किंतु सफल नहीं हुआ। हरिहर II की सबसे बड़ी सफलता पश्चिम में बहमनी राज्य से बेलगांव व गोवा छीनना था। वह शिव (विरुपाक्ष) का उपासक था।

28. विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध किस राजा के साथ लड़ा था?

(a) कुली कुतुबशाह (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) इस्माइल आदिल खान (d) गजपति

उत्तर–(a) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1995**

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध गोलकुंडा के सुल्तान कुली कुतुबशाह के साथ लड़ा था। गोलकुंडा में कुतुबशाही वंश की स्थापना कुली कुतुबशाह ने की थी। जब कृष्णदेव राय उड़ीसा के साथ युद्ध में व्यस्त था, तब कुतुबशाह ने विजयनगर की सीमा पर स्थित पांगल और गुन्टूर के दुर्ग पर आक्रमण किया तथा वारंगल, कोंडविदु आदि के किले जीत लिए। इसके पश्चात उसने विजयनगर पर आक्रमण करने का प्रयास किया। कृष्णदेव राय और कुतुबशाह के बीच संघर्ष हुआ। कुतुबशाही सेना पराजित हुई।

29. विजयनगर साम्राज्य के 'वित्तीय व्यवस्था' की मुख्य विशेषता क्या थी?

(a) अधिशेष लगान
(b) भू-राजस्व
(c) बन्दरगाहों से आमदनी
(d) मुद्रा प्रणाली

उत्तर–(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

विजयनगर राज्य को विभिन्न स्रोतों से आय प्राप्त होती थी, यथा- भू-राजस्व, संपत्ति कर, व्यापारिक कर, व्यावसायिक कर, उद्योगों पर लगाए जाने वाले कर, सामाजिक और सामुदायिक कर तथा अपराधों के लिए आरोपित अर्थदंड। भूमि का भली-भांति सर्वेक्षण किया जाता था और उपज का 1/6 भाग भूमि कर के रूप में वसूल किया जाता था। **'शिष्ट'** (भूमि कर) नामक कर राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था। केंद्रीय राजस्व विभाग को 'अठावने' (अस्थवन या अथवन) कहा जाता था।

30. विजयनगर साम्राज्य का अवशेष कहां मिलता है?

(a) बीजापुर (b) गोलकुंडा
(c) हम्पी (d) बड़ौदा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

हम्पी के खंडहर (वर्तमान कर्नाटक में अवस्थित) विजयनगर साम्राज्य की प्राचीन राजधानी का प्रतिनिधित्व करते हैं। विजयनगर काल में बना विरुपाक्ष मंदिर यहीं पर अवस्थित है। हम्पी यूनेस्को की विश्व विरासत स्थलों की सूची में भी सम्मिलित है।

31. 'दीवान-ए-अर्ज' विभाग संबंधित था -

(a) शाही पत्राचार से (b) विदेश विभाग से
(c) रक्षा विभाग से (d) वित्त विभाग से
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

'दीवान-ए-आरिज' अथवा 'आरिज-ए-मुमालिक' सल्तनत काल में सैन्य विभाग का प्रमुख अधिकारी होता था और 'आरिज-ए-मुमालिक' का विभाग ही 'दीवान-ए-अर्ज' कहलाता था। इस विभाग की स्थापना बलबन ने की थी।

32. शिवाजी की राजधानी कहां थी?

(a) रायगढ़ (b) सिंधु दुर्ग
(c) पूना (d) कोल्हापुर

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

1674 ई. में शिवाजी ने अपना राज्याभिषेक कराया तथा 'छत्रपति' की उपाधि धारण की एवं 'रायगढ़' को अपनी राजधानी बनाया। उस युग के महान विद्वान बनारस के पंडित विश्वेश्वर उर्फ 'गंगाभट्ट' ने उन्हें क्षत्रिय घोषित करते हुए उनका राज्याभिषेक कराया।

33. बहमनी राज्य का संस्थापक कौन था?

(a) अलाउद्दीन हसन (b) फिरोज शाह
(c) महमूद गांवा (d) आसफ खान
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

दक्कन के अमीरान-ए-सादाह के विद्रोह के परिणामस्वरूप मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल के अंतिम दिनों में बहमनी साम्राज्य की स्थापना हुई। जफर खां (हसन गंगू , 1347-1358 ई.) नामक एक सरदार ने 'अलाउद्दीन हसन बहमन शाह' की उपाधि धारण करके 1347 ई. में सिंहासनारूढ़ हुआ और बहमनी साम्राज्य की नींव डाली। उसने गुलबर्गा को अपने नव-संस्थापित साम्राज्य की राजधानी बनाया तथा उसका नाम 'अहसानाबाद' रखा। अपने साम्राज्य के शासन के लिए उसने इसे चार तरफों अथवा प्रांतों में विभाजित किया–गुलबर्गा, दौलताबाद, बरार और बीदर। प्रत्येक प्रांत एक शासक के अधीन था। गुलबर्गा का प्रांत सबसे महत्वपूर्ण था। इसमें बीजापुर भी सम्मिलित था। दक्षिण के हिंदू शासकों को उसने अपने अधीन किया तथा अपने अनुयायियों को पद और जागीर प्रदान करने की नई प्रथा प्रारंभ की। उसने हिंदुओं से जजिया न लेने का आदेश दिया था।

34. सरंजामी प्रथा किससे संबंधित थी?

(a) मराठा भू-राजस्व प्रथा (b) तालुकदारी प्रथा

(c) कुतुबशाही प्रशासन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

मराठा काल में 'सरंजामी प्रथा' भू-राजस्व प्रशासन से सम्बन्धित थी। इस काल में मराठा जागीरदारों को सरंजामी भूमि उनके निर्वहन के लिए प्रदान की जाती थी।

35. निम्नलिखित में कौन भूमि उत्पाद पर लगने वाले कर को इंगित करता है?

(i) खराज **(ii) खुम्स**

(iii) उश्र **(iv) मुक्ताई**

अपने उत्तर का चयन निम्नलिखित कूटों से करें–

(a) केवल i (b) ii एवं iii

(c) i, ii एवं iii (d) i, iii एवं iv

उत्तर–(d) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

खराज, उश्र और मुक्ताई भूमि उत्पाद पर लगने वाले कर को इंगित करता है, जबकि 'खुम्स' भूमि उत्पाद पर लगने वाला कर नहीं था, अपितु खुम्स लूट का धन था। खुम्स युद्ध में शत्रु-राज्य की जनता से लूट में प्राप्त होता था। इस लूट का 4/5 भाग सैनिकों में बांट दिया जाता था और शेष 1/5 भाग राजकोष में जमा होता था। किंतु अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद तुगलक ने 4/5 राजकोष में दिया और शेष 1/5 सैनिकों में बांटा। सिकंदर लोदी ने गड़े हुए खजाने से कोई हिस्सा नहीं लिया।

36. किस सुल्तान ने जमीन में फसल की नपाई का आधा राजस्व के रूप में दावा किया?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन

(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था, जिसने भू-राजस्व नीति में कुछ परिवर्तन किए थे। उसने उपज का 50 प्रतिशत भू-राजस्व के रूप में निश्चित किया, जिसे अनाज के रूप में लेने के लिए जोर दिया गया। इससे पूर्व बलबन और इल्तुतमिश ने भू-राजस्व उपज की एक-तिहाई दर से अधिक नहीं लिया था। मुहम्मद बिन तुगलक के काल में भी भूमिकर की दर अलाउद्दीन की भांति 50 प्रतिशत ही थी लेकिन जहां अलाउद्दीन ने राजस्व निर्धारण भूमि पैमाइश के आधार पर किया था, वहीं मुहम्मद बिन तुगलक ने बिना पैमाइस के अनुमान के आधार पर राजस्व निर्धारित किया था। यद्यपि इस प्रश्न में विकलप (c) और (d) दोनों सही हैं किन्तु बिहार लोक सेवा आयोग ने विकल्प (c) सही माना है।

37. शेख बहाउद्दीन जकारिया किस संप्रदाय के थे?

(a) सुहरावर्दी संप्रदाय (b) ऋषि संप्रदाय

(c) चिश्ती संप्रदाय (d) फिरदौसी संप्रदाय

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

भारतवर्ष में सुहरावर्दी संप्रदाय शेख बहाउद्दीन जकारिया (1182-1262 ई.) से प्रारंभ हुआ। सूफियों के इस संप्रदाय में शेख सद्रउद्दीन आरिफ, शेख रुक्नुद्दीन अबुल फतह और शेख जलालुद्दीन सुर्ख आदि हुए हैं। इस संप्रदाय के संत सुखमय जीवन पर बल देते थे। धन और संपत्ति को साधना में बाधक नहीं मानते थे।

38. इन शासकों में से किसने अपनी सैन्य टुकड़ियों को दो सौ, दो सौ पचास एवं पांच सौ की इकाइयों में विभाजित किया था?

(a) बहलोल लोदी (b) सिकंदर शाह

(c) शेरशाह (d) इस्लाम शाह

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर–(e) **64th B.P.S.C. (Pre) 2018**

इस्लाम शाह, शेरशाह का पुत्र था। इस्लाम शाह ने पूरे उत्तर भारत में लगभग 8 वर्षों तक शासन किया और उसकी मृत्य 1553 ई. में हुई। इस्लाम शाह ने ही अपनी सैन्य टुकड़ियों को पचास, दो सौ, दो सौ पचास और पांच सौ की इकाइयों में विभाजित किया था। संभवतः शेरशाह के समय में भी सैन्य विभाजन की यह प्रणाली प्रचलित थी। ज्ञातव्य है कि बिहार लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (e) माना है।

39. जवाबित का संबंध किससे था?

(a) राज्य कानून से

(b) मनसब प्रणाली को नियंत्रण करने वाले कानून से

(c) टकसाल से संबंधित कानून

(d) कृषि संबंधित कर

उत्तर–(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

जवाबित का संबंध राज्य के कानून से था।

40. सल्तनत काल के सिक्के–टंका, शशगनी एवं जीतल किन धातुओं के थे?

(a) चांदी, चांदी, तांबा (b) सोना, चांदी, तांबा

(c) चांदी, जस्ता, तांबा (d) सोना, जस्ता, तांबा

उत्तर–(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

सल्तनत काल में टंका-चांदी एवं जीतल तांबे का बना होता था, ये दोनों सिक्के इल्तुतमिश द्वारा प्रचलित किए गए। शशगनी भी चांदी का सिक्का था। टंका एवं जीतल का अनुपात 1 : 48 का था।

41. भारत में कागज का प्रयोग कब से प्रारंभ हुआ?

(a) 12वीं शताब्दी (b) 13वीं शताब्दी

(c) 14वीं शताब्दी (d) 15वीं शताब्दी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर–(a) **63rd B.P.S.C. (Pre) 2017**

विश्व में सर्वप्रथम कागज का आविष्कार चीन में हुआ था। भारत में कागज का प्रयोग 12वीं शताब्दी में प्रारंभ हुआ। आशुतोष संग्रहालय कलकत्ता में 1105 ई. का पेपर संरक्षित किया गया हैं, जिसका शीर्षक पंचरक्षा है। यह भारत में कागज का सबसे प्राचीन प्रमाण है।

42. 'तबकात-ए-नासिरी' का लेखक कौन था?

(a) शेख जमालुद्दीन (b) अलबरूनी
(c) मिनहाज-उस-सिराज (d) जियाउद्दीन बरनी

उत्तर–(c) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

'तबकात-ए-नासिरी' मिनहाज-उस-सिराज का ग्रंथ है, जो 'सुल्तान नासिरुद्दीन को समर्पित किया गया है। यह ग्रंथ 23 अध्यायों में है। रॉबर्टी ने इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया। इस पुस्तक में मुहम्मद गोरी की भारत विजय का प्रत्यक्ष वर्णन मिलता है। ज्ञातव्य है कि मिनहाज प्रथम इतिहासकार है, जिसने यह कहा था कि कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपने नाम की मुद्राएं प्रसारित कीं और खुतबा पढ़वाया।

43. सभी भक्ति संतों के मध्य एक समान विशेषता थी, कि उन्होंने–

(a) अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा, जिसे उनके भक्त समझते थे।
(b) पुरोहित वर्ग की सत्ता को नकारा।
(c) स्त्रियों को मंदिर जाने को प्रोत्साहित किया।
(d) मूर्तिपूजा को प्रोत्साहित किया।

उत्तर–(a) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

भक्ति आंदोलन के संतों का आचार बहुत ऊंचा था। उसमें से बहुतों ने देश का भ्रमण किया और वे कई प्रकार के लोगों से मिले जिनके विचार भिन्न थे। उन संतों ने साधारण लोगों की भाषाओं को उन्नत करने में अपना योगदान दिया। उन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगला, तेलूगु, कन्नड़, तमिल इत्यादि भाषाओं की उन्नति में बहुत योगदान दिया। भक्ति आंदोलन के संत अपने उपदेश क्षेत्रीय भाषाओं में करते थे, ताकि वहां के लोग उनके उपदेश आसानी से सुन और समझ सकें। इस कारण क्षेत्रीय भाषाओं का विकास हुआ।

44. निम्नलिखित में से किस सुल्तान से निजामुद्दीन औलिया ने भेंट करने से इंकार कर दिया था?

(a) जलालुद्दीन खिलजी (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) मुहम्मद बिन तुगलक

उत्तर–(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

शेख निजामुद्दीन औलिया ने सात सुल्तानों का राज्य देखा, जो कि एक के बाद एक सत्तासीन होते रहे, किंतु वे कभी भी किसी के दरबार में नहीं गए। सुल्तान जलालुद्दीन ने शेख से मिलने का बहुत प्रयास किया, यहां तक उसने शेख के प्रिय शिष्य अमीर खुसरो के माध्यम से भी प्रयत्न किया, किंतु जब शेख को ज्ञात हुआ कि सुल्तान आने वाला है, तो वे अजोधन चले गए। इस प्रकार औलिया न तो सुल्तान से मिले और न ही इंकार किया। दूसरी तरफ जब अलाउद्दीन ने उनसे मिलने की आज्ञा मांगी तो शेख ने उत्तर दिया कि **'मेरे मकान के दो दरवाजे हैं। यदि सुल्तान एक के द्वारा आयेगा, तो मैं दूसरे के द्वारा बाहर चला जाऊंगा।'** उन्होंने अलाउद्दीन से मिलने से इंकार कर दिया था। वे महबूब-ए-इलाही के नाम से प्रसिद्ध थे।

45. 'बारहमासा' की रचना किसने की थी?

(a) अमीर खुसरो (b) इसामी
(c) मलिक मोहम्मद जायसी (d) रसखान

उत्तर–(c) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

'बारहमासा' की रचना मलिक मोहम्मद जायसी ने की। जायसी की 'पद्मावत्', 'अखरावट' तथा 'आखिरी कलाम' में से 'पद्मावत' का हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है।

46. पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण क्या था?

(a) उसकी घुड़सवार सेना (b) उसकी सैन्य कुशलता
(c) तुलगमा प्रथा (d) अफगानों की आपसी फूट

उत्तर–(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

पानीपत की पहली लड़ाई 21 अप्रैल, 1526 ई. को बाबर एवं इब्राहिम लोदी के बीच हुई, जिसमें अपनी सैन्य कुशलता के बल पर बाबर ने विजय प्राप्त की। बाबर की सैन्य संख्या लोदी सेना से कम थी, फिर भी उसकी कुशल सैन्य-नीति के चलते विजयश्री ने उसका वरण किया। इब्राहिम लोदी स्वयं एक अनुभवशून्य व्यक्ति था। बाबर लिखता है कि ''वह अनुभवहीन व्यक्ति था, जो अपनी गतिविधियों में बड़ी असावधानी रखता था। वह बिना किसी व्यवस्था के आगे बढ़ता, रुकता तथा बिना किसी दूरदर्शिता के संघर्ष में लीन हो जाता था।''

47. 'तुजुक-ए-बाबरी' किस भाषा में लिखा गया था?

(a) फारसी (b) अरबी
(c) तुर्की (d) उर्दू

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

मुगल साम्राज्य की आधारशिला रखने वाले जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर ने अपने जीवन संबंधी घटनाओं को एक ग्रंथ में स्वयं ही लिखा। इसे 'तुजुक-ए-बाबरी' कहते हैं। यह किताब तुर्की भाषा में लिखी गई है। किंतु तुर्की मुगल दरबार की राजभाषा नहीं थी, अपितु यह सम्मान फारसी को प्राप्त था।

48. हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण कब किया?

(a) 1532 ई. (b) 1531 ई.
(c) 1533 ई. (d) 1536 ई.

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण 1532 ई. में किया। इस किले को उसने चार महीने तक घेरे रखा, जिसके बाद शेर खां ने हुमायूं की अधीनता स्वीकार कर ली। इसके अतिरिक्त 1531 ई. में उसने कालिंजर पर आक्रमण किया और 1532 ई. में रायसीन के महत्वपूर्ण किले को जीत लिया।

49. निम्नलिखित में से किसने अपने बादशाह पति के लिए मकबरे का निर्माण करवाया था?

(a) शाह बेगम ने (b) हाजी बेगम ने
(c) मुमताज महल बेगम ने (d) नूरुन्निसा बेगम ने

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

हाजी बेगम ने अपने पति हुमायूं के मकबरे का निर्माण दिल्ली (दीन पनाह) में 1564 ई. में करवाया था। इस मकबरे का नक्शा मीरक मिर्जा गियास (ईरानी वास्तुकार) ने तैयार किया था। श्वेत संगमरमर से बना यह भारत का प्रथम गुंबद वाला मकबरा है। इस मकबरे के परितः एक बाग की रचना हुई है।

50. 'हुमायूंनामा' की रचना किसने की थी?

(a) बाबर (b) हुमायूं
(c) गुलबदन बेगम (d) जहांगीर

उत्तर–(c) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

बाबर की शहजादी गुलबदन बेगम ने हुमायूंनामा की रचना की थी, जो फारसी भाषा में है। बादशाह अकबर ने 'अकबरनामा' के प्रणयन के लिए सामग्री एकत्र करने के उद्देश्य से यह आदेश दिया था कि बाबर तथा हुमायूं के राज्यकाल के विषय में जिसे कुछ भी स्मरण हो वह उसे लेखबद्ध करके उसकी सेवा में प्रस्तुत करें। अतः अनेक लोगों ने इतिहास लिखना प्रारंभ किया। गुलबदन के 'हुमायूंनामा' की रचना भी इसी आदेशानुसार हुई।

51. हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का तिथि अनुसार, सही क्रम अंकित करें, युद्ध-स्थलों के नाम नीचे अंकित हैं–

(a) चौसा, देवरा, कन्नौज, सरहिंद
(b) देवरा, कन्नौज, चौसा, सरहिंद
(c) सरहिंद, देवरा, चौसा, कन्नौज
(d) देवरा, चौसा, कन्नौज, सरहिंद

उत्तर–(d) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का क्रम इस प्रकार है— देवरा, चौसा, कन्नौज एवं सरहिंद। 1531 ई. में उसने गोमती के तट पर स्थित दौराह (देवरा) नामक स्थान पर अफगान विद्रोहियों को परास्त किया। 26 जून, 1539 ई. को चौसा के युद्ध में हुमायूं को शेरशाह से पराजित होना पड़ा, इसी युद्ध में निजाम नामक भिश्ती ने हुमायूं की जान बचाई थी। हुमायूं के विरुद्ध चौसा की इस विजय से शेर खां (शेरशाह) की शक्ति एवं प्रतिष्ठा दोनों में वृद्धि हुई। उसने शेरशाह की पदवी धारण कर अपने नाम का खुतबा पढ़वाया तथा सिक्के पर भी अंकित करवाया। 17 मई, 1540 को कन्नौज या बिलग्राम के युद्ध में भी हुमायूं को शेरशाह से पराजित होना पड़ा और विवश होकर एक निर्वासित की भांति इधर-उधर भटकना पड़ा। 22 जून, 1555 ई. को सरहिंद युद्ध की विजय ने हुमायूं को एक बार पुनः उसका खोया राज्य वापस दिला दिया।

52. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने पहले ''हजरते-आला'' (Hazrat-e-Ala) की उपाधि अपनाई और बाद में 'सुल्तान' की?

(a) बहलोल लोदी (b) सिकंदर लोदी
(c) शेरशाह सूरी (d) इस्लाम शाह सूरी

उत्तर–(c) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

1529 ई. में बंगाल के शासक नुसरत शाह को पराजित करके शेर खां (शेरशाह सूरी) ने **'हजरते-आला'** की उपाधि धारण की। 1539 ई. में चौसा के युद्ध में हुमायूं को पराजित करके उसने 'शेरशाह' की उपाधि धारण की तथा अपने नाम का खुतबा पढ़वाया और सिक्का चलवाया।

53. शेरशाह का मकबरा कहां स्थित है?

(a) सासाराम (b) मनेर
(c) सीतामढ़ी (d) पावापुरी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(a)

शेरशाह का मकबरा बिहार के रोहतास जिले में सासाराम नामक स्थान पर एक तालाब के बीच ऊंचे चबूतरे पर बना है। कालिंजर युद्ध (1545) के दौरान घायल हो जाने से शेरशाह की मृत्यु हुई।

54. हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के सेनापति कौन थे?

(a) अमर सिंह (b) मान सिंह
(c) हकीम खान (d) शक्ति सिंह

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

हल्दी घाटी का युद्ध 1576 ई. में महाराणा प्रताप और मुगल सेनापति मानसिंह एवं आसफ खां के मध्य लड़ा गया। राजपूत योद्धाओं के अलावा राणा की सेना के अग्रभाग का नेतृत्व अफगानों की एक टुकड़ी के साथ हकीम खां सूर कर रहा था। राणा की सेना में भीलों की भी एक छोटी-सी टुकड़ी शामिल थी। यह राणा की मुगलों के साथ आमने-सामने की आखिरी मुठभेड़ थी। आगे उसने छापामार युद्ध का सहारा लिया।

55. निम्नलिखित में से किस मुस्लिम शासक ने तीर्थयात्रा-कर समाप्त कर दिया था?

(a) बहलोल लोदी (b) शेरशाह
(c) हुमायूं (d) अकबर

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

मुगल शासन व्यवस्था को स्थापित करने का श्रेय अकबर को ही है। उसकी केंद्रीय शासन व्यवस्था तथा बादशाह के पद और अधिकारों एवं कर्तव्यों की व्याख्या, उसका प्रांतीय शासन, उसकी लगान व्यवस्था, उसकी मुद्रा व्यवस्था, उसकी मनसबदारी व्यवस्था आदि सभी को उसके समय में सफलता प्राप्त हुई और वह उसके उत्तराधिकारियों के लिए आधार-स्वरूप बनीं। अकबर प्रथम मुस्लिम शासक था, जिसने हिंदू और मुसलमानों को निकट लाने का प्रयास किया। अपनी उदार धार्मिक नीति के अंतर्गत उसने 1562 ई. में दास प्रथा, 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 ई. में जजिया कर को समाप्त कर दिया। अपने सामाजिक सुधार के अंतर्गत उसने बाल विवाह एवं सती प्रथा को रोकने का प्रयत्न किया। अत: अकबर की लोकप्रियता के कारणों में उपरोक्त चारों बिंदुओं को सम्मिलित किया जाता है।

56. अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में मिलाया—

(a) 1590 ई. (b) 1575 ई.
(c) 1576 ई. (d) 1572 ई.

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

1572 ई. में सुलेमान करारानी की मृत्यु के बाद उसका पुत्र दाऊद खां गद्दी पर बैठा। दाऊद खां ने अपने को स्वतंत्र घोषित कर पटना के मुगल किले पर आक्रमण किया। अकबर ने मुनीम खां को दाऊद पर आक्रमण करने तथा बिहार को जीतने का आदेश दिया। मुनीम खां ने दाऊद को एक युद्ध में पराजित किया तथा 1574 ई. में बिहार पर मुगलों का आधिपत्य हो गया। पराजित होने के बाद दाऊद बंगाल भाग गया। किंतु 12 मार्च, 1576 को टोडरमल, मुजफ्फर खां एवं हुसैन कुली खां ने मिलकर दाऊद को पूर्णत: पराजित किया। इस प्रकार 1576 ई. में बंगाल तथा बिहार को पूर्ण रूप से मुगल साम्राज्य में मिला लिया गया।

57. भारत में किसके शासनकाल में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन हुआ?

(a) औरंगजेब (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) हुमायूं
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(b)

दिसंबर, 1599 ई. में लंदन में कुछ व्यापारियों ने लॉर्ड मेयर की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन किया। इसमें पूर्वी द्वीपसमूह के साथ व्यापार की योजनाएं तैयार की गईं। इन व्यापारियों ने पूर्व के देशों के साथ व्यापार करने के आशय से 1599 ई. में एक कंपनी का गठन किया। इसका नाम गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेंट्स ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज' रखा गया। इसे 'जॉन कंपनी' के नाम भी जाना जाता था। इस दौरान भारत का बादशाह अकबर (1556-1605 ई.) था।

58. 'आइन-ए-अकबरी' किसके द्वारा लिखी गई थी?

(a) अब्दुल कादिर (b) अकबर
(c) ख्वाजा निजामुद्दीन (d) अबुल फजल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(d)

'आइन-ए-अकबरी' अकबर के नवरत्नों में से एक अबुल फजल द्वारा लिखी गई है। यह 'अकबर नामा' के तीन भागों में से तीसरा भाग है। इसमें अकबर कालीन शासन व्यवस्था का आधिकारिक वृत्तांत है।

59. एत्मादुद्दौला का मकबरा आगरा में किसने बनवाया था?

(a) अकबर (b) जहांगीर
(c) नूरजहां (d) शाहजहां

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

एत्मादुद्दौला का मकबरा नूरजहां ने 1622-28 ई. के मध्य में अपने पिता की मृत्यु के बाद बनवाया। यह आगरा में यमुना नदी के तट पर स्थित एक अत्यंत अलंकारिक इमारत है। यह चतुर्भुजाकार मकबरा बेदाग सफेद संगमरमर का बना ऐसा पहला मकबरा है, जिसमें बड़े पैमाने पर संगमरमर का प्रयोग किया गया है तथा अलंकरण के लिए इस्लामिक भवनों में पहली बार 'पित्रादुरा' (संगमरमर में सोने तथा कीमती पत्थरों की जड़ावट) शैली का प्रयोग किया गया।

60. पर्चिनकारी (पिट्रा ड्यूरा) निम्न में से किससे संबंधित है?

(a) दीवारों में अर्द्ध-कीमती पत्थर जड़कर फूलों की नक्काशी करना
(b) मीनारों में टेढ़ी दीवार बनाना
(c) संरचना में मेहराब का इस्तेमाल करना
(d) इमारतों में मार्बल का प्रयोग करना
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **66th BPSC (Pre) 2020**

पच्चीकारी/पर्चिनकारी (पिट्रा ड्यूरा) दीवारों में अर्द्ध-कीमती पत्थर जड़कर फूलों की नक्काशी करने से संबंधित है। ध्यातव्य है कि भारत में 'पिट्रा ड्यूरा' नाम का जड़ाऊ कार्य सर्वप्रथम एतमांद-उद्-दौला के मकबरे में किया गया था। इस मकबरे का निर्माण जहांगीर की पत्नी नूरजहां ने करवाया था।

61. मध्यकाल में बंटाई शब्द का अर्थ था—

(a) धार्मिक कर (b) लगान निर्धारण का तरीका
(c) धन कर (d) संपत्ति कर

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

मध्यकाल में बंटाई शब्द का तात्पर्य लगान निर्धारण की एक पद्धति थी, जिसमें वास्तविक उपज का बंटवारा राज्य और कृषक के बीच होता था। शेरशाह सूरी ने लगान निर्धारण के लिए तीन प्रणालियां अपनाई थीं–(1) नश्क या मुक्ताई अथवा कनकूत, (2) नकदी अथवा जब्ती तथा (3) गल्ला बख्शी या बंटाई। बंटाई तीन प्रकार की होती थी–(1) खेत बंटाई (2) लंक बटाई एवं (3) रास बंटाई।

62. किस मुगल शासक ने चित्रकारी के लिए कारखाने बनवाए?

(a) हुमायूं (b) अकबर

(c) जहांगीर (d) शाहजहां

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **66th BPSC (Pre) 2020**

हुमायूं ने चित्रकारी के लिए कारखाना (एन.सी.ई.आर.टी. के अनुसार, निगार खाना, जबकि अन्नू मनूजा की पुस्तक "A Critical Study of Mughal Painting During Akbar's Reign" के अनुसार, तस्वीर खाना) बनवाया था, जो उसकी पुस्तकालय से जुड़ा था। ज्ञातव्य है कि बिहार लोक सेवा आयोग ने अपने उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना है।

63. 'दास्तान-ए-अमीर हम्जा' का चित्रांकन किसके द्वारा किया गया?

(a) अब्दुस्समद (b) मंसूर

(c) मीर सैयद अली (d) अबुल हसन

उत्तर–(*) **47th B.P.S.C. (Pre) 2004-05**

अकबर ने अनेक ग्रंथों को चित्रित करवाया था। इसमें सर्वप्रथम दास्तान-ए-अमीर हम्जा है। यह हुमायूं के काल में चित्रित होना आरंभ हुआ और अकबर के शासनकाल में पूर्ण हुआ। बदायूंनी और शाह नवाज खां के अनुसार इसे तैयार करने में लगभग 15 वर्ष लगे थे और पहले सैयद अली तथा बाद में अबदुस्सद की देख-रेख में प्रायः पच्चास चित्रकारों ने इसे तैयार करने में हिस्सा लिया। इसमें करीब 1400 चित्र हैं। सभी चित्र 27" x 20" आकार वाले असामान्य रूप से लंबे-चौड़े फोलियो के एक तरफ चिपकाए हुए थे। यह ग्रंथ फारसी नायक अमीर हम्जा (मुहम्मद साहब के चाचा) के वीरतापूर्ण कारनामों का उल्लेख करता है।

64. यूरोपीय चित्रकारी (European paintings) का प्रवेश किसके दरबार में हुआ?

(a) हुमायूं (b) अकबर

(c) जहांगीर (d) शाहजहां

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

अकबर के दरबार में यूरोपीय चित्रकला का प्रवेश पुर्तगालियों के माध्यम से हुआ था, जिनसे मुगल चित्रकारों ने दो विशेषताएं ग्रहण की थीं -

1 - व्यक्ति विशेष का चित्रण

2 - दृश्य में आगे दिखने वाली वस्तुओं को छोटे आकार में बनाना। चित्रकला का विकास हुमायूं के शासनकाल में प्रारंभ हुआ। अकबर के शासनकाल में यूरोपीय चित्रकला का प्रभाव मुगल चित्रकला शैली पर पड़ा। अकबर के दरबार में मिस्किन एक यूरोपीय शैली का चित्रकार था। अकबर के समय दसवंत अग्रणी चित्रकार था। जहांगीर के शासनकाल को मुगल चित्रकला का स्वर्ण युग (स्वर्णकाल) कहा जाता है।

65. 'दसवंत और वसावन' प्रसिद्ध चित्रकार मुगल सम्राट के राजदरबारी थे -

(a) अकबर (b) जहांगीर

(c) शाहजहां (d) औरंगजेब

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

दसवंत और वसावन अकबर कालीन चित्रकार थे। दसवंत, जो एक कहार का बेटा था, के काम से अकबर इतना प्रभावित हुआ था कि उसने इसे 'अपने समय के अग्रणी चित्रकार' बनने में सहयोग दिया। किंतु बाद में यह महान चित्रकार मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गया और 1584 ई. में इसने आत्महत्या कर ली। अकबर कालीन चित्रकारों के नाम अबुल फजल ने अपनी पुस्तक 'आइने अकबरी' में गिनाए हैं- दसवंत, वसावन, केशव लाल, मुकुंद, मिस्किन, फारुख, कलम, माधव, जगन्नाथ, महेश, खेमकरण, तारा, सांवल और हरिवंश आदि।

66. मुगल चित्रकला किसके नेतृत्व में अपने शीर्ष बिंदु पर थी?

(a) जहांगीर (b) हुमायूं

(c) शाहजहां (d) अकबर

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर–(a) **65th B.P.S.C. (Pre) 2019**

मुगल चित्रकला जहांगीर के काल में अपने शिखर पर पहुंच गई थी। जहांगीर चित्रकला का बड़ा कुशल पारखी था। मुगल शैली में मनुष्यों का चित्र बनाते समय एक ही चित्र में विभिन्न चित्रकारों द्वारा मुख, शरीर तथा पैरों को चित्रित करने का रिवाज था। जहांगीर का दावा था कि वह किसी भी चित्र में विभिन्न चित्रकारों के अलग-अलग योगदान को पहचान सकता था। शिकार, युद्ध तथा राज दरबार के दृश्यों को चित्रित करने के अलावा जहांगीर के काल में मनुष्यों तथा जानवरों के चित्रों को बनाने की कला में विशेष प्रगति हुई। अबुल हसन ने जहांगीर के सिंहासनारोहण का एक चित्र बनाया था, जिसे जहांगीर की आत्मकथा 'तुजुक-ए-जहांगीरी' के मुख्य पृष्ठ पर लगा दिया गया। इस प्रकार जहांगीर के काल को 'मुगल चित्रकला का स्वर्णयुग' कहा जाता है।

67. जाब्ती प्रणाली किसकी उपज थी?

(a) गयासुद्दीन तुगलक (b) सिकंदर लोदी

(c) शेरशाह (d) अकबर

उत्तर–(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

अकबर के शासनकाल में भू-राजस्व वसूली के लिए जाब्ती प्रणाली का प्रचलन हुआ, जो भूमि सर्वेक्षण, भू-राजस्व निर्धारण के लिए दस्तूरूल अमल तथा जाब्ती खसरे की तैयारी पर आधारित थी। साम्राज्य के अधिकतर भू-भाग में यही प्रणाली प्रचलित थी।

68. यह कथन किसका है कि ''अकबर के शासन में इलाहाबाद में चालीस स्तंभयुक्त मंजिल के निर्माण में पांच हजार से बीस हजार लोगों ने चालीस साल तक काम किया था''?

(a) मनुची (b) टवर्नियर

(c) विलियम फिंच (d) अब्दुल हामिद लाहौरी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

विलियम फिंच के अनुसार, इलाहाबाद स्थित ''पैलेस ऑफ फोर्टी पिलर्स'' के निर्माण में 40 वर्ष लगे और इसके निर्माण हेतु पांच हजार से बीस हजार लोगों ने काम किया।

69. 'कश्मीर का अकबर' नाम से प्रसिद्ध सुल्तान था-

(a) सुल्तान शमसुद्दीन शाह (b) सुल्तान कुतुबुद्दीन
(c) सुल्तान सिकंदर (d) सुल्तान जैनुल आबिदीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

अकबर के समान धर्म सहिष्णु एवं सामाजिक कार्यों के लिए सुल्तान जैनुल आबिदीन को 'कश्मीर का अकबर' कहा जाता है। उसने संस्कृत के अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों का अनुवाद कराया तथा श्रीभट्ट और मंसूर बिन अहमद जैसे वैद्यों को संरक्षण प्रदान किया था।

70. 'दो-अस्पा एवं सिह-अस्पा' प्रथा किसने शुरू की थी?

(a) अकबर (b) जहांगीर
(c) शाहजहां (d) औरंगजेब

उत्तर–(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

दो-अस्पा एवं सिह-अस्पा प्रथा जहांगीर ने चलाई थी। इसके अंतर्गत बिना जात पद बढ़ाए ही मनसबदारों को अधिक सेना रखना पड़ता था।

(i) दो-अस्पा–इसमें मनसबदारों को अपने 'सवार' पद के दोगुने घोड़े रखने पड़ते थे।

(ii) सिह-अस्पा–इसमें मनसबदारों को अपने सवार पद के तीन गुने घोड़े रखने होते थे।

71. ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ क्या थी?

(a) काबुल (b) कंधार
(c) कुंदूज (d) गजनी

उत्तर–(b) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

कंधार राज्य ईरान के शाह और मुगलों के बीच संघर्ष की जड़ थी, क्योंकि कंधार को अपने हाथों में रखना मुगल शासक तथा ईरान के शाह के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया था। दोनों शासकों की साम्राज्यवादी योजनाओं को कार्यान्वित किया जाना बहुत कुछ कंधार को अपने हाथों में रखने पर ही निर्भर करता था।

72. दिल्ली के लाल किले का निर्माण करवाया था–

(a) अकबर (b) नूरजहां
(c) जहांगीर (d) शाहजहां

उत्तर–(d) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

अकबर के फतेहपुर सीकरी की 'भाँति शाहजहां' ने दिल्ली में अपने नाम पर 'शाहजहांनाबाद' नामक एक नगर की स्थापना 1638 ई. में की तथा वहां अनेक सुंदर एवं वैभवपूर्ण भवनों का निर्माण कर उसे सुसज्जित करने का प्रयास किया। शाहजहांनाबाद के भवनों में लाल किला सबसे प्रमुख है। चतुर्भुजाकार यह किला लाल बलुआ पत्थर से निर्मित होने के कारण लाल किला के नाम से प्रसिद्ध है। इसका निर्माण कार्य 1648 ई. में पूर्ण हुआ। इस किले के पश्चिमी-द्वार का नाम- **लाहौरी दरवाजा** एवं दक्षिणी द्वार का नाम **दिल्ली दरवाजा** है। यह सुंदरता तथा शोभा में अनोखा है तथा संभवतः विश्व में अतुल्य है।

73. निम्नलिखित में किस इतिहासकार ने शाहजहां के शासनकाल को मुगलकाल का 'स्वर्ण युग' कहा है?

(a) वी.ए. स्मिथ (b) जे.एन. सरकार
(c) ए.एल.श्रीवास्तव (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर–(c) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

डॉ.ए.एल. श्रीवास्तव ने अपनी पुस्तक **'मुगलकालीन भारत'** में लिखा है कि 'शाहजहां का शासनकाल' भारत के मध्ययुगीन इतिहास में स्वर्ण युग के नाम से प्रसिद्ध है। यह केवल कला और कला में भी वास्तुकला की दृष्टि से ही सत्य माना जा सकता है। जे. एन. सरकार और वी. ए. स्मिथ शाहजहां के काल को स्वर्णकाल मानने के पक्ष में नहीं हैं। एस. आर. शर्मा ने शाहजहां के काल को स्पष्ट रूप से मुगल काल का स्वर्णकाल माना है। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

74. औरंगजेब द्वारा चलाए 'जिहाद' का अर्थ है–

(a) दारूल-हर्ब (b) दारूल इस्लाम
(c) होली वॉर (d) जजिया

उत्तर–(b) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

औरंगजेब सर्वोपरि एक उत्साही सुन्नी मुसलमान था। उसकी धार्मिक नीति सांसारिक लाभ के किसी विचार से प्रभावित नहीं थी। उदार दारा के विरुद्ध सुन्नी कट्टरता के समर्थक के रूप में राजसिंहासन प्राप्त करने वाले की हैसियत से उसने कुरान के कानून को कठोरता से लागू करने का प्रयत्न किया। इस कानून के अनुसार, प्रत्येक धार्मिक मुसलमान को 'अल्लाह की राह में मिहनत करनी चाहिए', या दूसरे शब्दों में तब तक गैर-मुसलमानी देशों (दारूल-हर्ब) के विरुद्ध धर्म-युद्ध (जिहाद) करना चाहिए, जब तक कि वे इस्लाम के राज्य (दारूल-इस्लाम) के रूप में परिवर्तित नहीं हो जाते।

75. पटना में किस सिख गुरु का जन्म हुआ था?

(a) नानक (b) तेग बहादुर
(c) हरगोविंद (d) गोविंद सिंह

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

गुरु गोविंद सिंह सिखों के दसवें गुरु थे। इनका जन्म 1666 ई. में पटना, बिहार में हुआ था। जबकि मृत्यु 7 अक्टूबर, 1708 को नांदेड़, महाराष्ट्र में हुई थी।

76. मुगल प्रशासन में 'मुहतसिब' था–

(a) सेना अधिकारी
(b) विदेश विभाग का मुख्य
(c) लोक आचरण अधिकारी
(d) पत्र-व्यवहार विभाग का अधिकारी

उत्तर–(c) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

मुगल प्रशासन में मुहतसिब जन आचरण के निरीक्षण विभाग का प्रधान था। उसका कार्य प्रजा के आचरण को उच्च बनाए रखना था। प्रजा के आचरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए अकबर ने नगरों में मदिरा की बिक्री तथा वेश्याओं का निवास निषिद्ध घोषित कर दिया था। वेश्याओं को नगर से निष्कासित कर एक नए स्थान पर बसाया गया और उसका नाम 'शैतानपुरी' रखा गया।

77. मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माश' इंगित करता है—

(a) चुंगी कर (Toll Tax)
(b) विद्वानों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदत्त भूमि
(c) सैन्य अधिकारियों को दी जाने वाली पेंशन
(d) बुवाई कर (Cultivation Tax)

उत्तर–(b) **46th B.P.S.C. (Pre) 2003-04**

मुगल प्रशासन में विद्वानों एवं धार्मिक लोगों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदान भूमि को 'मदद-ए-माश' कहा जाता था। इसे 'सयूर-गाल, भी कहा जाता था। दान दी जाने वाली समस्त भूमि का निरीक्षण सद्र करता था तथा सद्र का यह भी दायित्व था कि इन अनुदानों का दुरुपयोग न होने पाए। यह भूमि स्थानांतरित नहीं होती थी और अनुदान ग्राही के पास वंशानुगत रूप से रहती थी।

78. मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल सम्राट कौन था?

(a) शाह आलम प्रथम
(b) मुहम्मदशाह
(c) बहादुर शाह
(d) जहांदारशाह

उत्तर–(b) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

शाहजहां द्वारा बनवाए गए प्रसिद्ध मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक मुहम्मद शाह था, क्योंकि इसके काल में नादिरशाह ने 1739 ई. में भारत पर आक्रमण किया और करनाल युद्ध में मुगल सेना को पराजित किया था। समकालीन लेखक आनंद राम मुखलिस के अनुसार, 'नादिरशाह अपने साथ साठ हजार रुपये, कई हजार अशर्फियां, एक करोड़ रुपये का सोना, पचास करोड़ के जवाहरात, कोहिनूर तथा तख्तेताउस (मयूर सिंहासन) भी ईरान ले गया।

79. निम्नलिखित में से किस मुगल बादशाह को वजीर गाजीउद्दीन ने दिल्ली में दाखिल नहीं होने दिया था?

(a) आलमगीर द्वितीय (b) शाह आलम द्वितीय
(c) अकबर द्वितीय (d) बहादुर शाह द्वितीय

उत्तर–(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

शाह आलम II का कार्यकाल 1759 से 1806 ई. तक था। उसका वास्तविक नाम **अली गौहर** था। अपने पिता आलमगीर द्वितीय की मृत्यु के समय वह बिहार में था। यद्यपि उसे मुगल बादशाह घोषित कर दिया गया, किंतु मुगल दरबार की गुटबाजी के चलते वह बिहार में रहा और दिल्ली का सिंहासन 1760 ई. से 1771 ई. तक खाली पड़ा रहा। 1772 ई. में मराठों की सहायता से ही वह दिल्ली पहुंच सका। शाह आलम द्वितीय के समय में ही दिल्ली पर अंग्रेजों का अधिकार (1803 ई.) हो गया।

आधुनिक भारत का इतिहास

1. पुर्तगाली उपनिवेश का प्रथम वायसराय भारत में कौन हुआ?

(a) डियाज (b) वास्को-डि-गामा
(c) अल्मीडा (d) अल्बुकर्क

उत्तर—(c) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय के रूप में 'फ्रांसिस्को-डी-अल्मीडा' (1505-1509) का आगमन हुआ। वह 1505 ई. में भारत पहुंचा। 1509 ई. में अल्मीडा ने टर्की, गुजरात तथा मिस्र की संयुक्त सेना को पराजित कर दीव पर अधिकार कर लिया। दीव पर कब्जा के बाद पुर्तगाली हिंद महासागर में सबसे अधिक शक्तिशाली हो गए। उसने अंजदीव में किला बनवाया और पुर्तगालियों के हित में कोचीन की राजगद्दी के उत्तराधिकार की समस्या का समाधान किया।

2. बंगाल की खाड़ी में समुद्री डकैती हेतु हुगली का उपयोग कौन करता था?

(a) डच (b) फ्रांसीसी
(c) पुर्तगाली (d) अंग्रेज
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(c)

पुर्तगालियों द्वारा हुगली को बंगाल की खाड़ी में समुद्री लूटपाट के लिए अड्डे के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

3. निम्नलिखित अंग्रेजों में किसे जहांगीर ने 'खान' की उपाधि से सम्मानित किया था?

(a) हॉकिंस (b) सर टॉमस रो
(c) एडवर्ड टेरी (d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर—(a) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

हॉकिंस ईस्ट इंडिया कंपनी का एक कर्मचारी तथा व्यापारी था। वह बादशाह जहांगीर के नाम इंग्लैंड के राजा 'जेम्स प्रथम' का पत्र लेकर 1608 ई. में सूरत पहुंचा । अप्रैल, 1608 में वह आगरा में मुगल सम्राट जहांगीर से भेंट की । जहांगीर ने हॉकिंस को 400 का मनसब तथा फिरंगी खां अथवा इंग्लिश खान की उपाधि दी।

4. भारत में 1612 ई. में अंग्रेजों ने अपनी पहली फैक्ट्री कहां स्थापित की थी?

(a) गोवा (b) बंगाल में हुगली
(c) आरकोट (d) सूरत

उत्तर—(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

कैप्टन विलियम हॉकिंस सूरत से मुगल दरबार (1608 ई.) पहुंचा, किंतु सूरत में फैक्ट्री की स्थापना की अनुमति पाने में सफल नहीं हो सका। 1611 ई. में पुर्तगालियों के विरोध के बावजूद कैप्टन मिडल्टन सूरत के समीप स्वाल्ली पहुंचा और मुगल गवर्नर से वहां व्यापार करने की अनुमति पाने में सफल हो गया। कैप्टन बेस्ट द्वारा सूरत के बंदरगाह की विजय ने पुर्तगाली एकाधिकार की निरंतरता को भंग किया। इसके बाद जहांगीर के शाही फरमान से अंग्रेजों ने सूरत में स्थायी रूप से एक फैक्ट्री स्थापित की। यहां से अंग्रेजों ने अपने व्यापार को देश के दूसरे भागों में फैलाया तथा शीघ्र ही अहमदाबाद, बुरहानपुर, अजमेर तथा आगरा में सहयोगी फैक्टरियां स्थापित की।

5. किस मुगल शासक के समय में सर थॉमस रो भारत आया था?

(a) बाबर (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) शाहजहां
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(c)

सर थॉमस रो ब्रिटेन के राजा जेम्स प्रथम के दूत के रूप में सितंबर, 1615 ई. में सूरत पहुंचा तथा जनवरी, 1616 में वह अजमेर में मुगल शासक जहांगीर के दरबार में उपस्थित हुआ।

6. डच ईस्ट इंडिया कंपनी ने किस वर्ष अपनी फैक्टरी पटना में स्थापित की?

(a) 1601 (b) 1632
(c) 1774 (d) 1651
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(b)

पटना ड्रिस्ट्रिक गजेटियर, इतिहास की किसी मानक पुस्तक या अन्यत्र 1632 ई. में पटना में डच फैक्टरी की स्थापना का कोई प्रमाण हमें नहीं प्राप्त हो सका है, किन्तु बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा निरंतर यह प्रश्न पूछा जाता है और इसका उत्तर 1632 ई. मानता है। कुछ अप्रमाणित स्रोत में यह प्राप्त होता है कि सर्वप्रथम डचों ने पटना कॉलेज की उत्तरी इमारत में 1632 ई. में डच फैक्टरी की स्थापना की। इनकी रुचि सूती वस्त्र, चीनी, शोरा, अफीम आदि से संबंधित व्यापार में थी।

7. निम्नलिखित में से प्रथम कर्नाटक युद्ध का कौन-सा तात्कालिक कारण था?

(a) अंग्रेज और फ्रांसीसियों के बीच प्रतिद्वन्द्विता
(b) ऑस्ट्रिया की राजगद्दी की जंग
(c) कर्नाटक की राजगद्दी का मसला
(d) अंग्रेजों द्वारा फ्रांसीसी जहाजों का अधिग्रहण

उत्तर—(d) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

कर्नाटक का प्रथम युद्ध (1746-48) ऑस्ट्रिया के उत्तराधिकार युद्ध, जो 1740 ई. में आरंभ हुआ था, का विस्तार मात्र था। गृह सरकारों की आज्ञा के विरुद्ध ही दोनों दलों (अंग्रेज व फ्रांसीसी) में 1746 ई. में युद्ध प्रारंभ हो गया। अंग्रेज कैप्टन बर्नेट के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना द्वारा कुछ फ्रांसीसी जहाजों पर अधिकार कर लेना युद्ध का तात्कालिक कारण था। प्रथम कर्नाटक युद्ध के समय ही कर्नाटक के नवाब अनवरुद्दीन ने महफूज खां के नेतृत्व में 10,000 भारतीय सेना को फ्रांसीसियों पर आक्रमण करने के लिए भेजा। कैप्टन पैराडाइज के नेतृत्व में फ्रांसीसी सेना ने अद्यार नदी पर स्थित सेंटथोमे नामक स्थान पर नवाब को पराजित किया। यूरोप में युद्ध बंद होते ही कर्नाटक का प्रथम युद्ध समाप्त हो गया। एक्स-ला-शौपल की संधि (1748) से ऑस्ट्रिया के उत्तराधिकार का युद्ध समाप्त हो गया तथा मद्रास अंग्रेजों को पुनः प्राप्त हो गया। कर्नाटक का प्रथम युद्ध सेन्ट थोमे के युद्ध के लिए स्मरणीय है।

8. 1760 का प्रसिद्ध वांडीवाश का युद्ध अंग्रेजों द्वारा किसके खिलाफ लड़ा गया?

(a) फ्रांसीसी (b) स्पेन
(c) मैसूर (d) कर्नाटक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **66th BPSC (Pre) 2020**

18वीं शताब्दी में भारत में लड़े गए प्रश्नगत युद्धों का सही कालानुक्रम इस प्रकार है–

अम्बर युद्ध (अगस्त, 1749)– मुजफ्फरजंग, चंदा साहब तथा फ्रांसीसियों की संयुक्त सेनाओं ने वेल्लूर के समीप अम्बर (या अम्बूर) नामक स्थान पर कर्नाटक के नवाब अनवरुद्दीन को पराजित कर उसकी हत्या कर दी। मुजफ्फरजंग दक्कन का सूबेदार बन गया। इस उपलक्ष्य में उसने अपने हितकारी डूप्ले को कृष्णा नदी के दक्षिणी भाग के मुगल प्रदेशों का गवर्नर नियुक्त कर दिया तथा उत्तरी सरकार के कुछ जिले भी फ्रांसीसियों को दे दिए। इसके अतिरिक्त मुजफ्फरजंग की प्रार्थना पर एक फ्रेंच सेना की टुकड़ी बुस्सी के नेतृत्व में हैदराबाद में तैनात कर दी गई।

प्लासी युद्ध (जून, 1757)– अंग्रेजों तथा बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के मध्य। युद्ध के परिणामस्वरूप अंग्रेजों का पूरे बंगाल पर नियंत्रण

हो गया। क्लाइव ने मीर जाफर को बंगाल का नवाब बनाया। नवाब बनने के बाद मीरजाफर ने अंग्रेजों को उनकी सेवाओं के लिए 24 परगनों की जमींदारी से पुरस्कृत किया और क्लाइव को 2,34,000 पाउंड की निजी भेंट दी।

वांडीवाश युद्ध (जनवरी, 1760)– अंग्रेजों तथा फ्रांसीसियों के मध्य। युद्ध में फ्रांसीसी पराजित हुए। अंग्रेजी सेना का नेतृत्व सर आयरकूट ने, जबकि फ्रांसीसी सेना का नेतृत्व काउंट डी लाली ने किया था।

बक्सर युद्ध (अक्टूबर, 1764)– मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला एवं मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय की संयुक्त सेना तथा अंग्रेजों के मध्य। युद्ध में अंग्रेज विजयी रहे। इस युद्ध में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व हेक्टर मुनरो ने किया था। बक्सर के युद्ध ने प्लासी के निर्णयों पर मुहर लगा दी।

9. निम्नलिखित में किस अंग्रेज अधिकारी ने पुर्तगालियों को स्वाल्ली (Sowlley) के स्थान पर हराया था?

(a) विलियम हॉकिंस (b) थॉमस बेस्ट
(c) थॉमस रो (d) जोशिया चाइल्ड

उत्तर—(b) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

1611 ई. में पुर्तगालियों के विरोध के बावजूद कैप्टन मिडल्टन सूरत के समीप स्वाल्ली (Sowlley) पहुंचा और मुगल गवर्नर से यहां व्यापार करने की अनुमति लेने में सफल हो गया। कैप्टन बेस्ट द्वारा सूरत के बंदरगाह की विजय ने पुर्तगाली एकाधिकार की निरंतरता को भंग किया तथा सूरत में स्थायी रूप से एक फैक्ट्री स्थापित की। यहां से अंग्रेजों ने अपने व्यापार को देश के दूसरे भागों में फैलाया और शीघ्र ही अहमदाबाद, बुरहानपुर, अजमेर तथा आगरा में सहयोगी फैक्ट्रियां स्थापित की।

10. उस क्षेत्र की पहचान करें जहां से यूरोप वासियों को सर्वोत्तम शोरा और अफीम प्राप्त होता था—

(a) बिहार (b) गुजरात
(c) बंगाल (d) मद्रास

उत्तर—(a) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

यूरोप वासियों को सर्वोत्तम शोरा और अफीम बिहार से प्राप्त होता था।

11. अंग्रेजी शासनकाल में भारत का कौन-सा क्षेत्र अफीम उत्पादन हेतु प्रसिद्ध था?

(a) बिहार (b) दक्षिणी भारत
(c) गुजरात (d) असम

उत्तर—(a) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. इलाहाबाद की संधि के बाद रॉबर्ट क्लाइव ने मुर्शिदाबाद का उपदीवान किसे बनाया था?

(a) मुहम्मद रजा खान (b) शिताब राय
(c) राय दुर्लभ (d) सैय्यद गुलाम हुसैन

उत्तर—(a) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

इलाहाबाद की दूसरी संधि (अगस्त, 1765) के अनुसार, भगोड़े सम्राट शाह आलम को अंग्रेजी संरक्षण में ले लिया गया तथा उसे इलाहाबाद में रखा गया। शाहआलम ने अपने 12 अगस्त के फरमान द्वारा कंपनी को बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी स्थायी रूप से दे दी, जिसके बदले कंपनी सम्राट को 26 लाख रुपया देगी तथा निजामत के व्यय के लिए 53 लाख रुपया देगी। इस समय कंपनी सीधे कर संग्रह करने का भार न तो लेना चाहती थी और न ही उसके पास ऐसी क्षमता थी। कंपनी ने दीवानी कार्य के लिए दो उपदीवान, मुर्शिदाबाद (बंगाल) के लिए मुहम्मद रजा खान तथा बिहार के लिए राजा शिताब राय की नियुक्ति की। मुहम्मद रजा खान, उपनाजिम के रूप में भी कार्य करते थे। इस प्रकार समस्त दीवानी तथा निजामत का कार्य भारतीयों द्वारा ही चलता था, यद्यपि उत्तरदायित्व कंपनी का था।

13. सम्राट शाहआलम द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्रदान की—

(a) 12 अगस्त, 1765 (b) 18 अगस्त, 1765
(c) 29 अगस्त, 1765 (d) 21 अगस्त, 1765

उत्तर—(a) **48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008**

इलाहाबाद की दूसरी संधि (अगस्त, 1765) के अनुसार, शाहआलम को अंग्रेजी संरक्षण में ले लिया गया तथा उसे इलाहाबाद में रखा गया। इलाहाबाद तथा कड़ा के जो क्षेत्र नवाब ने छोड़ दिए थे, शाहआलम को मिले। 12 अगस्त, 1765 के अपने फरमान द्वारा मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय ने कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी स्थायी रूप से दे दी, जिसके बदले कंपनी द्वारा सम्राट को 26 लाख रुपये दिया जाना था तथा निजामत व्यय के लिए कंपनी को 53 लाख रुपये देना था। इस समय रॉबर्ट क्लाइव ईस्ट इंडिया कंपनी का बंगाल का गवर्नर था। शाहआलम द्वितीय का संपूर्ण जीवन आपदाओं से ग्रस्त रहा। उसे 1788 ई. में अंधा कर दिया गया। शाहआलम द्वितीय के समय में 1803 ई. में दिल्ली पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया। शाहआलम द्वितीय तथा उसके दो उत्तराधिकारी अकबर द्वितीय (1806-37 ई.) और बहादुरशाह द्वितीय (1837-57 ई.) ईस्ट इंडिया कंपनी के पेंशनभोगी मात्र बनकर रहे।

14. मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर के बारे में कहा जाता था कि उसके साम्राज्य की सीमा थी-

(a) चांदनी चौक से पालम
(b) दिल्ली से बिहार
(c) पेशावर से बिहार
(d) पेशावर से वाराणसी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(*)

बहादुरशाह जफर के बारे में नहीं बल्कि मुगल शासक शाह आलम द्वितीय के बारे में फारसी भाषा में यह कहावत प्रसिद्ध थी कि सल्तनत-ए-शाह आलम, अज दिल्ली ता पालम। अर्थात शाह आलम के काल में मुगल साम्राज्य सिकुड़ते-सिमटते दिल्ली के लाल किले से पालम गांव तक रह गया था। बिहार लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न को निरस्त कर दिया है।

15. रणजीत सिंह ने सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा प्राप्त किया था–

(a) शाहशुजा से (b) जमां शाह से
(c) दोस्त मोहम्मद से (d) शेर अली से

उत्तर—(a) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

पंजाब अहमदशाह अब्दाली के साम्राज्य का भाग था, परंतु 1773 ई. में उसकी मृत्यु के पश्चात् मुल्तान, कश्मीर इत्यादि कुछ छोटे-छोटे भागों को छोड़कर शेष पर सिख मिसलों का अधिकार हो गया। उधर अफगानों के आंतरिक झगड़ों के कारण रणजीत सिंह को अपनी स्थिति दृढ़ करने का अवसर मिल गया। 1800 ई. में अहमदशाह अब्दाली का पौत्र शाहशुजा काबुल की गद्दी पर बैठा, परंतु उसके भाई शाह महमूद ने शक्तिशाली बरकजई सरदारों—फतह खां और दोस्त मुहम्मद की सहायता से उसे 1809 ई. में विस्थापित कर दिया तथा स्वयं कश्मीर और पेशावर पर अधिकार कर लिया। इसी अवसर पर शाहशुजा ने काबुल का राज्य प्राप्त करने के लिए रणजीत सिंह से सहायता मांगी और उन्हें कोह-ए-नूर (कोहिनूर) हीरा भेंट किया।

16. टीपू सुल्तान ने अपनी राजधानी बनाई—

(a) श्रीरंगपट्टनम में (b) मैसूर में
(c) बंग्लौर में (d) कोयम्बटूर में

उत्तर—(a) **38th B.P.S.C. (Pre) 1992-93**

टीपू सुल्तान ने श्रीरंगपट्टनम को अपनी राजधानी बनाया एवं यहां जैकोबिन क्लब की स्थापना की और उसका सदस्य बना, साथ ही उसने अपनी राजधानी में फ्रांस और मैसूर के मैत्री का प्रतीक स्वतंत्रता का वृक्ष रोपा। टीपू सुल्तान ने अपने समकालीन विदेशी राज्यों से मैत्री संबंध बनाने तथा अंग्रेजों के विरुद्ध उनकी सहायता प्राप्त करने के लिए अरब, कुस्तुनतुनिया/आधुनिक इस्तांबुल, काबुल और मॉरीशस में अपने दूतमंडल भेजे।

17. अंग्रेजों ने श्रीरंगपट्टनम की संधि किसके साथ की थी?

(a) हैदर अली (b) डूप्ले
(c) टीपू सुल्तान (d) नन्दराज

उत्तर—(c) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1790-92) का अवसान श्रीरंगपट्टनम की संधि (मार्च, 1792) द्वारा हुआ। इस संधि में अंग्रेजों की ओर से कार्नवालिस तथा मैसूर से टीपू सुल्तान शामिल थे। इसके अनुसार, टीपू को अपने देश का लगभग 1/2 भाग अंग्रेजों तथा उनके साथियों को देना पड़ा। साथ ही युद्ध के हर्जाने के रूप में टीपू को तीन करोड़ रुपये अंग्रेजों को देना था। श्रीरंगपट्टनम की संधि में यह शामिल था कि जब तक टीपू तीन करोड़ रुपये नहीं देंगे, तब तक उसके दो पुत्र अंग्रेजों के कब्जे में रहेंगे। कार्नवालिस ने इसी संधि के बाद यह टिप्पणी की थी—'हमने अपने शत्रु को प्रभावशाली ढंग से पंगु बना दिया है तथा साथियों को भी शक्तिशाली नहीं बनने दिया।'

18. ठगों का उन्मूलन किसके नेतृत्व में हुआ था?

(a) लॉर्ड क्लाइव (b) कैप्टन स्लीमैन
(c) लॉर्ड मिंटो (d) अलेक्जेंडर बर्न्स
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(b)

ठगों में हिंदू और मुसलमान दोनों धर्मों के अनुयायी सम्मिलित थे। परंतु वास्तव में ये लोग काली, दुर्गा अथवा भवानी की पूजा करते थे तथा प्राय: अपने शिकार का सिर काट कर देवी के चरणों में बलि के रूप में चढ़ाते थे। उन्हें विश्वास था कि उनका यह धंधा विधि का विधान है तथा उनके शरीर की मृत्यु उनके भाग्य में उसी प्रकार लिखी होती थी। सती प्रथा के प्रश्न पर तो कुछ मतभेद था, किंतु ठगी के विषय में समस्त जनता ने सरकार का समर्थन किया। लॉर्ड विलियम बेंटिक ने कैप्टन स्लीमैन को ठगों के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए नियुक्त किया। उसने लगभग 1500 ठगों को बंदी बना लिया। अनेक ठगों को फांसी दी गई। शेष को आजीवन निर्वासित कर दिया गया। 1837 ई. के पश्चात संगठित रूप से ठगों का अंत हो गया।

19. बंगाल में द्विशासन प्रणाली किसके द्वारा लागू की गई?

(a) वॉरेन हेस्टिंग्स (c) विलियम बेंटिक
(c) रॉबर्ट क्लाइव (d) लॉर्ड कर्जन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **66th BPSC (Pre) 2020**

द्वैध शासन की शुरुआत बंगाल में क्लाइव के समय में 1765 ई. में हुई थी। वॉरेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल में 1772 ई. में 'कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स' ने दोहरी शासन प्रणाली को समाप्त करने का निर्णय लिया तथा कलकत्ता परिषद एवं उसके प्रधान को आज्ञा दी कि वे स्वयं दीवान बनें और बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा के प्रबंध को अपने हाथ में ले लें। वॉरेन हेस्टिंग्स ने दोनों उप-दीवानों मुहम्मद रजा खां और राजा शिताब राय को पदच्युत कर दिया।

20. द्वैध शासन का जनक किसे माना जाता है?

(a) लॉर्ड क्लाइव (b) हेक्टर मुनरो
(c) लॉर्ड मैकाले (d) सर लियोनिल कर्टिस
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/ उपरोक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(d)

सर लियोनिल कर्टिस को द्वैध शासन का जनक माना जाता है। इसमें दीवानी और विजारत (कानून व्यवस्था) की जिम्मेदारी अलग कर दी गई थी।

21. भारत में प्रथम रेलवे लाइन किस ब्रिटिश गवर्नर के समय बिछाई गई थी?

(a) लॉर्ड डलहौजी (b) लॉर्ड कर्जन
(c) लॉर्ड वेलेजली (d) लॉर्ड लिटन

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

भारत में रेल निर्माण की दिशा में प्रथम प्रयास ब्रिटिश गवर्नर लॉर्ड डलहौजी द्वारा किया गया। प्रथम रेलवे लाइन 1853 ई. में बंबई से थाणे के बीच डलहौजी के समय बिछाई गई थी। दूसरी रेलवे लाइन 1854 ई. में कलकत्ता से रानीगंज के बीच बिछाई गई।

22. मुंगेर का बरहियाताल विरोध का उद्देश्य क्या था?

(a) बकाश्त भूमि की वापसी की मांग
(b) मुस्लिम किसानों का शोषण बंद हो
(c) जमींदारी प्रथा की समाप्ति
(d) वर्ग युद्ध की शुरुआत करना

उत्तर—(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

मुंगेर के बरहियाताल विरोध का उद्देश्य बकाश्त भूमि की वापसी की मांग था। यह आंदोलन वर्ष 1936-38 में कार्यानंद शर्मा के नेतृत्व में चलाया गया था।

23. 1857 में भारत का गवर्नर-जनरल कौन था?

(a) वेलेजली (b) डलहौजी
(c) कैनिंग (d) मिंटो

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(c)

1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग (1856-62 ई.) था। लॉर्ड कैनिंग भारत में कंपनी द्वारा नियुक्त अंतिम गवर्नर जनरल तथा ब्रिटिश सम्राट के अधीन नियुक्त भारत का पहला वायसराय था।

24. अंग्रेजी भारतीय सेना में चर्बी वाले कारतूसों से चलने वाली ऐनफील्ड राइफल कब शामिल की गई?

(a) नवंबर, 1856 (b) दिसंबर, 1856
(c) जनवरी, 1857 (d) फरवरी, 1857

उत्तर—(b) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

दिसंबर, 1856 में सरकार ने पुराने लोहे वाली बंदूक ब्राउन बेस (Brown Bess) के स्थान पर नवीन ऐनफील्ड राइफल (New Enfield Rifle) के प्रयोग का निश्चय किया। इन राइफलों में दमदम, अंबाला और स्यालकोट में बने चर्बीयुक्त कारतूसों का प्रयोग किया जाना था, जिसमें गाय और सूअर की चर्बी लगी होती थी। इस नई राइफल में कारतूस के ऊपर भाग को मुंह से काटना पड़ता था। जनवरी, 1857 में बंगाल सेवा में यह अफवाह फैल गई कि चर्बी वाले कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी है। सैनिक अधिकारियों ने इस अफवाह की जांच किए बिना तुरंत इसका खंडन कर दिया। किंतु सैनिकों को विश्वास हो गया कि चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग उनके धर्म को भ्रष्ट करने का एक निश्चित प्रयत्न है और यही कारतूस 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण बना।

25. 1857 के विद्रोह का नेतृत्व बिहार में किसने किया?

(a) खान बहादुर खान (b) कुंवर सिंह
(c) तात्या टोपे (d) रानी राम कुआंरी

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997
48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

1857 में जगदीशपुर में विद्रोह की अगुवाई करने वाले कुंवर सिंह बिहार के आरा जिले से संबंधित थे। जब उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का झंडा बुलंद किया। प्रकृति ने उन्हें अदम्य शौर्य, वीरता और सेनानायक के आदर्श गुणों से मंडित किया था, इसी कारण उन्हें सही रूप में विद्रोह के दौरान **'बिहार का सिंह'** माना जाता है। उन्होंने शाहाबाद जिले में अंग्रेजों की सत्ता का तख्तापलट दिया और अपनी सरकार स्थापित की। वह कानपुर पर संयुक्त आक्रमण के लिए नाना साहब की मदद हेतु काल्पी की ओर आगे बढ़े। वह विद्रोह की मशाल को रोहतास, मिर्जापुर, रीवा, बांदा और लखनऊ तक ले गए, जहां उनका अत्यंत सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। अपनी अंतिम सफलता के रूप में उन्होंने अपने गृहनगर जगदीशपुर के निकट अंग्रेजों को बुरी तरह पराजित किया। इसी युद्ध के दौरान कुंवर सिंह बुरी तरह घायल हो गए और 26 अप्रैल, 1858 को उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद उनके भाई अमर सिंह ने दिसंबर, 1858 तक अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष जारी रखा।

26. बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?

(a) बाबू अमर सिंह (b) हरे कृष्ण सिंह
(c) कुंवर सिंह (d) राजा शहजादा सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर—(c) **63th B.P.S.C. (Pre) 2017**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. जगदीशपुर के किस व्यक्ति ने 1857 के विप्लव में क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया?

(a) कुंवर सिंह (b) चंद्रशेखर
(c) तीरत सिंह (d) राम सिंह

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. कुंवर सिंह राजा थे-

(a) हमीरपुर के (b) धीरपुर के

(c) जगदीशपुर के (d) रामपुर के

53rd to 55th B.P.S.C. 2011

उत्तर—(c)

बिहार के शाहाबाद जिले के जगदीशपुर ग्राम में 1782 में जन्में कुंवर सिंह ने जगदीशपुर की जमींदारी संभाली थी। जगदीशपुर से उन्होंने ही 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया था। 26 अप्रैल, 1858 को इनकी मृत्यु हो गई। 1857 के विद्रोह के समय इनके अदम्य साहस, वीरता और कुशल सेनानायकत्व के कारण इन्हें 'बिहार का सिंह' कहा गया।

29. ई.स.1857 के विद्रोह के एक नेता कुंवर सिंह किस स्थान से संबंधित थे?

(a) ग्वालियर (b) जगदीशपुर

(c) झांसी (d) मेरठ

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. कुंवर सिंह अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह में किस जगह शामिल हुए?

(a) आरा (b) पटना

(c) बेतिया (d) वाराणसी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

25 जुलाई, 1857 को दानापुर में सैनिकों की 3 रेजिमेंटों ने विद्रोह कर दिया। 26 जुलाई को ये सैनिक आरा पहुंचे। यहां कुंवर सिंह ने इनका नेतृत्व स्वीकार किया। इस प्रश्न का उत्तर बिहार लोक सेवा आयोग ने पटना माना है, जबकि सही उत्तर आरा होना चाहिए।

31. इनमें से किसने 1857 के विद्रोह में सक्रिय भाग लिया था?

(a) नाना साहेब (कानपुर)

(b) बेगम हजरत महल (लखनऊ)

(c) मौलवी अहमदुल्लाह (फैजाबाद)

(d) बेगम जीनत महल (दिल्ली)

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(e) **66th BPSC (Pre) 2020**

ईस्ट इंडिया कंपनी के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा धार्मिक कारणों के फलस्वरूप 1857 का विद्रोह प्रारंभ हुआ। लखनऊ में इस विद्रोह का प्रारंभ जून, 1857 में हुआ। यहां पर इस विद्रोह का नेतृत्व बेगम हजरत महल ने किया था। कानपुर में इस विद्रोह का नेतृत्व नाना साहेब के द्वारा तथा फैजाबाद में इस विद्रोह को नेतृत्व मौलवी अहमदुल्लाह ने दिया था। जबकि बहादुरशाह जफर (अंतिम मुगल बादशाह) की पत्नी बेगम जीनत महल ने अप्रत्यक्ष रूप से इस विद्रोह में भाग लिया था। इस प्रकार दिए गए प्रश्न के सभी विकल्पों में से सबसे उचित उत्तर विकल्प (e) होगा।

32. पटना के 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नेता थे—

(a) हैदर अली खान (b) राजपूत कुंवर सिंह

(c) जुधार सिंह (d) कुशल सिंह

उत्तर—(b) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

पटना (बिहार) में जगदीशपुर के जमींदार कुंवर सिंह ने विद्रोह का नेतृत्व किया। उनकी जमींदारी कंपनी की नीतियों के कारण छिन गई थी, उन्होंने भी अपने रोष की अभिव्यक्ति विद्रोह में कर दी।

33. 1857 के विद्रोह का बिहार में 15 जुलाई, 1857 से 20जनवरी, 1858 तक केंद्र था—

(a) रामपुर (b) हमीरपुर

(c) धीरपुर (d) जगदीशपुर

उत्तर—(d) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

बिहार में 1857 के विद्रोह का केंद्र जगदीशपुर था, जहां जमींदार कुंवर सिंह ने नेतृत्व संभाला और शाहाबाद जिले में अंग्रेजों की सत्ता का तख्ता पलट कर अपनी सरकार स्थापित की। बिहार के विद्रोह को पटना डिवीजन (कमिश्नरी) के कमिश्नर विलियम टेलर और बंगाल गोलंदाज फौज के मेजर बिंसेट आयर द्वारा दबा दिया गया।

34. जगदीशपुर के राजा थे—

(a) नाना साहब (b) तात्या टोपे

(c) लक्ष्मी बाई (d) कुंवर सिंह

उत्तर—(d) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

कुंवर सिंह बिहार में आरा जिले के जगदीशपुर ग्राम के जमींदार थे, जिन्होंने वृद्धावस्था में अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया। विद्रोह के दौरान उन्हें 'बिहार का सिंह' कहा गया।

35. कुंवर सिंह ने 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किस प्रांत से किया?

(a) पंजाब (b) बंगाल

(c) बिहार (d) महाराष्ट्र

उत्तर—(c) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व आरा की विशाल रियासत के वृद्ध राजपूत जमींदार कुंवर सिंह ने किया था, जो शीघ्र ही पटना के समीप दानापुर, छोटानागपुर, रांची, पलामू आदि सहित बिहार के कई भागों में फैल गया। कुंवर सिंह ने लंबे समय तक बहादुरी और उत्साहपूर्वक अंग्रेजों से संघर्ष किया और लगभग 10 माह लंबी सफल लड़ाइयों के बाद युद्ध में प्राप्त घावों के कारण 26 अप्रैल, 1858 को शहीद हुए।

36. 1857 के विद्रोह का नेतृत्व बिहार में किसने किया?

(a) खान बहादुर खान (b) कुंवर सिंह

(c) तात्या टोपे (d) रानी राम कुआंरि

उत्तर—(b) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

(a) नाना साहब (b) तांत्या टोपे

(c) कुंवर सिंह (d) मौलवी अहमदुल्लाह

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **66th BPSC (Pre) 2020**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. निम्नलिखित में से कौन 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों का सबसे कट्टर दुश्मन था?

(a) मौलवी अहमदुल्लाह शाह

(b) मौलवी इंदादुल्लाह

(c) मौलाना फज्लेहक खैराबादा

(d) नवाब लियाकत अली

उत्तर—(a) **44th B.P.S.C. (Pre) 2001**

मौलवी अहमदुल्लाह शाह ने फैजाबाद में विद्रोह को अपना नेतृत्व प्रदान किया। ये अंग्रेजों के सबसे कट्टर दुश्मन थे। वह मूलतः तमिलनाडु में अर्काट के रहने वाले थे, पर वह फैजाबाद में आकर बस गए थे। उन्होंने भारत के विभिन्न धर्मानुयायियों का आह्वान करते हुए कहा कि ''सारे लोग काफिर अंग्रेजों के विरुद्ध खड़े हो जाओ और उन्हें भारत से बाहर खदेड़ दो।'' इनके बारे में अंग्रेजों ने कहा कि, 'अदम्य साहस के गुणों से परिपूर्ण और दृढ़ संकल्प वाले व्यक्ति तथा विद्रोहियों में सर्वोत्तम सैनिक है।' इनकी गिरफ्तारी के लिए ब्रिटिश सरकार ने 50,000 रु. का इनाम रखा था।

39. 1857 के विद्रोह को किस उर्दू कवि ने देखा था?

(a) मीर तकी मीर (b) जोक

(c) गालिब (d) इकबाल

उत्तर—(c) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001–02**

1857 के विद्रोह को मिर्जा गालिब ने स्वयं अपनी आंखों से देखा था।

40. निम्न में से कौन-सा ईस्ट इंडिया कंपनी के सिपाहियों को विद्रोही बनाने का कारण नहीं था?

(a) ईसाई धर्म फैलाने के लिए कंपनी के अधिकारियों के प्रयास

(b) जहाज पर यात्रा करने के लिए सिपाहियों को आदेश

(c) भत्ते की रोकथाम

(d) अधिकारियों की अक्षमता

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(d)

अंग्रेज अधिकारियों की अक्षमता, ईस्ट इंडिया कंपनी के सिपाहियों को विद्रोही बनाने का कारण नहीं था। इन्हीं अधिकारियों की योग्यता के बल पर अंग्रेजी हुकूमत ने लगभग 90 वर्षों में पूरे भारत पर कब्जा कर लिया था। इसके अतिरिक्त अन्य सभी कारण सिपाहियों को विद्रोही बनाने में सहायक थे।

41. निम्नलिखित वर्गों में किसने 1857 के विद्रोह में भाग नहीं लिया?

(i) खेतिहर मजदूर **(ii) साहूकार**

(iii) कृषक **(iv) जमींदार**

निम्नलिखित कूटों से अपना उत्तर चुनें—

(a) केवल i (b) i एवं ii

(c) केवल ii (d) ii एवं iv

उत्तर—(d) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

1857 का विद्रोह बहुत बड़े क्षेत्र में फैला हुआ था और इसे जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त था। फिर भी पूरे देश को या भारतीय समाज के सभी अंगों तथा वर्गों को अपनी लपेट में नहीं ले सका। यह दक्षिणी भारत तथा पूर्वी और पश्चिमी भारत के अधिकांश भागों में नहीं फैल सका। भारतीय रजवाड़ों के अधिकांश शासक तथा बड़े जमींदार पक्के स्वार्थी तथा अंग्रेजों की शक्ति से भयभीत थे और वे विद्रोह में शामिल नहीं हुए। इसके विपरीत ग्वालियर के सिंधिया, इंदौर के होल्कर, हैदराबाद के निजाम, जोधपुर के राजा, भोपाल के नवाब, पटियाला, नाभा, और जींद के सिख शासक तथा पंजाब के दूसरे सिख सरदार, कश्मीर के महाराजा तथा दूसरे अनेक सरदारों और बड़े जमींदारों ने विद्रोह को कुचलने में अंग्रेजों की सक्रिय सहायता की। गवर्नर-जनरल कैनिंग ने बाद में टिप्पणी की, कि इन शासकों ने ''तूफान के आगे बांध की तरह काम किया; वर्ना यह तूफान एक ही लहर में हमें बहा ले जाता।''

व्यापारियों और शिक्षित वर्ग ने कलकत्ता और बम्बई में सभाएं कर अंग्रेजों की सहायता के लिए प्रार्थना की। उच्च तथा मध्य वर्गों के अधिकांश लोग विद्रोहियों के आलोचक थे। विद्रोह में शामिल अवध के बहुत से तालुकदारों (बड़े जमींदारों) ने, अंग्रेजों से यह आश्वासन पाकर कि उनकी जागीरें वापस दे दी जाएंगी, विद्रोह से किनारा कर लिया।

ग्रामीण जनता के हमलों का निशाना सूदखोर थे, इसलिए वे स्वाभाविक तौर पर विद्रोह के शत्रु हो गए थे। आधुनिक शिक्षा प्राप्त भारतीयों ने भी विद्रोह का साथ नहीं दिया। शिक्षित भारतीय, देश का पिछड़ापन समाप्त करना चाहते थे। उनके मन में यह गलत विश्वास भरा था कि अंग्रेज आधुनिकीकरण के ये काम पूरा करने में उनकी सहायता करेंगे।

42. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) 1857 में दरभंगा, डुमरांव और हटवा के महाराजाओं और उनके साथी जमींदारों ने आदमी तथा पैसे से अंग्रेजों की मदद की

(b) 1857 में दरभंगा, डुमरांव और हटवा के महाराजाओं और उनके साथी जमींदारों ने आदमियों से अंग्रेजों की मदद की, पैसे से नहीं

(c) 1857 में दरभंगा, डुमरांव और हटवा के महाराजाओं और उनके साथी जमींदारों ने पैसे से अंग्रेजों की मदद की, आदमियों से नहीं

(d) 1857 में दरभंगा, डुमरांव और हटवा के महाराजाओं और उनके साथी जमींदारों ने अंग्रेजों का विरोध किया।

B.P.S.C. 56th to 59th (Pre) 2015

उत्तर—(a)

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के कुछ प्रमुख जमींदारों ने अंग्रेजों की धन एवं जन दोनों से बड़ी सहायता की थी। अंग्रेजों को इस प्रकार की मदद पहुंचाने वाले जमींदारों में दरभंगा, डुमरांव एवं हटवा के जमींदार शामिल थे।

43. 1857 के विद्रोह से बिहार का कौन-सा भाग अप्रभावित रहा?

(i) दानापुर **(ii) पटना**

(iii) आरा **(iv) मुजफ्फरपुर**

(v) मुंगेर

निम्नलिखित कूटों से अपना उत्तर चुनें—

(a) iv एवं v (b) केवल v

(c) केवल iv (d) iii, iv एवं v

उत्तर—(b) **41th B.P.S.C. (Pre)1996**

1857 के विद्रोह के दौरान बिहार में - आरा, दानापुर, पटना, मुजफ्फरपुर तथा शाहाबाद विद्रोह के प्रमुख केंद्र थे। पटना में पीर अली (पुस्तक विक्रेता) ने विद्रोहियों का नेतृत्व किया था। ग्रामीण जनता के बीच अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध जो विद्रोही काम कर रहे थे उन्होंने विद्रोही सिपाहियों का समर्थन किया।

44. 1857 का विद्रोह लखनऊ में किसके नेतृत्व में आगे बढ़ा?

(a) बेगम ऑफ अवध (b) तात्या टोपे

(c) रानी लक्ष्मीबाई (d) नाना साहब

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

लखनऊ (अवध) में विद्रोह का प्रारंभ 30 मई, 1857 को हुआ। यहां विद्रोह का नेतृत्व बेगम हजरत महल ने किया और अपने अल्पवयस्क पुत्र विरजिस कादिर को नवाब घोषित किया। मार्च, 1858 में कैंपवेल ने यहां के विद्रोह को समाप्त कर लखनऊ पर पुन: कब्जा कर लिया, जबकि बेगम हजरत महल ने आत्मसमर्पण करने से इन्कार कर दिया और नेपाल चली गईं।

45. 1857 का विद्रोह मुख्यतः किस कारण से असफल रहा?

(a) हिंदू-मुस्लिम एकता की कमी

(b) किसी सामान्य योजना और केंद्रीय संगठन की कमी

(c) इसके प्रभाव का सीमित क्षेत्र

(d) जमींदारों की सहभागिता

उत्तर—(b) **41th B.P.S.C. (Pre) 1996**

1857 के विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण किसी सामान्य योजना एवं केंद्रीय संगठन की कमी थी। विद्रोहियों के नेताओं में कोई संगठन की भावना देखने में नहीं आई। 82 वर्षीय बहादुरशाह कमजोर था, उसके द्वारा विभिन्न सरदारों का आह्वान करना काफी नहीं था। साथ ही विद्रोहियों ने वीरता तो दिखाई और सरकार का विनाश करने पर वे तुले हुए भी प्रतीत होते थे, किंतु ऐसा करने के लिए उनके पास किसी सुनियोजित कार्यक्रम का पूर्ण अभाव था। उनमें अनुशासन की कमी भी थी। कभी-कभी तो वे अनुशासित सेना के बजाए दंगाई भीड़ की तरह व्यवहार करते थे। विदेशी शासन के प्रति एक साझी घृणा को छोड़कर और कोई संबंध सूत्र नेताओं के बीच नहीं था। किसी क्षेत्र विशेष से ब्रिटिश सत्ता को उखाड़ फेंकने के बाद उन्हें पता भी नहीं होता था कि उसकी जगह किस प्रकार की राजनीतिक सत्ता या संस्थाएं स्थापित की जाएं। उनके पास एक भविष्योन्मुख कार्यक्रम, सुसंगत विचारधारा, राजनीतिक परिप्रेक्ष्य या भावी समाज और अर्थव्यवस्था के प्रति एक स्पष्ट दृष्टिकोण का अभाव था।

46. विचार कीजिए—

कथन (क) - 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता प्राप्त करने में असफल रहा।

कारण (का) – बहादुरशाह जफर के नेतृत्व को जनसहयोग नहीं मिला था और अधिकांश महत्वपूर्ण रियासतों के शासक उनका साथ देने में कतरा गए।

नीचे दिए गए कोड में सही उत्तर चुनिए—

(a) दोनों (क) और (का) सत्य हैं और (का), (क) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) दोनों (क) और (का) सत्य हैं, परंतु (का), (क) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (क) सत्य है और (का) असत्य है।

(d) (क) असत्य है, परंतु (का) सत्य है।

उत्तर—(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

1857 के विद्रोह का स्वरूप मुख्यतः सामंतवादी था, जिसमें कुछ राष्ट्रवाद के तत्व विद्यमान थे। अवध तथा रुहेलखंड के तथा अन्य उत्तरी भारत के सामंतवादी तत्वों ने विद्रोह का नेतृत्व किया और दूसरी ओर, अन्य सामंतवादी तत्वों यथा—पटियाला, जींद, ग्वालियर व हैदराबाद के राजाओं ने इस विद्रोह का दमन करने में सहायता की। संकट के समय कैनिंग ने कहा था—'यदि सिन्धिया भी विद्रोह में शामिल हो जाएं, तो मुझे कल ही बिस्तर गोल करना होगा।'

47. महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के नियंत्रण में लेने की घोषणा कब की थी?

(a) 1 नवंबर, 1858 (b) 31 दिसंबर, 1857

(c) 6 जनवरी, 1958 (d) 17 नवंबर, 1859

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

1857 की क्रांति के दमन के पश्चात 1 नवंबर, 1858 को महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के नियंत्रण में लेने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद भारत में कंपनी के शासन को समाप्त कर भारत को सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन कर दिया गया। एक भारत मंत्री या सचिव तथा 15 सदस्यों वाली इंडियन काउंसिल की स्थापना की गई। तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग को ही भारत का प्रथम वायसराय बनाया गया।

48. 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश सरकार ने सिपाहियों का इन प्रांतों से चयन किया—

(a) उत्तर प्रदेश एवं बिहार के ब्राह्मण
(b) पूर्व में बंगाली एवं उड़िया
(c) गोरखा, सिख एवं पंजाबी उत्तर प्रांत से
(d) मद्रास प्रेसीडेंसी एवं मराठा

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश सरकार ने सिपाहियों का चयन गोरखा, सिख एवं पंजाब के उत्तर प्रांत से किया। 1857 के विद्रोह को भड़काने में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के सैनिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इसलिए ब्रिटिश सरकार इन्हें संदेह की दृष्टि से देखती थी। विद्रोह के समय बंगाल सेना के 60 प्रतिशत सैनिक अवध तथा उत्तरी-पश्चिम (यू.पी.) प्रांत के थे। विद्रोह के लिए भारतीय सेना उत्तरदायी थी। इसी कारण 1 नवंबर, 1858 को महारानी विक्टोरिया के घोषणा-पत्र के अंतर्गत सेना का पुनर्गठन किया गया, जो विभाजन और प्रतिलोभन की नीति पर आधारित था।

49. निम्नलिखित में किसने 1857 के विद्रोह को एक 'षडयंत्र' की संज्ञा दी?

(a) सर जेम्स आउट्रम एंड डब्ल्यू. टेलर
(b) सर जॉन के
(c) सर जॉन लॉरेन्स
(d) टी.आर. होल्म्स

उत्तर—(a) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

सर जेम्स आउट्रम और डब्ल्यू. टेलर ने 1857 के विद्रोह को हिंदू-मुस्लिम षडयंत्र का परिणाम बताया है। आउट्रम का विचार था कि ''यह मुस्लिम षडयंत्र था, जिसमें हिंदू शिकायतों का लाभ उठाया जाए।'' जॉन लॉरेन्स और सीले के अनुसार, वह केवल 'सैनिक विद्रोह' था। सर जॉन सीले के अनुसार, 1857 का विद्रोह ''एक पूर्णतया देशभक्त रहित और स्वार्थी सैनिक विद्रोह था, जिसमें न कोई स्थानीय नेतृत्व ही था और न ही इसे सर्वसाधारण का समर्थन प्राप्त था''। उसके अनुसार, ''यह एक संस्थापित सरकार के विरुद्ध भारतीय सेना का विद्रोह था।''

50. 1857 के विद्रोह को किसके द्वारा 'प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' के रूप में वर्णित किया गया था?

(a) वी.डी. सावरकर (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) आर.सी. मजूमदार (d) दादाभाई नौरोजी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(a)

वी.डी. सावरकर ने अपनी पुस्तक 'The Indian war of Independence 1857' में 1857 के विद्रोह को सुनियोजित स्वतंत्रता संग्राम/प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी।

51. निम्नलिखित में कौन-सा आयोग 1857 के विद्रोह दमन के बाद भारतीय फौज के नव संगठन से संबंधित है?

(a) पब्लिक सर्विस आयोग (b) पील आयोग
(c) हंटर आयोग (d) साइमन कमीशन

उत्तर—(b) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

1857 के विद्रोह के दमन के बाद ब्रिटिश सरकार ने भारतीय फौज के 'नव गठन' के लिए पील आयोग का गठन किया, जिसने सेना के रेजीमेंटों को जाति, समुदाय और धर्म के आधार पर विभाजित किया। यूरोपीय सैनिकों की संख्या जो 1857 से पूर्व 45,000 थी, अब 65,000 कर दी गई तथा भारतीय सैनिकों की संख्या 2,38,000 से घटाकर 1,40,000 कर दी गई। बंगाल में यूरोपीय सैनिकों का भारतीय सैनिकों से 1 : 2 का अनुपात रखा गया, जबकि मद्रास तथा बंबई में यह अनुपात 1 : 3 का रखा गया।

52. 'नील विद्रोह' किसके बारे में था?

(a) रैयत नील की खेती नहीं करना चाह रहे थे, पर जबरदस्ती करवाई जा रही थी।
(b) रैयत नील की खेती करना चाह रहे थे, पर उन्हें जबरदस्ती रोका जा रहा था।
(c) रैयत नील की खेती नहीं करना चाह रहे थे, पर उनसे एक अमान्य मूल्य पर जबरदस्ती करवाई जा रही थी।
(d) नीले रंग के झंडे वाला एक विद्रोही आंदोलन।
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(c)

1859-60 ई. में बंगाल के नादिया जिले के गोविंदपुर में विष्णु विस्वास और दिगंबर विस्वास के नेतृत्व में नील बागान मालिकों के विरुद्ध हुआ। यह आंदोलन नील विद्रोह के नाम से जाना जाता है। विद्रोह का मूल कारण ददनी प्रथा थी, जिसमें बागान मालिक किसानों को नील की खेती के लिए कुछ पैसा अग्रिम भुगतान कर देता था। इस भुगतान के बदले किसान नील उगाने तथा उपज उसी बागान मालिक को पूर्व निर्धारित दर (जो बहुत ही कम होती थी) पर नील बेचने के लिए बाध्य हो जाता था। इस प्रकार की बेगार कृषि के विरुद्ध किसानों का विद्रोह नील विद्रोह था। इस पर दीनबंधु मित्र ने 'नील दर्पण' नामक नाटक लिखा है।

53. नील कृषकों की दुर्दशा पर लिखी गई पुस्तक ''नील दर्पण'' के लेखक कौन थे?

(a) बंकिम चंद्र चटर्जी (b) दीनबंधु मित्र

(c) शरत चंद्र चटर्जी (d) रबीन्द्रनाथ ठाकुर

उत्तर—(b) **42nd B.P.S.C. (Pre) 1997-98**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. वह प्रथा, जिसके तहत किसान स्वयं भूमि का मालिक होता है और सरकार को भू-राजस्व के भुगतान के लिए जिम्मेदार माना जाता है?

(a) जमींदारी प्रथा (b) रैयतवाड़ी प्रथा

(c) महालवाड़ी प्रथा (d) दहसाला प्रथा

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(b)

रैयतवाड़ी प्रथा के अंतर्गत किसान स्वयं भूमि का मालिक होता है और सरकार को भू-राजस्व के भुगतान के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

55. 'पागल पंथ' की स्थापना किसने की थी?

(a) बुल्ले शाह (b) करमशाह

(c) यदुवेंद्र सिंह (d) स्वामी सहजानंद

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(b)

पागल पंथ एक अर्द्ध-धार्मिक संप्रदाय था, जिसे उत्तरी बंगाल के करमशाह ने चलाया था। करमशाह का पुत्र तथा उत्तराधिकारी टीपू, धार्मिक तथा राजनैतिक उद्देश्यों से प्रेरित था। उसने जमींदारों के द्वारा मुजारों (Tenants) पर किए गए अत्याचारों के विरुद्ध आंदोलन किया। 1825 ई. में टीपू ने शेरपुर पर अधिकार कर लिया तथा राजा बन बैठा। वह इतना शक्तिशाली हो गया कि स्वतंत्र सत्ता का प्रयोग करने लगा और प्रशासन को चलाने के लिए उसने एक न्यायाधीश, एक मजिस्ट्रेट और एक कलेक्टर नियुक्त किया।

56. फराजी कौन थे?

(a) हाजी शरीयतुल्लाह के अनुयायी

(b) दादू के अनुयायी

(c) आर्य समाज के अनुयायी

(d) मुस्लिम लीग के अनुयायी

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(a)

फराजी लोग बंगाल के फरीदपुर के हाजी शरीयतुल्लाह द्वारा चलाए गए संप्रदाय के अनुयायी थे। ये लोग अनेक धार्मिक, सामाजिक तथा राजनैतिक आमूल परिवर्तनों का प्रतिपादन करते थे। शरीयतुल्लाह के पुत्र दादू मियां ने बंगाल से अंग्रेजों को निकालने की योजना बनाई। यह विद्रोह 1838-1860 ई. के दौरान चलता रहा, अंत में इस संप्रदाय के अनुयायी वहाबी दल में सम्मिलित हो गए।

57. 'फरैजी आंदोलन' की शुरुआत किसने की?

(a) हाजी शरियातुल्लाह (b) सैयद अहमद

(c) सलिमुल्लाह (d) एम.ए. जिन्ना

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. कूका आंदोलन को किसने संगठित किया?

(a) गुरु रामदास (b) गुरु नानक

(c) गुरु रामसिंह (d) गुरु गोविन्द सिंह

उत्तर—(c) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

कूका आंदोलन वहाबी आंदोलन से बहुत कुछ मिलता-जुलता था। दोनों धार्मिक आंदोलन के रूप में आरंभ हुए किंतु बाद में ये राजनीतिक आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गए, जिसका सामान्य उद्देश्य अंग्रेजों को देश से बाहर निकालना था। पश्चिमी पंजाब में कूका आंदोलन की शुरुआत 1840 के दशक में भगत जवाहर मल द्वारा की गई, जिन्हें मुख्यतः सियान साहब के नाम से पुकारा जाता था। गुरु रामसिंह ने कूका आंदोलन को संगठित किया तथा जुझारू बनाया। इनका उद्देश्य सिख धर्म में प्रचलित बुराइयों और अंधविश्वासों को दूर कर इस धर्म को शुद्ध करना था। 1872 ई. में इस आंदोलन के एक नेता रामसिंह को रंगून निर्वासित कर दिया गया। जहां इनकी 1885 ई. में मृत्यु हो गई।

59. 1875 के 'दक्कन के दंगों' का तात्कालिक कारण था?

(a) अकाल की छाया

(b) महाजनों के द्वारा ऊंची ब्याज पर

(c) ऊंची भू-राजस्व दर

(d) जबरदस्ती किए गए धार्मिक सुधार का विरोध

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(b)

1875 के दक्कन विद्रोह के अनेक कारण थे, जैसे- महाजनों द्वारा ऊंची ब्याज दर और कृषकों का स्थाई रूप से कर्जदार होना, भू-राजस्व की ऊंची ब्याज दर, कृषकों की अशिक्षा और गरीबी के कारण उनके खेत, घर आदि को गिरवी रखकर ऋण-पत्र पर उनसे हस्ताक्षर करवाना और न्याय व्यवस्था की जटिल एवं खर्चीली प्रणाली के कारण किसानों का अपने हितों की रक्षा करने में विफलता। इसी परिस्थिति में 1875-76 के अकाल ने कृषकों की ऋण शोधन क्षमता को पूरी तरह खत्म कर दिया, दूसरी तरफ भूमि के मूल्यों में गिरावट के कारण साहूकार ऋणों की वसूली में शीघ्रता करने लगे। इस तरह महाजनों के द्वारा ऊंची ब्याज दर पर वसूली दक्कन विद्रोह का तात्कालिक कारण बन गई।

60. महाराष्ट्र में रामोसी कृषक जत्था किसने स्थापित की थी?

(a) न्यायमूर्ति रानाडे (b) गोपालकृष्ण गोखले
(c) वासुदेव बलवन्त फड़के (d) ज्योतिबा फूले

उत्तर—(c) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

प्रारंभिक क्रांतिकारियों में अग्रगण्य वासुदेव बलवन्त फड़के (1845-83) ने बंबई प्रेसीडेंसी के रामोसी जनजाति के लोगों को संगठित करके प्रशिक्षित लड़ाकू बल में परिवर्तित किया। इन्हें काला पानी की सजा दी गई तथा 1883 ई. में आमरण अनशन से इनकी मृत्यु हो गई।

61. रामोसी विद्रोह सही रूप में किस भौगोलिक इलाके में हुआ था?

(a) पश्चिमी भारत (b) पूर्वी घाट
(c) पूर्वी भारत (d) पश्चिमी घाट

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(d)

पश्चिमी घाट में रहने वाले 'रामोसी जाति' के लोगों ने 1822 ई. में अपने नेता सरदार चित्तुर सिंह के नेतृत्व में रामोसी विद्रोह किया। रामोसियों ने सतारा के आस-पास के क्षेत्रों को लूटा और किलों पर भी आक्रमण कर दिया। 1825-26 ई. में भयंकर अकाल और अन्नाभाव के कारण इन्होंने उमाजी के नेतृत्व में पुनः विद्रोह किया।

62. वघेरा विद्रोह कहां हुआ?

(a) सूरत (b) पूना
(c) कालीकट (d) बड़ौदा

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(d)

बघेरा विद्रोह 1818 ई. में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध किया गया। बघेरा विद्रोह 'बड़ौदा' में हुआ। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने अंग्रेजी सेना की सहायता से बघेरों से अधिक कर एकत्र करने का प्रयत्न किया, जिसके परिणामस्वरूप बघेरा सरदारों ने विद्रोह कर दिया। 1818-1819 ई. के मध्य अंग्रेजी प्रदेश पर भी आक्रमण किया। यह विद्रोह 1820 ई. के आस-पास समाप्त हो गया।

63. मानव बलि प्रथा का निषेध करने के कारण अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जनजाति का नाम—

(a) कूकी (b) खोंड
(c) उरांव (d) नाइकदा

उत्तर—(b) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

खोंड जनजाति के लोग तमिलनाडु से लेकर बंगाल और मध्य भारत तक फैले विस्तृत पहाड़ी क्षेत्रों में रहते थे और पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण वे वस्तुतः स्वतंत्र थे। इन्होंने 1837 से 1856 ई. तक अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया। इस आंदोलन का नेतृत्व युवा राजा के नाम पर चक्र बिसोई ने किया। विद्रोह का मुख्य कारण ब्रिटिश सरकार द्वारा मानव बलि (मरिहा) को प्रतिबंधित करने के प्रयास, अंग्रेजों द्वारा नए करों का कारारोपण और अनेक क्षेत्रों में जमींदारों तथा साहूकारों के प्रवेश से संबंधित थे, जिनके कारण आदिवासियों को अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा। अंग्रेजों ने एक 'मरिहा एजेंसी' गठित की, जिसके विरुद्ध खोंडों ने विद्रोह किया परंतु 1855 ई. में चक्र बिसोई लुप्त हो गया, जिसके बाद यह आंदोलन समाप्त हो गया।

64. छोटानागपुर जनजाति विद्रोह कब हुआ था?

(a) 1807-1808 (b) 1820
(c) 1858-59 (d) 1889

उत्तर—(*) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

छोटानागपुर जनजाति विद्रोह के नाम से कोई विद्रोह नहीं हुआ है। फिर भी इस क्षेत्र में हुए विद्रोह की एक लंबी शृंखला है, जिसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है। दिए गए विकल्प में कोई भी तिथि किसी भी विद्रोह का सही समय नहीं है। इस क्षेत्र में हुआ कोल विद्रोह (1831-32), संथाल (1855-56) तथा मुंडा विद्रोह (1899) है। अतः कोई भी विकल्प सही नहीं है।

65. 1855 ई. में संथालों ने किस अंग्रेज कमांडर को हराया?

(a) कैप्टन नेक फेविले (b) लेफ्टिनेंट बास्टीन
(c) मेजर बारो (d) कर्नल ह्वाइट

उत्तर—(c) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

1855 ई. में संथालों ने भागलपुर क्षेत्र के भोगनाडीह ताल्लुके में विद्रोह कर दिया था। इन्होंने एक साथ पुलिस और दिकुओं पर आक्रमण किए थे, जिसका नेतृत्व सिद्धो, कान्हो, चांद और भैरव ने किया था। संथाल विद्रोह को दबाने के लिए मेजर बारो के नेतृत्व में एक सेना भेजी गई, जिसे (पीर पैंती के युद्ध में) संथालों ने हरा दिया था।

66. ई.स.1855 में संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?

(a) सिदो और कान्हू
(b) बुधु भगत और तेजा भगत
(c) मुलु मानेक और जोधा मानेक
(d) मदारी पासी और सहदेव
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. मुंडाओं ने विद्रोह खड़ा किया—

(a) 1885 में (b) 1888 में
(c) 1890 में (d) 1895 में

उत्तर—(d) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

मुंडा आदिवासियों का विद्रोह 1899-1900 ई. के बीच हुआ, इसका नेतृत्व बिरसा मुंडा ने किया। मुंडा जाति में सामूहिक खेती का प्रचलन था, लेकिन जागीरदारों, ठेकेदारों, बनियों और सूदखोरों ने सामूहिक खेती की परंपरा पर हमला बोला। मुंडा सरदार 30 वर्ष तक सामूहिक खेती के लिए लड़ते रहे। किंतु विकल्प में निकटतम उत्तर 1895 दिया है, इसलिए विकल्प (d) सही होगा। 1895 ई. में बिरसा ने अपने आपको भगवान का दूत घोषित किया था।

68. उलगुलान विद्रोह किससे जुड़ा था?

(a) संथाल (b) कच्छा नागा
(c) कोल (d) बिरसा मुंडा

उत्तर—(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

मुंडा विद्रोह उलगुलान महान हलचल के नाम से जाना गया। यह विद्रोह इस अवधि का सर्वाधिक प्रसिद्ध आदिवासी विद्रोह था। मुंडों की पारस्परिक भूमि व्यवस्था खूंटकट्टी या मुंडारी का जमींदारी या व्यक्तिगत भूस्वामित्व वाली भूमि व्यवस्था में परिवर्तन के विरुद्ध मुंडा विद्रोह की शुरुआत हुई, लेकिन कालांतर में बिरसा ने इसे धार्मिक, राजनीतिक आंदोलन का रूप प्रदान किया। मुंडा आदिवासियों का विद्रोह 1899-1900 ई. के बीच हुआ। 1895 ई. में बिरसा ने अपने आप को 'भगवान का दूत' घोषित किया और हजारों मुंडाओं का नेता बन गया। उसने कहा कि ''दिकुओं (गैर-आदिवासियों) से हमारी लड़ाई होगी और उनके खून से जमीन इस तरह लाल होगी जैसे लाल झंडा।'' 1899 ई. में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बिरसा ने मुंडा जाति का शासन स्थापित करने के लिए विद्रोह का एलान किया। लगभग 6000 मुंडा तीर-तलवार तथा कुल्हाड़ी लेकर बिरसा के साथ हो लिए। लेकिन बिरसा मार्च, 1900 के शुरू में गिरफ्तार कर लिया गया और जून में वह जेल में मर गया। विद्रोह कुचल दिया गया पर बिरसा अमर हो गया।

69. बिरसा मुंडा का कार्य क्षेत्र कौन-सा था?

(a) चंपारण (b) रांची
(c) बलिया (d) अलीपुर

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

बिरसा मुंडा का कार्यक्षेत्र रांची से लेकर भागलपुर तक था। बिरसा मुंडा का मुख्य उद्देश्य जनजातियों में समाज सुधार करना एवं इन्हें ब्रिटिश सत्ता से दूर रखना था। बिरसा ने अनेक देवताओं (बोंगा) की पूजा को छोड़कर अपने अनुयायियों से एक ईश्वर (सिंग बोंगा) की पूजा करने का आह्वान किया। मुंडा विद्रोह को दबाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने सैनिक शक्ति का प्रयोग किया।

70. 1899-1900 ई. की मुंडा क्रांति का नेता कौन था?

(a) सिधु (b) बूढ़ा भगत
(c) बिरसा मुंडा (d) शम्भूदान

उत्तर—(c) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. बिरसा मुंडा किसके पक्ष में थे?

(a) झारखंड (b) उत्तरांचल
(c) छत्तीसगढ़ (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(a) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

बिरसा मुंडा झारखंड के पक्ष में थे। यद्यपि बिरसा मुंडा का आंदोलन असफल हो गया एवं झारखंड राज्य की स्थापना अधूरी रह गई। कालांतर में जब बिहार का विभाजन कर झारखंड राज्य की स्थापना की गई तब बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने हेतु झारखंड राज्य की स्थापना बिरसा मुंडा के जन्म दिवस अर्थात 15 नवंबर के दिन की गई।

72. 1831 में बुद्धो भगत के नेतृत्व में कोल विद्रोह किस क्षेत्र में हुआ?

(a) कच्छ (b) सिंहभूम
(c) पश्चिमी घाट (d) सतारा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **66th BPSC (Pre) 2020**

1831 ई. में बुद्धो भगत के नेतृत्व में कोल विद्रोह छोटा नागपुर क्षेत्र के सिंहभूम, पलामू, हजारीबाग तथा मानभूम क्षेत्रों में हुआ था। इस विद्रोह का स्वरूप आर्थिक व राजनैतिक था। इस विद्रोह के पनपने का सर्वप्रमुख कारण इन क्षेत्रों के जमींदारों द्वारा भूमिकर को अत्यधिक बढ़ाया जाना था। 1831 ई. में बुद्धो भगत की मृत्यु के उपरांत इस विद्रोह का संचालन गंगा नारायण के द्वारा किया गया। यह विद्रोह रुक-रुक कर 1848 ई. तक चलता रहा। अंततः ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा इस विद्रोह का दमन कर दिया गया।

73. हौज विद्रोह हुआ—

(a) 1620-21 के दौरान (b) 1720-21 के दौरान
(c) 1820-21 के दौरान (d) 1920-21 के दौरान

उत्तर—(c) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

हौज विद्रोह 1820-21 ई. में हुआ था, जिसका केंद्र संथाल परगना था।

74. किस स्थान पर आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया?

(a) बिहार (b) पंजाब
(c) सिंध (d) काठियावाड़
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(e)

छोटानागपुर की 'हो' एवं 'मुंडा' जनजातियों ने 1820-22 ई. तथा पुनः 1831 ई. में ब्रिटिश सेनाओं को चुनौती दी थी। इस क्षेत्र में इस कारण 1837 ई. तक अशांति व्याप्त रही। सिन्ध के जनजातियों ने भी लगातार अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया था।

75. इनमें से किसने अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी के कंट्रोल के खिलाफ बगावत नहीं की?

(a) विजयनगरम का राजा
(b) हैदराबाद का निजाम
(c) तमिलनाडु के पोलिगार
(d) त्रावणकोर के दीवान वेलूथम्पी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(b)

हैदराबाद के निजाम को छोड़कर उपर्युक्त सभी (विजयनगरम के राजा, तमिलनाडु के पोलिगार तथा त्रावणकोर के दीवान वेलूथम्पी) ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण के खिलाफ विद्रोह किया था।

76. बंकिम चंद्र चटर्जी के 'आनंद मठ' में किस विद्रोह का उल्लेख है?

(a) संन्यासी (b) कूका
(c) संथाल (d) नील
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(a)

बंकिम चंद्र चटर्जी कृति 'आनंद मठ' का कथानक संन्यासी विद्रोह पर आधारित है। 'वंदे मातरम' गीत आनंद मठ से लिया गया है।

77. अफगानिस्तान के प्रति आक्रमक नीति किस वायसराय ने अपनाई थी?

(a) लॉर्ड मेयो (b) लॉर्ड लिटन
(c) लॉर्ड डफरिन (d) लॉर्ड कैनिंग
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर—(b) **63th B.P.S.C. (Pre) 2017**

1876 ई. में लॉर्ड लिटन के वायसराय बनकर आने पर अफगानिस्तान के प्रति अपनाई गई नीति में परिवर्तन आया। कुशल अकर्मण्यता की नीति के स्थान पर अग्रगामी नीति का अनुसरण होने लगा। 1878 ई. में द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध शुरू हो गया। 1879 ई. में गंडमक की संधि की गई।

78. 1878 का 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' किसने रद्द कर दिया था?

(a) लॉर्ड रिपन (b) लॉर्ड लिटन
(c) लॉर्ड कर्जन (d) लॉर्ड मिन्टो

उत्तर—(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

लॉर्ड रिपन ने 1882 ई. में वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट को रद्द कर दिया और भारतीय भाषाओं के समाचार–पत्रों को अंग्रेजी भाषा के समाचार-पत्रों के समान ही स्वतंत्रता दे दी। ज्ञातव्य है कि वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट 1878 में लॉर्ड लिटन के कार्यकाल (1876-1880) में पारित हुआ था। इस अधिनियम को 'मुंह बंद करने वाला अधिनियम' कहा गया। इस अधिनियम का सबसे घिनौना पक्ष यह था कि इसके अनुसार देशी भाषा तथा अंग्रेजी भाषा के समाचार-पत्रों में भेद-भाव किया गया था और इसमें अपराधी को अपील करने का अधिकार नहीं था। इस एक्ट द्वारा जिला मजिस्ट्रेट को यह अधिकार था कि वह किसी भी भारतीय भाषा के समाचार-पत्र से बांड पेपर (Bond Paper) पर हस्ताक्षर करवा ले कि वह कोई भी ऐसी सामग्री नहीं छापेगा जो सरकार विरोधी हो। कानून का विरोध करने वाले मुद्रणालयों की जमानत को मजिस्ट्रेट रद्द कर सकता था। इस अधिनियम के अधीन - 'सोम प्रकाश', 'भारत मिहिर', 'ढाका प्रकाश', 'सहचर' तथा अनेक अन्य समाचार-पत्रों के विरुद्ध मामले दर्ज किए गए।

79. 'स्थायी बंदोबस्त' किसके साथ किया गया?

(a) जमींदारों के साथ (b) ग्रामीण समुदायों के साथ
(c) मुकदमों के साथ (d) किसानों के साथ

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

1793 ई. में कार्नवालिस ने भू-राजस्व की स्थायी बंदोबस्त प्रणाली का प्रारंभ किया, इसे इस्तमरारी, जागीरदारी, मालगुजारी एवं बीसवेदारी आदि भिन्न-भिन्न नामों से भी जाना जाता है। यह व्यवस्था बंगाल, बिहार, उड़ीसा तथा उत्तर प्रदेश के वाराणसी एवं उत्तरी कर्नाटक में लागू थी। इसके अंतर्गत समूचे ब्रिटिश भारत के क्षेत्रफल का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा शामिल था। इस व्यवस्था के अंतर्गत जमींदारों के एक नए वर्ग को भू-स्वामी घोषित कर दिया गया, जिसे भूमि के लगान का 10/11 भाग कंपनी को देना था तथा 1/11 भाग अपनी सेवाओं के लिए अपने पास रखना था। स्थायी बंदोबस्त के अंतर्गत जमींदार छोटे पूंजीपति (भद्र नवाब) थे।

80. बिहार में 'परमानेंट सेटिलमेंट' लागू करने का कारण था—

(a) जमींदारों का जमीन पर अधिकार न रहना
(b) जमींदारों के लिए जमीन पर वंश परंपरागत अधिकार को स्वेच्छा से हस्तांतरित करने का अधिकार
(c) भू-राजस्व का राजस्व निर्णय करना
(d) जमींदारी-प्रथा का निर्मूलन

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

लॉर्ड कार्नवालिस के समय भू-राजस्व व्यवस्था आरंभ में दस वर्षीय व्यवस्था के रूप में 1790 ई. में लागू की गई थी, जो 22 मार्च, 1793 को 'परमानेंट सेटिलमेंट' (स्थायी बंदोबस्त) के रूप में स्थापित हुई। इस व्यवस्था को बिहार में लागू करने का कारण जमींदारों के लिए जमीन पर वंश परंपरागत अधिकार को स्वेच्छा से हस्तांतरित करना तथा मूल कारण कंपनी के लिए भू-राजस्व की एक निश्चित राशि तय करना था।

81. रैयतवाड़ी व्यवस्था सर्वप्रथम कहां लागू की गई थी?

(a) गुजरात (b) मद्रास

(c) बंबई (d) उड़ीसा

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(b)

रैयतवाड़ी व्यवस्था सर्वप्रथम मद्रास प्रेसीडेंसी में अलेक्जेंडर रीड के द्वारा 1792 ई. में तमिलनाडु के बारामहल क्षेत्र में लागू किया गया। इसके बाद यह व्यवस्था बंबई प्रेसीडेंसी में भी लागू हुई। टॉमस मुनरो का संबंध रैयतवाड़ी व्यवस्था से है।

82. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए—

..... में बंगाल और बिहार में भूमि पर किराएदारों के अधिकारों को बंगाल किराएदारी अधिनियम द्वारा दिया गया था।

(a) 1885 (b) 1886

(c) 1889 (d) 1900

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(a)

1793 ई. में लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त को लागू किया गया, जिसने जमींदारों को कई अधिकार प्रदान किए। 19वीं शताब्दी तक आते-आते भूमि की मांग बढ़ने लगी और भूमि मालिकों ने किराए में बढ़ोतरी की। यह समय किसानों के विद्रोह का था। इसी बीच बंगाल सरकार ने बंगाल एवं बिहार में बंगाल किराएदारी अधिनियम, 1885 को लागू किया, जिसमें भूमि मालिकों (जमींदारों) और किराएदारों के अधिकारों को परिभाषित किया गया।

83. 'सत्यार्थ प्रकाश' की रचना की गई थी—

(a) राजा राममोहन राय द्वारा

(b) महात्मा गांधी द्वारा

(c) स्वामी विवेकानन्द द्वारा

(d) स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा

उत्तर—(d) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

मूलशंकर (स्वामी दयानन्द) का जन्म 1824 ई. में गुजरात की मौरवी रियासत के निवासी एक ब्राह्मण कुल में हुआ था। उन्होंने 1860 ई. में मथुरा में स्वामी विरजानन्द जी से वेदों के शुद्ध अर्थ तथा वैदिक धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा प्राप्त की। 1867 ई. में उन्होंने पाखंड खंडिनी पताका लहराई। 1875 ई. में उन्होंने बंबई में आर्य समाज की स्थापना की। उनके विचार उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' में वर्णित हैं। अन्य रचनाएं—पाखंड खंडन, वेदभाष्य भूमिका, ऋग्वेद भाष्य, अद्वैत मंत्र का खंडन, पंच महायज्ञ विधि तथा वल्लभाचार्य मत खंडन प्रमुख हैं।

84. 'अमृत बाजार पत्रिका' की स्थापना किसने की?

(a) गिरीश चन्द्र घोष (b) हरीश चन्द्र मुखर्जी

(c) एस.एन. बनर्जी (d) शिशिर कुमार घोष

उत्तर—(d) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

'अमृत बाजार पत्रिका' की स्थापना मोती लाल घोष तथा शिशिर कुमार घोष ने 1868 ई. में कलकत्ता में की। प्रारंभ में यह बंगाली भाषा में प्रकाशित होती थी। 1878 ई. में देशी भाषा प्रेस अधिनियम से बचने के लिए रातों-रात अंग्रेजी भाषा में रूपांतरित हो गई। गिरीश चन्द्र घोष ने 'बंगाली' का प्रकाशन 1862 ई. में शुरू किया, जिसे 1879 ई. में एस.एन. बनर्जी ने ले लिया। 'हिंदू पैट्रियाट' की स्थापना भी गिरीश चन्द्र घोष ने की। बाद में हरीश चन्द्र मुखर्जी इसके संपादक बने।

85. निम्न अखबारों में से कौन-सा मुख्यतया उदारवादियों की नीतियों का प्रचारक था?

(a) न्यू इंडिया (b) लीडर

(c) यंग इंडिया (d) फ्री प्रेस जनरल

उत्तर—(b) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

'फ्री प्रेस जनरल' एक न्यूज एजेंसी थी। 'यंग इंडिया' एक साप्ताहिक-पत्रिका थी, जिसे महात्मा गांधी प्रकाशित करते थे। लीडर समाचार-पत्र के संपादक मदन मोहन मालवीय थे। मालवीय उदारवादी दल के नेता थे। इसके माध्यम से उदारवादी अपनी नीतियों का प्रचार करते थे।

86. उन्नीसवीं शताब्दी के धर्म एवं समाज सुधार आंदोलनों ने जनसंख्या के किस वर्ग को मुख्यतः आकर्षित किया?

(i) बुद्धिजीवी (ii) नगरीय उच्च जातियां

(iii) निर्धन सर्वसाधारण वर्ग (iv) उदार रजवाड़े

अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूटों से करें।

(a) केवल i (b) i एवं ii

(c) i, ii एवं iii (d) i, ii एवं iv

उत्तर—(c) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

19वीं सदी के धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन का भारत के इतिहास में विशेष स्थान है। इसने जहां एक ओर धार्मिक एवं सामाजिक सुधारों का आह्वान किया, वहीं दूसरी ओर इसने भारत के अतीत को उजागर कर भारतवासियों के मन में आत्म-सम्मान और आत्म-गौरव की भावना जगाने की कोशिश की। इसने बुद्धिजीवी, नगरीय उच्च जातियों एवं निर्धन सर्वसाधारण वर्ग को अपनी ओर आकर्षित किया।

87. भारतीय पुनर्जागरण आंदोलन के पिता कौन थे?

(a) बाल गंगाधर तिलक

(b) दयानंद सरस्वती

(c) श्रद्धानंद

(d) राजा राममोहन राय

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

राजा राममोहन राय को 'भारतीय पुनर्जागरण का पिता', 'भारतीय राष्ट्रवाद का पैगंबर', 'अतीत और भविष्य के मध्य सेतु', 'भारतीय राष्ट्रवाद का जनक, 'आधुनिक भारत का पिता', प्रथम आधुनिक पुरुष तथा 'युगदूत' कहा गया।

88. निम्नलिखित में कौन 'आत्मीय सभा' के संस्थापक थे?

(a) राजा राममोहन राय (b) स्वामी दयानन्द सरस्वती
(c) स्वामी विवेकानन्द (d) अरबिन्द घोष

उत्तर—(a) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

हिंदू धर्म के एकेश्वरवादी मत का प्रचार करने के लिए 1815 ई. में राजा राममोहन राय ने अपने युवा समर्थकों के सहयोग से 'आत्मीय सभा' की स्थापना की। उन्होंने मूर्तिपूजा की आलोचना की और सप्रमाण यह विचार व्यक्त किया कि हिंदुओं के सभी प्राचीन मौलिक धर्म ग्रंथों ने एक ब्रह्म का उपदेश दिया है। इसके समर्थन में उन्होंनें वेदों और पांच मुख्य उपनिषदों का बंग्ला भाषा में अनुवाद किया।

89. ब्रह्म समाज की स्थापना हुई थी, वर्ष—

(a) 1827 (b) 1829
(c) 1831 (d) 1843

उत्तर—(*) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

राजा राममोहन राय ने 20 अगस्त, 1828 को 'ब्रह्म सभा' नाम से एक नए समाज की स्थापना की, जिसे आगे चलकर 'ब्रह्म समाज' के नाम से जाना गया। इस समाज ने मूर्ति पूजा का विरोध किया और एक ब्रह्म की पूजा का उपदेश दिया। यह ऐसे लोगों की जमात थी, जो ईश्वर की एकता में विश्वास करते थे और मूर्ति पूजा से अलग रहते थे। इस नवीन धर्म में सामाजिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक कर्मकांडों के लिए कोई स्थान नहीं था। ब्रह्म समाज ने रंग, वर्ण अथवा मत पर विचार किए बिना मानव मात्र के प्रति प्रेम तथा जीवन की उच्चतम विधि के रूप में मानवता की सेवा पर बल दिया। दिए गए विकल्प में कोई भी विकल्प सही नहीं है।

90. राजा राममोहन राय द्वारा ब्रह्म समाज की स्थापना की गई—

(a) 1816 ई. में (b) 1820 ई. में
(c) 1828 ई. में (d) 1830 ई. में

उत्तर—(c) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

91. 'सती' को गैर-कानूनी किसने घोषित किया?

(a) वॉरेन हेस्टिंग्स
(b) विलियम बेंटिक
(c) कार्नवालिस
(d) कर्जन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(b)

लॉर्ड विलियम बेंटिक ने दिसंबर, 1829 में नियम-17 द्वारा सती-प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रारंभ में यह कानून केवल बंगाल प्रेसीडेंसी में लागू किया गया, परंतु 1830 ई. में इसे बंबई और मद्रास प्रेसीडेंसियों में भी लागू किया गया।

92. 'प्रार्थना समाज' के संस्थापक कौन थे?

(a) आत्माराम पांडुरंग (b) तिलक
(c) एनी बेसेंट (d) रासबिहारी घोष

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में बंबई में आचार्य केशवचंद्र सेन की प्रेरणा से आत्माराम पांडुरंग द्वारा की गई थी। महादेव गोविंद रानाडे इस संस्था से 1869 ई. में जुड़े। इस संस्था का प्रमुख उद्देश्य जाति प्रथा का विरोध, स्त्री-पुरुष की विवाह की आयु में वृद्धि, विधवा विवाह एवं स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन देना था। रानाडे का सामाजिक सुधार आंदोलन 19वीं शताब्दी के अंत तक सफलतापूर्वक जारी रहा।

93. उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में 'नव हिंदूवाद' (New-Hinduism) के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि थे—

(a) रामकृष्ण परमहंस (b) स्वामी विवेकानन्द
(c) बंकिम चन्द्र चटर्जी (d) राजा राममोहन राय

उत्तर—(b) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

स्वामी विवेकानन्द ने 1897 ई. में रामकृष्ण मिशन की स्थापना अपने गुरु की स्मृति में की थी। उन्होंने संन्यास धारण करके धार्मिक ग्रंथों का विशद अध्ययन किया। अपने गुरु की शिक्षाओं की व्याख्या को साकार करने का श्रेय स्वामी विवेकानन्द (1862-1902) को है। उन्होंने इस शिक्षा का साधारण भाषा में वर्णन किया। स्वामी विवेकानन्द इस नवीन हिंदू धर्म (Neo-Hinduism) के प्रचारक के रूप में उभरे। 1893 ई. में वे शिकागो गए जहां उन्होंने 'पार्लियामेंट ऑफ रिलिजन' में अपना सुप्रसिद्ध भाषण दिया। इस भाषण से उन्होंने पश्चिमी संसार के सामने पहली बार भारत की संस्कृति की महत्ता को प्रभावकारी तरीके से प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उन्होंने अमेरिका और इंग्लैंड में भ्रमण किया और हिंदू धर्म का प्रचार किया। स्वामी जी ने हिंदू धर्म के इस पक्ष 'मुझे मत छेड़ो' की बहुत भर्त्सना की। उनके अनुसार, हिंदू धर्म अब केवल खान-पान तक ही सीमित रह गया था। वह निर्धनों के धनियों द्वारा शोषण पर धर्म की चुप्पी से बहुत अप्रसन्न थे। उनके अनुसार, भूखे व्यक्ति से धर्म की बात करना ईश्वर तथा मानवता का अपमान है। विवेकानन्द ने कोई राजनीतिक संदेश नहीं दिया, परंतु फिर भी उन्होंने अपने लेखों तथा भाषणों द्वारा नई पीढ़ी में अपने भूतकाल में एक नवीन आत्मगौरव की भावना जगाई। वह एक पक्के देश भक्त थे। सुभाष चन्द्र बोस ने उनके बारे में कहा था कि ''जहां तक बंगाल का संबंध है, हम विवेकानन्द को आधुनिक राष्ट्रीय आंदोलन का 'आध्यात्मिक पिता' कह सकते हैं।''

94. इनमें से किसने 1893 में शिकागो में आयोजित धर्म संसद में भाग लिया?

(a) दयानंद सरस्वती (b) स्वामी विवेकानंद
(c) महात्मा गांधी (d) राजा राममोहन राय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **66th BPSC (Pre) 2020**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, वर्ष—

(a) 1861 में (b) 1891 में
(c) 1893 में (d) 1897 में

उत्तर—(d) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

स्वामी विवेकानन्द दक्षिणेश्वर के स्वामी कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस के परम् शिष्य थे। उनके बचपन का नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। आगे चलकर वे स्वामी विवेकानन्द (1863-1902 ई.) के नाम से प्रसिद्ध हुए। उन्होंने रामकृष्ण के संदेश को विश्व में फैलाया। रामकृष्ण मिशन के सिद्धांतों का आधार वेदान्त दर्शन है। मिशन मनुष्य की सेवा को ईश्वर की सेवा मानता है, क्योंकि मनुष्य की आत्मा में परमात्मा का अंश है।

96. दयानन्द सरस्वती द्वारा स्थापित है—

(a) ब्रह्म समाज (b) आर्य समाज
(c) प्रार्थना समाज (d) बहुजन समाज

उत्तर—(b) **43rd B.P.S.C. (Pre) 1999**

दयानन्द सरस्वती (मूल शंकर) ने 1875 ई. में बंबई में आर्य समाज की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म की शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था। आर्य समाज आंदोलन का प्रसार प्रायः पाश्चात्य प्रभावों की प्रतिक्रिया के रूप में हुआ। 1877 ई. में आर्य समाज का मुख्यालय लाहौर में स्थापित किया गया जिसके उपरांत आर्य समाज का अधिक प्रचार हुआ। शुद्ध वैदिक परंपरा में विश्वास के चलते स्वामी जी ने 'पुनः वेदों की ओर चलो' का नारा दिया। स्वामी दयानन्द का उद्देश्य था कि भारत को धार्मिक, सामाजिक तथा राष्ट्रीय रूप से एक कर दिया जाए। धार्मिक क्षेत्र में वह मूर्ति पूजा, बहुदेववाद, अवतारवाद, पशुबलि, श्रद्धा, तंत्र, मंत्र तथा झूठे कर्मकांडों को स्वीकार नहीं करते थे। वह वेदों को ईश्वरीय ज्ञान मानते थे तथा उपनिषद काल तक के साहित्य को स्वीकार करते थे। आर्य समाज के नियम तथा सिद्धांत सबसे पहले बंबई में गठित किए गए। पुनः उसे 1877 ई. में लाहौर में संपादित कर एक निश्चित रूप दिया गया। आर्य समाज का प्रचार-प्रसार पंजाब में अत्यधिक सफल रहा तथा कुछ सीमा तक उत्तर-प्रदेश, गुजरात तथा राजस्थान में भी इसे सफलता मिली। महात्मा हंसराज, पंडित गुरुदत्त, लाला लाजपत राय तथा स्वामी श्रद्धानन्द इसके विशिष्ट कार्यकर्ताओं में से थे। 1892-93 ई. में आर्य समाज दो गुटों में बंट गया। एक गुट पाश्चात्य शिक्षा का समर्थक था, जबकि दूसरा गुट पाश्चात्य शिक्षा का विरोधी। पाश्चात्य शिक्षा के विरोधियों में स्वामी श्रद्धानन्द, लेखराज और मुंशीराम प्रमुख थे। इन लोगों ने वर्ष 1902 में 'गुरुकुल' की स्थापना की। पाश्चात्य शिक्षा के समर्थकों में लाला लाजपत राय तथा हंसराज प्रमुख थे। इन लोगों ने 'दयानन्द एंग्लो कॉलेज' की स्थापना की।

97. किसने 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की?

(a) गोपालकृष्ण गोखले (b) ज्योतिबा फूले
(c) शिवनाथ शास्त्री (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b) **40th B.P.S.C. (Pre) 1995**

1873 ई. में सत्यशोधक समाज की स्थापना ज्योतिबा फूले ने की थी। इनका जन्म 1827 ई. में एक माली के घर हुआ था। इन्होंने शक्तिशाली गैर-ब्राह्मण आंदोलन का संचालन किया। इन्होंने अपनी पुस्तक 'गुलामगीरी' (1872) एवं अपने संगठन 'सत्य शोधक समाज' के द्वारा पाखंडी ब्राह्मणों एवं उनके अवसरवादी धर्म ग्रंथों से निम्न जातियों की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया।

98. 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना किसने की थी?

(a) दयानंद सरस्वती (b) ज्योतिबा फुले
(c) गांधीजी (d) डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

99. 'थियोसोफ़िकल सोसाइटी' की स्थापना किसने की?

(a) मैडम एच.पी. ब्लावेट्स्की (b) राजा राममोहन राय
(c) महात्मा गांधी (d) स्वामी विवेकानंद

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(a)

'थियोसोफिकल सोसाइटी' की स्थापना एक रूसी महिला मैडम एच.पी. ब्लावेट्स्की, अमेरिकी सैनिक अधिकारी कर्नल अल्कॉट, विलियम क्वॉन जज एवं अन्य द्वारा 1875 ई. में न्यूयॉर्क में की गई थी। इस सोसाइटी के संस्थापक 1882 ई. में मद्रास के पास अड्यार नामक स्थान पर सोसाइटी का मुख्यालय स्थापित किए, जो बाद में इसका अंतरराष्ट्रीय कार्यालय बना। इसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन हिंदू धर्म में लोगों के आत्मविश्वास को जगाना और बढ़ाना तथा धर्म को समाज सेवा का मुख्य आधार बनाना था। जबकि राजा राममोहन राय द्वारा 1828 ई. में 'ब्रह्म समाज' एवं स्वामी विवेकानंद द्वारा 1897 ई. में 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की गई थी।

100. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थीं?

(a) कस्तूरबा गांधी (b) श्रीमती एनी बेसेंट
(c) सरोजिनी नायडू (d) भक्ति लक्ष्मी देसाई
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर—(b)

एनी बेसेंट आंग्ल-आयरलैंड से थीं। वे वर्ष 1907 से 1933 तक थियोसिफिकल सोसायटी की प्रधान रहीं, वर्ष 1916 में होमरूल लीग का गठन किया तथा वर्ष 1917 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। वर्ष 1925 में कानपुर में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 40वें अधिवेशन में सरोजिनी नायडू कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष तथा दूसरी महिला अध्यक्ष बनीं।

101. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थीं?

(a) सरोजिनी नायडू (b) एनी बेसेंट
(c) कस्तूरबा गांधी (d) अरुणा आसफ अली
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

102. भारत में नारी-आंदोलन इनकी प्रेरणा से प्रारंभ हुआ-

(a) पद्माबाई रानाडे (b) एनी बेसेंट
(c) सरोजिनी नायडू (d) ज्योतिबा फुले

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

प्रश्नगत विकल्पों में भारत में नारी आंदोलन ज्योतिबा फुले की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ। ज्योतिबा फुले मानते थे कि महिलाओं एवं दलितों का उत्थान करके ही सामाजिक बुराइयों को दूर किया जा सकता है। 1848 ई. में इन्होंने लड़कियों के लिए एक स्कूल खोला। यह लड़कियों के लिए भारत का प्रथम स्कूल था। आधुनिक भारत में महिला आंदोलन की प्रेरणा स्रोत रमाबाई रानाडे रही हैं। महादेव गोविंद रानाडे की पत्नी श्रीमती रमाबाई ने सेवा सदन नामक संगठन की स्थापना की थी। यदि विकल्प (a) में रमाबाई नाम होता, तो यही उत्तर होता। यही कारण है कि बिहार लोक सेवा आयोग ने किसी विकल्प को सही उत्तर नहीं माना था और तारांकित किया था।

103. प्रार्थना समाज, यंग इंडिया, लोकहितवादी, सत्यशोधक समाज, रहनुमाई मजदेवसन सभा के लिए निम्न विकल्पों में से सही संयोजन पहचानिए -

(a) गोपाल हरि देशमुख, आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, ज्योतिबा फुले, नौरोजी फुरदोनजी
(b) आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरि देशमुख, ज्योतिबा फुले, नौरोजी फुरदोनजी
(c) आत्माराम पांडुरंग, ज्योतिबा फुले, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरि देशमुख, नौरोजी फुरदोनजी
(d) नौरोजी फुरदोनजी, आत्माराम पांडुरंग, मोहनदास करमचंद गांधी, गोपाल हरि देशमुख, ज्योतिबा फुले
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(b)

प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में बंबई में आचार्य केशवचंद्र सेन की प्रेरणा से आत्माराम पांडुरंग द्वारा की गई थी। महात्मा गांधी द्वारा प्रारंभ किए गए समाचार पत्र थे- इंडियन ओपीनियन, हरिजन, यंग इंडिया तथा नवजीवन। महाराष्ट्र के समाज सुधारक गोपाल हरि देशमुख 'लोकहितवादी' के रूप में प्रख्यात थे। 1873 ई. में सत्यशोधक समाज' की स्थापना ज्योतिबा फुले ने की थी। 1851 ई. में नौरोजी फुरदोनजी ने अन्य पारसी सहयोगियों के साथ रहनुमाई मजदेवसन सभा की स्थापना की। इस प्रकार विकल्प (b) सही संयोजन है।

104. 'नाई-धोबी बंद' सामाजिक बायकाट का एक स्वरूप था, जो 1919 में—

(a) किसानों द्वारा प्रतापगढ़ जिले में चलाया गया था
(b) साधुओं द्वारा चलाया गया आंदोलन जिससे निम्न जाति के लोगों का उद्धार हो सके
(c) जमींदारों द्वारा गांव के निम्न जाति के विरुद्ध उठाया गया कदम
(d) निम्न जाति द्वारा ठेकेदारों के विरुद्ध उठाया गया आंदोलन

उत्तर—(a) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

वर्ष 1919 के अंतिम दिनों में किसानों का संगठित विद्रोह खुलकर सामने आया। प्रतापगढ़ जिले की एक जागीर में 'नाई-धोबी बंद' सामाजिक बहिष्कार संगठित कार्रवाई की पहली घटना थी। झिंगुरी सिंह और दुर्गपाल ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई लेकिन जल्दी ही आंदोलन में एक नया चेहरा उभरा—बाबा रामचन्द्र, जिन्होंने आंदोलन की बागडोर ही नही संभाली, अपितु उसे और मजबूत एवं जुझारू बनाया। बाबा रामचंद्र महाराष्ट्र के ब्राह्मण परिवार के थे। वर्ष 1920 के मध्य में वे एक किसान नेता के रूप में उभरे, उन्होंने अवध के किसानों को संगठित करना शुरू किया। उनमें संगठन की अद्भुत क्षमता थी।

105. पंजाब भूमि हस्तांतरण अधिनियम कब पारित किया गया?

(a) 1850 (b) 1895
(c) 1900 (d) 1905
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(c)

पंजाब भूमि हस्तांतरण अधिनियम, 1900 ई. में पारित किया गया, जिससे कृषकों की भूमि का गैर-कृषकों के पास हस्तांतरित होना समाप्त हो गया।

106. अवध के एका आंदोलन का उद्देश्य क्या था?

(a) सरकार को लगान देना बंद करना
(b) जमींदारों के अधिकारों की रक्षा करना
(c) सत्याग्रह की समाप्ति

(d) लगान का नकद में परिवर्तन

उत्तर—(d) **39th B.P.S.C. (Pre) 1994**

एका आंदोलन (1921-22) का नेतृत्व पिछड़ी जाति के मदारी पासी ने किया था। इस आंदोलन में, जिसकी गतिविधि के मुख्य केंद्र हरदोई, बाराबंकी, बहराइच तथा सीतापुर थे। किसानों की मुख्य शिकायतें लगान में बढ़ोतरी और उपज के रूप में लगान में बढ़ोतरी और उपज के रूप में लगान वसूल करने की प्रथा को लेकर थीं। किसानों से 50 प्रतिशत से अधिक लगान वसूल किया जा रहा था। जमींदारों के गुर्गे ठेकेदार किसानों को प्रताड़ित करते थे। एका आंदोलन का राष्ट्रवादियों द्वारा निर्धारित अहिंसक नीतियों में विश्वास कम था। फलस्वरूप राष्ट्रवादी नेता आंदोलन से अलग-थलग पड़ गए और आंदोलन ने दूसरी राह पकड़ ली। इस आंदोलन में सरकार को लगान देना बंद नहीं किया गया, बल्कि आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग थी–''बढ़ती महंगाई के कारण लगान का नकद में रूपांतरण किया जाए।''

107. स्वामी सहजानन्द का संबंध था—

(a) बिहार के जनजातीय आंदोलनों के साथ
(b) बिहार के जातीय आंदोलनों के साथ
(c) बिहार के किसान आंदोलनों के साथ
(d) बिहार के मजदूर आंदोलनों के साथ

उत्तर—(c) **42nd B.P.S.C. (Pre), 1997-98**

स्वामी सहजानन्द ने बिहार प्रांतीय किसान सभा की स्थापना की थी और वे अखिल भारतीय किसान सभा के एक प्रमुख नेता भी थे। उनका संबंध बिहार के किसान आंदोलन से था। इनके कृषि सुधार कार्यक्रम का वास्तविक लक्ष्य जमींदारी प्रथा का उन्मूलन तथा कृषकों को मालिकाना अधिकार दिलाना था। किसानों के प्रति इनकी समर्पित सेवाओं के कारण इन्हें **किसान-प्राण** कहा जाने लगा।

108. स्वामी सहजानंद निम्न में से किससे संबंधित थे?

(a) बिहार में जनजातीय आंदोलन
(b) बिहार में मजदूर आंदोलन
(c) बिहार में किसान आंदोलन
(d) बिहार में जाति आंदोलन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **66th BPSC (Pre) 2020**

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

109. इनमें से कौन बिहार में किसान आंदोलन के साथ जुड़े थे?

(a) राजेन्द्र प्रसाद (b) सी.आर. दास
(c) मोतीलाल नेहरू (d) भगत सिंह

उत्तर—(a) **44th B.P.S.C. (Pre) 2000**

राजेन्द्र प्रसाद बिहार में किसान आंदोलन से जुड़े थे। वे सितंबर, 1946 में गठित अंतरिम सरकार में खाद्य एवं कृषि मंत्री थे। ये संविधान सभा के अध्यक्ष थे। संविधान लागू होने के बाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने।

110. 'सुरक्षा प्रकोष्ठ' की नीति संबंधित है—

(a) वॉरेन हेस्टिंग्स से (b) लॉर्ड डलहौजी से
(c) हेनरी लॉरेन्स से (d) लॉर्ड हेस्टिंग्स से

उत्तर—(a) **47th B.P.S.C. (Pre) 2005**

सुरक्षा प्रकोष्ठ या घेरे की नीति से वॉरेन हेस्टिंग्स तथा वेलेजली संबंधित थे। वॉरेन हेस्टिंग्स ने मैसूर और मराठों के साथ युद्ध, अन्य भारतीय रियासतों के साथ बराबरी की पदवी प्राप्त करने की भावना से किया। इस समय कंपनी ने अपने राज्य के चारों ओर मध्य राज्य (Buffer State) बनाने का प्रयत्न किया। इसका उद्देश्य केवल अपने राज्य की रक्षा करना था अथवा हम यह भी कह सकते हैं कि अपने पड़ोसी राज्यों की सीमाओं की रक्षा करो ताकि अपनी सीमाएं सुरक्षित रहें। उस समय भय मुख्यतः अफगानों और मराठों से था। इसलिए कंपनी ने अवध की रक्षा व्यवस्था के कार्य को इस शर्त पर संभाला कि अवध का नवाब उस व्यय का बोझ उठाए और इस प्रकार अवध की रक्षा ही बंगाल की रक्षा थी। वेलेजली के आने से कंपनी के भारतीय रियासतों के साथ संबंधों में परिवर्तन आया। वेलेजली का उद्देश्य भारतीय रियासतों को अपनी रक्षार्थ कंपनी पर निर्भर करने पर बाध्य करना था। उसने भारतीय रियासतों को अंग्रेजी राजनीतिक शक्ति के और सैनिक रक्षा के घेरे में लाने का प्रयत्न किया। रियासतों के प्रति प्रमुख ब्रिटिश नीतियां निम्नलिखित हैं—

1. कंपनी का भारतीय रियासतों से समानता के लिए संघर्ष (1740-1765 ई.)
2. 'सुरक्षा प्रकोष्ठ' नीति या घेरे की नीति (1765-1813 ई.)
3. अधीनस्थ पार्थक्य की नीति (1813-1857 ई.)
4. अधीनस्थ संघ की नीति (1858-1935 ई.)
5. बराबर के संघ की नीति (1935-1947 ई.)

111. निम्नलिखित में किसने बंगाल में द्वैध-शासन प्रणाली (Dual Government) को समाप्त किया?

(a) रॉबर्ट क्लाइव (b) लॉर्ड कार्नवालिस
(c) वॉरेन हेस्टिंग्स (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर—(c) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

वॉरेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल में 1772 ई. में कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स ने दोहरी शासन प्रणाली को समाप्त करने का निर्णय लिया तथा कलकत्ता परिषद तथा उसके प्रधान को आज्ञा दी कि वे स्वयं दीवान बनें और बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा के प्रबंध को अपने हाथ में ले लें। वॉरेन हेस्टिंग्स ने दोनों उपदीवानों मुहम्मद रजा खां और राजा शिताब राय को पदच्युत कर दिया। द्वैध शासन जिसकी शुरुआत बंगाल में 1765 ई. से मानी जाती है, के अंतर्गत कंपनी दीवानी अधिकार अपने पास रखती थी और निजामत के कार्यों का निष्पादन नवाब के माध्यम से करती थी, लेकिन वास्तविक शक्ति कंपनी के पास होती थी। क्लाइव समझता था कि समस्त शक्ति कंपनी के पास है तथा नवाब के पास सत्ता की केवल छाया ही है। उसने प्रवर समिति को लिखा था ''यह नाम, यह छाया आवश्यक है तथा हमें इसको स्वीकार करना चाहिए।''

112. लॉर्ड वेलेजली की सहायक संधि को स्वीकार करने वाला पहला मराठा सरदार था—

(a) पेशवा बाजीराव II (b) रघुजी भोंसले

(c) दौलत राव सिंधिया (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(a) **41st B.P.S.C. (Pre) 1996**

वेलेजली ने भारतीय राज्यों को अंग्रेजी राजनैतिक परिधि में लाने के लिए सहायक संधि प्रणाली का प्रयोग किया। उसने सहायक संधि का आविष्कार नहीं किया। इस प्रणाली का अस्तित्व तो पहले ही था तथा वह शनैः-शनैः विकसित हुई थी। सम्भवतः डूप्ले प्रथम यूरोपीय था, जिसने अपनी सेना किराए पर भारतीय राजाओं को दी थी। अंग्रेजों ने भी यह प्रणाली अपनाई। प्रथम सहायक संधि 1765 ई. में अवध से की गई, जब कंपनी ने निश्चित धन के बदले उसकी सीमाओं की रक्षा करने का वचन दिया। सहायक संधि स्वीकार करने वाले राज्य थे- हैदराबाद (1798 तथा 1800), मैसूर (1799), तंजौर (अक्टूबर, 1799), अवध (नवंबर, 1801), पेशवा (दिसंबर, 1802), बराड़ के भोंसले (दिसंबर, 1803), सिंधिया (फरवरी, 1804), जोधपुर, जयपुर, मच्छेड़ी, बूंदी तथा भरतपुर। दौलतराव सिंधिया और जसवंत होल्कर दोनों पूना में अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शित करना चाहते थे। बाजीराव द्वितीय सिन्धिया का साथ दे रहा था। उसने 1801 ई. में जसवन्त के भाई की हत्या कर दी, परिणामस्वरूप जसवंत होलकर की सेना ने पूना पर आक्रमण कर पेशवा व सिन्धिया की संयुक्त सेना को परास्त कर दिया। बाजीराव द्वितीय ने भाग कर बसीन में शरण ली तथा 31 दिसंबर, 1802 को अंग्रेजों से 'बसीन की संधि' की। संधि के अनुसार, पेशवा बाजीराव द्वितीय ने अंग्रेजों की संरक्षकता स्वीकार कर ली। इस संधि को मराठों द्वारा अंग्रेजों के साथ की गई प्रथम सहायक संधि की संज्ञा दी गई।

113. महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी नियुक्त किया गया—

(a) 1858 में (b) 1876 में

(c) 1877 में (d) 1885 में

उत्तर—(c) **38th B.P.S.C. (Pre) 1992-93**

ब्रिटिश संसद ने एक राज-उपाधि अधिनियम पारित किया, जिससे महारानी विक्टोरिया को 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि से विभूषित किया गया। लॉर्ड लिटन ने 1 जनवरी, 1877 को दिल्ली में एक वैभवशाली दरबार का आयोजन करके उस उपाधि की घोषणा की। इसी समय दक्कन में भीषण अकाल (1877) पड़ा था। सरकार ने झूठे आडम्बर और वैभव पर करोड़ों रुपया व्यय किया, विशेषकर उस समय जब लोग भूखों मर रहे थे। आर.जी. प्रधान के अनुसार, ''इस राज उपाधि अधिनियम और दिल्ली दरबार से एक राष्ट्रीय अपमान की गुप्त भावना सी जनता में फैल गई।'' कलकत्ता की एक पत्रिका ने इसकी तुलना उस घटना से की जब ''नीरो बंसी बजा रहा था और रोम जल रहा था।''

114. बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन की स्थापना किसने की?

(a) फिरोजशाह मेहता (b) के.टी. तैलंग

(c) डब्ल्यू.सी. बनर्जी (d) तैयबजी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(e)

1885 ई. में बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन की स्थापना फिरोजशाह मेहता, के.टी. तैलंग और बदरुद्दीन तैयब ने किया। इसका उद्देश्य लोगों में राजनीतिक विचारों का प्रचार-प्रसार करना था।

115. भारत संघ (Indian Association) के संस्थापक कौन थे?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) बाल गंगाधर तिलक

(c) ए.ओ. ह्यूम (d) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

उत्तर—(d) **45th B.P.S.C. (Pre) 2001-02**

26 जुलाई, 1876 को सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने आनन्द मोहन बोस के सहयोग से इंडियन एसोसिएशन की स्थापना कलकत्ता में की। यह तत्कालीन संस्थाओं में सबसे महत्वपूर्ण थी, जिसे कांग्रेस से पूर्व अखिल भारतीय स्तर की संस्था का सम्मान प्राप्त था। इस संस्था ने सिविल सेवा परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग तथा इल्बर्ट बिल जैसे विवादों को लेकर आंदोलन चलाया। इंडियन एसोसिएशन (भारत संघ) में जमींदारों के स्थान पर मध्यम वर्ग को प्रधानता दी गई थी।

116. ई.स. 1876 में इंडियन एसोसिएशन की स्थापना किसने की थी?

(a) सुरेंद्रनाथ बनर्जी (b) चितरंजन दास

(c) डब्ल्यू.सी. बनर्जी (d) अरविंद घोष

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

117. राष्ट्रीय कांग्रेस से पूर्व सबसे प्रमुख संस्था थी—

(a) बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी

(b) ईस्ट इंडिया एसोसिएशन

(c) यंग बंगाल एसोसिएशन

(d) इंडियन एसोसिएशन ऑफ कलकत्ता

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

26 जुलाई, 1876 को सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने आनंद मोहन बोस के सहयोग से इंडियन एसोसिएशन या भारत संघ की स्थापना कलकत्ता में की। यह तत्कालीन राजनीतिक संस्थाओं में सबसे प्रमुख एवं महत्वपूर्ण थी, जिसे कांग्रेस से पूर्व अखिल भारतीय स्तर की संस्था का सम्मान प्राप्त था। इस संस्था ने सिविल सेवा परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग तथा इल्बर्ट बिल विवाद जैसे मामलों को लेकर आंदोलन चलाया। इंडियन एसोसिएशन (भारत संघ) में जमींदारों के स्थान पर मध्यम वर्ग को प्रधानता दी गई थी।